THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 351 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र अमावस्या, 2082 बुधवार, 18 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस ने 'महिला प्रवेश' का मुद्दा उठाया, सीएम विजयन को दी चुनौती

कोच्चि, 17 मार्च (एजेंसियां)। केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। अब वहां पर सियासी राजनीति तेज हो गई है। इसी बीच एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा उठाया। उन्होंने केरल सरकार पर हमला किया। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन को इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करने की चुनौती दी। वेणुगोपाल ने राज्य में वामपंथी शासन की कथित तौर पर सर्वोच्च न्यायालय में मासिक धर्म वाली महिलाओं के पहाड़ी मंदिर में प्रवेश के मुद्दे पर टालमटोल वाले रुख के लिए कड़ी आलोचना की।

भारत पहुंचा 'नंदा देवी'

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। जामनगर के वडीनार (कांडला) पोर्ट पर मंगलवार सुबह एक बड़ा एलपीजी कार्गो लेकर जहाज एमटी नंदा देवी पहुंचा। दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह के अनुसार, जहाज सुबह करीब 2:30 बजे पोर्ट के एंकरिज क्षेत्र में पहुंचा।

चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने जहाज के कैप्टन और क्रू से मुलाकात कर इस महत्वपूर्ण कार्गो को सुरक्षित पहुंचाने के लिए उनका आभार जताया। साथ ही उन्होंने ट्रांसफर प्रक्रिया के दौरान हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

जहाज से हमारे-आपके घर तक एलपीजी गैस कैसे पहुंचती है?

जहाज से निकलकर एलपीजी का आपके किचन तक पहुंचने का सफर काफी दिलचस्प और व्यवस्थित होता है। इसे हम पोर्ट से चूल्हे तक का सफर कह सकते हैं। ज्यादातर एलपीजी बड़े समुद्री जहाजों के जरिए विदेशों से आते हैं। जहाज बंदरगाह पर रुकते हैं और बड़े पाइपों के जरिए गैस को किनारे पर बने विशाल 'इंपोर्ट टर्मिनल्स' में भेजा जाता है। यहां गैस को बहुत बड़े गोलाकार या बेलनाकार टैंकों में रखा जाता है। इन्हें एलपीजी टर्मिनल कहते हैं।

टर्मिनल से गैस को देश के अलग-अलग हिस्सों में बने 'बोटलिंग प्लांट' तक पहुंचाया जाता है। इसके दो मुख्य तरीके हैं। एक पाइपलाइन- इसके जरिए जमीन के अंदर बिछी बड़ी पाइपलाइनों के जरिए गैस को सैकड़ों किलोमीटर दूर भेजा जाता है। दूसरा रोड टैंकर- इसके तहत सफेद रंग के बड़े बुलेट नुमा ट्रक गैस को सड़क मार्ग से प्लांट तक ले जाते हैं। इसके बाद गैस बोटलिंग प्लांट तक पहुंचते हैं, जहां सिलिंडर भरे जाते हैं। यह इस सफर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। बोटलिंग प्लांट में गैस को लोहे के सिलिंडरों में भरा जाता है।

सफाई और जांच : खाली सिलिंडरों की बारीकी से जांच की जाती है कि कहीं कोई लीक या डेंट तो नहीं है।

फिलिंग : ऑटोमैटिक मशीनों के जरिए तय वजन (जैसे 14.2 किलो) के अनुसार गैस भरी जाती है।

सीलिंग : गैस भरने के बाद वाल्व पर सुरक्षा कैप लगाई जाती है और उसे सील कर दिया जाता है। इसके बाद डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए एलपीजी गैस सिलिंडर उपभोक्ताओं यानी हमारे आपके घरों तक पहुंचती है।

भारत पहुंचने वाला नंदा देवी दूसरा जहाज

एमटी नंदा देवी हाल के दिनों में दूसरा भारतीय एलपीजी जहाज है, जिसने सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पार कर भारतीय तट तक पहुंच बनाई है। इससे ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के प्रयासों को मजबूती मिली है। इससे एक दिन पहले ही एलपीजी कैरियर शिवालिक करीब 40,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर मुंद्रा पोर्ट पहुंचा था। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्गो का एक हिस्सा मुंद्रा में उतारा जाएगा, जबकि बाकी एलपीजी को मैंगलोर भेजा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में भारतीय जहाजों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है, ताकि जहाजों और उनके क्रू की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मौजूदा हालात में यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

'अस्पताल पर हमले को कोई सही नहीं ठहरा सकता'

भारत ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की भारत ने कड़ी निंदा की है। भारत ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कोई भी धर्म या कानून, अस्पताल पर हमले को सही नहीं ठहरा सकता। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि सोमवार शाम को काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर हुए हवाई हमले में करीब 400 लोगों की मौत हो गई और 250 से ज्यादा लोग घायल हैं। पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज किया है और कहा कि हमले आतंकी ठिकानों और आतंकवादी ढांचों पर किए गए और आम नागरिकों के ठिकानों को टारगेट नहीं किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए।

विधानसभा चुनाव की तैयारी

निर्वाचन आयोग ने तैनात किए 1111 पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। देश के चार राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश में अगले महीने विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस चुनाव के चलते तेज होती राजनीति के बीच अब चुनाव आयोग ने भी बड़ा एलान किया है। आयोग ने बताया कि अगले महीने होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनाव के लिए 1,111 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। बता दें कि इस बार विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में होने हैं। इसके अलावा कई राज्यों में अप्रैल में विधानसभा उपचुनाव भी आयोजित होंगे।

क्यों तैनात किए गए हैं पर्यवेक्षक :

बता दें कि पर्यवेक्षक अपनी तैनाती के बाद अपने संपर्क विवरण सार्वजनिक करेंगे और रोजाना एक निश्चित समय तय करेंगे, जब उम्मीदवार, राजनीतिक दल या जनता के किसी भी सदस्य चुनाव से जुड़े शिकायत या सुझाव लेकर उनसे मिल सके। इस कदम का मकसद है कि चुनाव साफ-सुथरे, पारदर्शी और सभी के लिए निष्पक्ष तरीके से संपन्न हों।

चार राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव :

बता दें कि बीते 15 मार्च रविवार को चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। इनमें असम, केरल, पुदुचेरी, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु शामिल हैं। असम, केरल, पुदुचेरी और तमिलनाडु में एक ही चरण में चुनाव कराए जाएंगे, जबकि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव होंगे।

एक साथ बदले जाएंगे 13 जिलों के एसपी, कुल 19 अफसरों का तबादला

कोलकाता, 17 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का एलान होने के बाद से बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हो चुका है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को भी 19 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया है। तबादला किए गए अधिकारियों में उत्तर, दक्षिण बंगाल के एडीजी भी शामिल हैं। इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव का भी तबादला किया जा चुका है।

आईपीएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह को दक्षिण बंगाल का नया एडीजी नियुक्त किया गया है। वहीं के जयरामन को उत्तर बंगाल के एडीजी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों 1997 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। आसनसोल-दुर्गापुर, हावड़ा, बराकपोर और चंदननगर जिलों में भी नए कमिश्नर ऑफ पुलिस की नियुक्ति की गई है। 13 जिलों के पुलिस अधीक्षक भी ताजा फेरबदल में बदले गए हैं।

सारा अली खान की केदारनाथ में एंट्री : बीकेटीसी अध्यक्ष बोले-सनातन में आस्था रखने वालों का स्वागत

देहरादून, 17 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में गैर-सनातनियों के प्रवेश को लेकर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने एक सब-कमेटी गठित कर दी है, जो एक खास एसओपी तैयार कर रही है। इस एसओपी के आधार पर उन लोगों के प्रवेश को वर्जित किया जाएगा जो सनातन धर्म में आस्था नहीं रखते।

इसी दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान को भी केदारनाथ में एंट्री नहीं मिलेगी? तो इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा- केदारनाथ में एंट्री के लिए सारा अली खान को पहले एफिडेविट देकर यह बताना होगा कि उनकी सनातन धर्म में आस्था है। देहरादून में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हेमंत द्विवेदी ने बताया की बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में मंदिर के करीब 50 से 60 मीटर के इलाके में मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यह व्यवस्था श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने और दर्शन व्यवस्था को सुचारु रखने के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

'अफवाहों से बचें, घबराएं नहीं, घर पर ही मिलेगा सिलिंडर'

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में हालिया घटनाक्रमों के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पैदा हुई चिंताओं के बीच, भारत के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ऊर्जा सुरक्षा पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान में देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

हालांकि, सरकार ने देश में आम लोगों से एलपीजी के मसले पर अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा है कि वे घबराएं नहीं। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने दावा किया है लोग पैनिक न करें। बुकिंग के बाद उनके घर पर ही मिलेगा सिलिंडर की

डिलिवरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने लोगों से कहा कि वे एलपीजी के इस्तेमाल में किफायत बरतने की कोशिश करें और संभव तो हो पीएनजी का इस्तेमाल शुरू करें। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक संघर्ष के बीच भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला, नागरिकों की सुरक्षा और बाजार स्थिरता को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। एक तरफ जहां विदेश मंत्रालय वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहा है, वहीं पेट्रोलियम और शिपिंग मंत्रालयों ने घरेलू स्तर पर ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स के सुचारू संचालन का भरोसा दिया है। आपूर्ति को बाधित करने वाले तत्वों पर भी देशव्यापी कार्रवाई तेज कर दी गई है। ऊर्जा आपूर्ति और कूटनीतिक पहल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

कांग्रेस ने जारी की 55 उम्मीदवारों की पहली सूची

> वीडी सतीशन को मिला पारावूर से टिकट

तिरुवनंतपुरम, 17 मार्च (एजेंसियां)। केरल विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 55 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इस सूची के साथ राज्य में चुनावी मुकाबला और तेज हो गया है। पार्टी ने कई मौजूदा नेताओं और नए चेहरों को टिकट दिया है। पार्टी ने राज्य अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन को पारावूर सीट से मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा चांडी ओम्मेन को पुथुप्पल्ली सीट से टिकट दिया गया है। यह सीट पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी की राजनीतिक विरासत से जुड़ी मानी जाती है, इसलिए यहां मुकाबला काफी अहम माना जा रहा है।

'उत्पात नहीं मचाएंगे' : इन शर्तों को मानने पर 8 विपक्षी सांसदों से हटा सस्पेंशन

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। संसद में निलंबित किए गए आठ सांसदों का निलंबन आज वापस ले लिया गया है। मंगलवार को संसद में प्रस्ताव लाकर इन सांसदों का निलंबन रद्द किया किया। साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी गई कि आगे इस तरह का आचरण न अपनाए। सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी। वहीं बीजेपी ने दावा किया है कि पक्ष और विपक्ष के बीच दो समझौते हुए हैं, जिसके तहत अब विपक्ष फर्जी बयानबाजी नहीं करेगा।

सभी 8 सांसदों का निलंबन रद्द होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं कि यह रद्द हो गया है। बीजेपी सांसद निशिकांत ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि आज सभी कांग्रेस पार्टी के सांसदों का निलंबन शायद वापस होगा। उन्होंने कहा, यह पहला समझौता हुआ कि विपक्ष के नेता अनर्गल, बेबुनियाद, तथ्यहीन, बकवास बातें सदन में नहीं करेंगे। उसके बदले मैं शांतिपूर्ण व्यवहार करूंगा। निशिकांत दुबे ने आगे बताया कि, दूसरा समझौता हुआ है कि वेल में विपक्ष के सांसद सत्ता पक्ष की तरफ नहीं जाएंगे, कागज नहीं फेंकेंगे, लोकसभा के मेज पर चढ़कर उत्पात नहीं मचाएंगे, लोकसभा के अधिकारियों के साथ अभद्रता नहीं करेंगे।

लोकतंत्र की मर्यादा बनी रहे, जनता ने हमें वाद-विवाद के लिए संसद बनाया है ना कि उत्पात मचाने के लिए। सूत्रों के अनुसार, ऑल पार्टी मीटिंग में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसद शामिल हुए और बैठक में इस बात पर राय बनी थी कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने के लिए निलंबन को समाप्त किया जाना चाहिए।

'ईरान से चल रही बातचीत, भारतीय जहाजों को वापस लाना लक्ष्य'

पणजी, 17 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संकट को लेकर मंगलवार को विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ईरान और अन्य देशों के साथ बातचीत चल रही है।

उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से भारतीय जहारों को वापस लाना प्राथमिकता है। एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ईरान और अन्य देशों के साथ हमारी बातचीत जारी है। जैसा कि हमारे विशेष सचिव ने बताया, कई जहाज अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में मौजूद हैं। हमारा इरादा ईरान और अन्य देशों के साथ मिलकर इन जहाजों को सुरक्षित वापस लाना है।

इजराइल बोला-ईरान के सिक्योरिटी चीफ लारीजानी को मारा

तेल अवीव/तेहरान, 17 मार्च (एजेंसियां)। ईरानी मीडिया के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में एक जहाज पर ईरान ने हमला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को शारजाह पोर्ट पर एक जहाज में जोरदार विस्फोट हुआ। वहीं शारजाह के सिक्स्थ इंडस्ट्रियल एरिया में एक वेयरहाउस में भी आग लग गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार दमकल टीमों ने करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इस बीच इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के सिक्योरिटी चीफ अली लारीजानी को मार गिराया है। हालांकि इस दावे की ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मृतक के बैंक खातों की जानकारी वारिसों को देने में क्या दिक्कत? केंद्र और आरबीआई से 'सुप्रीम' सवाल

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और आरबीआई से सवाल किया है कि आखिर मृत व्यक्ति के बैंक खातों की जानकारी उनके वारिसों को देने में क्या परेशानी है। कोर्ट ने साफ कहा कि इस मामले में सरकार को एक स्पष्ट और ठोस नीति बनानी होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच इस मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। यह मामला पत्रकार सुचेता दलाल की ओर से दायर जनहित याचिका (पीआईएल) से जुड़ा है।

याचिका में मांग की गई है कि ऐसे बैंक खातों की जानकारी देने का एक सिस्टम बनाया जाए, जिनमें पैसे पड़े हैं लेकिन खाता धारक अब जीवित नहीं हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एक अहम सवाल उठाया। जजों ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के कई अलग-अलग बैंक खातें हों और उसकी बिना वसीयत मौत हो जाए, तो उसके वारिसों को इन खातों की जानकारी कैसे मिलेगी? कोर्ट ने कहा कि जानकारी देने में क्या गलत है, सरकार को इस पर सोचकर नीति बनानी चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि आरबीआई खुद भी एक 'सेंट्रलाइज्ड और सर्चेबल डेटाबेस' बनाने की सिफारिश कर चुका है, ताकि लोग अपने मृत परिजनों के खातों का पता लगा सकें। वहीं केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि अगर कोई असली वारिस सामने आता है, तो उसे पैसा 'डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड' से वापस मिल जाता है।

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने भारत से सीजफायर कराने की अपील की

नई दिल्ली/हेलसिंकी, 17 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी हमलों की वजह से पश्चिम एशिया में इस समय भारी तनाव और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ऐसे हालात में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने सुझाव दिया है कि भारत अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने में एक महत्वपूर्ण डिप्लोमैटिक भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ते रहने के बीच तुरंत सीजफायर की अपील की। ब्लूमबर्ग के साथ एक इंटरव्यू में, स्टब ने कहा कि ग्लोबल कोशिशों को दुश्मनी रोकने और बातचीत के रास्ते खोलने पर फोकस करना चाहिए, साथ ही यह भी कहा कि भारत तनाव कम करने के मकसद से की जा रही डिप्लोमैटिक कोशिशों में शायद मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, हमें सीजफायर की जरूरत है। मैं सोच रहा हूं कि क्या भारत सच में इसमें शामिल हो सकता है। हमने देखा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने चीजों को शांत करने के लिए सीजफायर की अपील की थी। फिनलैंड के राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब नई दिल्ली इस इलाके में बढ़ते टकराव के बीच तेहरान के साथ एक्टिव रूप से बातचीत कर रही है। बता दें, हाल ही में भारत के विदेश मंत्री ने तेजी से बदल रहे हालात पर चर्चा करने के लिए अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ टेलीफोन पर एक और राउंड की बातचीत की।

रियल एस्टेट क्षेत्र में कासाग्रैंड बेलेयर प्रोजेक्ट के बढते कदम

सभी सुविधाओं से युक्त नार्थ ग्रेटर हैदराबाद स्थित कासाग्रैंड बेलेयर प्रोजेक्ट में विल्लाज आकर्षक दरों पर उपलब्ध

उत्तरी क्षेत्र के ग्रेटर हैदराबाद में विल्ला का बढ़ता चलन **कासाग्रैंड बेलेयर** में देखने को मिलता है। इस संदर्भ में, रियल एस्टेट क्षेत्र में कासाग्रैण्ड बेलेयर प्रोजेक्ट के आधिकारिक सूत्रों नुसार, **तेलंगाना राज्य का नार्थ ग्रेटर हैदराबाद धीरे-धीरे शहर के सबसे ज़्यादा ध्यान खींचने वाले रिहायशी इलाकों में से एक के तौर पर उभर रहा है।** इसे बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और पुराने लग्जरी क्षेत्रों की तुलना प्रॉपर्टी की आकर्षक दरों पर उपलब्ध हो रहा है। जैसे-जैसे ग्रेटर हैदराबाद का शहरी दायरा अपने पारंपरिक केंद्र से आगे बढ़ रहा है, **उत्तरी या नार्थ इलाके में रिहायशी प्रॉपर्टी में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है।** इस बदलते माहौल में, एक ऐसा चलन जो तेज़ी से ज़ोर पकड़ रहा है, वह है गेटेड कम्युनिटी के भीत स्वतंत्र विल्लाज की बढ़ती मांग है। जिससे यह मकान खरीदने वालों की पसंद में आए बदलाव को दर्शाता है, जो अब ज़्यादा बड़ी रहने की जगह, प्राइवेसी और कम आबादी वाले इलाकों को पसंद कर रहे हैं।

कासाग्रैण्ड बेलेयर जैसे प्रोजेक्ट-जो गोडावेल्ली में कासाग्रैंड की एक प्रीमियम विल्ला कम्युनिटी है, जो यह दर्शाते हैं कि डेवलपर इस बदलती मांग का जवाब कैसे दे रहे हैं। **9.35 एकड़ में फैला यह प्रोजेक्ट 79 बेहद शानदार 5 बीएचके बंगलोज से निर्मित किया गया है,** जिन्हें रहने के लिए खुली और निजी जगह देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हर घर में निजी बगीचे, निजी लिफ्ट और खास होम थिएटर हैं, जो लग्ज़री मकानों में निजी जगहों पर बढ़ती मांग को दर्शाते हैं।

इस प्रोजेक्ट को खुलेपन और हरियाली पर खास ध्यान देकर डिज़ाइन किया गया है; **इस बिग प्रोजेक्ट का 75% से अधिक हिस्सा खुले गार्डन्स और हरियाली के लिए रखा गया है।** इससे यहां निवास करने वालों को दैवीय प्रकाश, ताज़ी हवा और शांत माहौल का लाभ मिलता है-ये ऐसी खूबियाँ हैं जिनकी तलाश उन खरीदारों को ज़्यादा होती है जो भीड़भाड़ वाले अपार्टमेंट्स से दूर जाना चाहते हैं। मकानों के अलावा, इस कम्युनिटी में ऐसी जीवनशैली से जुड़ी सुविधाएँ भी हैं जो वर्तमान के विल्ला प्रोजेक्ट्स की पहचान बनती जा रही हैं। **लगभग 20,000 वर्ग फ़ीट में फैले दो शानदार क्लबहाउस और 85** से ज़्यादा चुनिंदा सुविधाएँ मनोरंजन और बेहतर स्वास्थ्य से जुड़े कई तरह के अनुभव देती हैं। इनमें रूफटाप पर बने स्विमिंग पूल, पानी पर तैरते मेडिटेशन डेक, सजे-धजे बगीचे, फ़िटनेस ज़ोन और आराम व सामाजिक मेलजोल के लिए डिज़ाइन की गई अनेकानेक स्थान शामिल हैं।

इस तरह की विल्ला कम्युनिटी का तेजी से विकास जो नार्थ ग्रेटर हैदराबाद में हो रहे बड़े बदलावों से जुड़ा है। शहर के उन पुराने हिस्सों के विपरित, जहाँ ज़मीन की कमी के कारण ऊँची इमारतें बनी हैं, गोडावेल्ली, मेडचल और कोम्पल्ली जैसे इलाकों में अभी भी ज़मीन के बड़े बडे प्लाट्स उपलब्ध हैं। इन बडे खण्ड प्लाट्स पर सोच-समझकर योजना बनाई गई है, कम आबादी वाली रिहायशी बस्तियाँ बनाना मुमकिन हो पाता है।

इस क्षेत्र में निवसित होने के लिए और भी ज़्यादा आकर्षक बनाने में कनेक्टिविटी ने भी एक अहम भूमिका निभाई है। **उत्तरी महानगर हैदराबाद को एनएच-44 से लाभ प्राप्त होता है,** जो भारत के सबसे लंबे नेशनल हाईवे में से एक है, जबकि आउटर रिंग रोड (ओआरआर) जो समस्त ग्रेटर हैदराबाद में सिग्नल-फ्री कनेक्टिविटी प्रदान करता है। ये ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर इस इलाके को रोज़गार के बड़े केंद्रों जैसे गचीबोवली, फ़ाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट और हायटेक सिटी से आसानी से जोड़ते हैं, साथ ही राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुँच भी आसान बनाते हैं।

कासाग्रैंड बेलैर को इस कनेक्टिविटी के फ़ायदे का सीधा लाभ मिलता है। यह विल्ला कम्युनिटी के अंतर्गत पंजीकृत है।

यह प्रोजेक्ट आउटर रिंग रोड के एग्जिच नं. 5 से मात्र पाँच मिनट, मेडचल चेकपोस्ट से 10 मिनट, और कोमपल्ली, बाचुपल्ली, बोवरमपेट और गांधीमैसम्मा क्रॉस रोड्स से लगभग 15 मिनट की दूरी पर स्थित है एवं साथ ही यह प्रोजेक्ट इण्डिया के सबसे बड़े फ़ार्मा हब के भी समीप है। यही नही, इस क्षेत्र का आर्थिक माहौल भी मज़बूत हो रहा है।

जिसमे जिनोम वैली, जो **2,000 एकड़** में फैला हुवा एक लाइफ़ साइंस क्लस्टर है और जिसमें 200 से अधिक बायोटेक्नोलॉजी और फ़ार्मास्यूटिकल कंपनियाँ संचालित हैं एवं इन कंपनियों ने **उत्तरी क्षेत्र को इण्डिया में बायोटेक्नोलॉजी और रिसर्च के मुख्य केंद्रों में से एक रुप में स्थापित किया है।** इस बीच, एनएच-44 और ओआरआर कॉरिडोर सहित लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग से जुड़ी गतिविधियाँ भी लगातार बढ़ रही हैं।

ताजा मार्केट के संकेत इस बढ़ती गतिविधियों को दर्शाते हैं। वर्ष 2025 में, उत्तरी ग्रेटर हैदराबाद के कई छोटे-छोटे मार्केट्स में जमीन के मूल्यों में वार्षिक मज़बूत बढ़ोतरी देखी गई, जहाँ घरों की औसत मूल्य जुबिलि हिल्स जैसे जाने-माने आलीशान क्षेत्रों की तुलना में काफ़ी कम रही।

चूंकि जैसे-जैसे महानगर हैदराबाद का विस्तार बाहरी ओर हो रहा है, इससे आशा है कि विल्ला कम्युनिटी उत्तरी हैदराबाद के आवासीय परिदृश्य को आकार देने में एक अहम भूमिका निभाएँगी। कैसाग्रैंड बेलेयर जैसे प्रोजेक्ट यह दर्शाते हैं कि कैसे विशाल और सुविधाओं से युक्त बंगला या बंगलों में रहने का अनुभव इस इलाके में प्रीमियम घरों के अगले चरण की एक खास पहचान के तौर पर उभर रहा है।

यह कम्युनिटी TG RERA (नं..P02200009521) के अंतर्गत पंजीकृत है । परिणामस्वरूप कस्टमर्स इस प्रोजेक्ट में मकान खरीदारी का सुनहरा अवसर का लाभ लें, क्योंकि निकट भविष्य में इस प्रोजेक्ट के परीसरीय क्षेत्रों का विकास तेजी से होगा इसमें लेशमात्र भी संदेह नही है।

संपकसूत्र : 6384002073

ADVT

महाराष्ट्र में भी जबरन धर्मांतरण अपराध होगा

> सीएम बोले-विधेयक किसी धर्म के खिलाफ नहीं

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा में देर रात लंबी बहस के बाद 'धर्म स्वतंत्रता विधेयक-2026' पास हो गया। सरकार ने कहा कि गैरकानूनी और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए यह कानून बहुत जरूरी है। इस मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन 'महा विकास अघाड़ी' में फूट दिखाई दी। शिवसेना (यूबीटी) ने इस बिल का समर्थन किया, जबकि कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और समाजवादी पार्टी ने इसका कड़ा विरोध किया। अब मंगलवार को इस बिल पर विधान परिषद में चर्चा होगी।

नए कानून में सजा के कड़े प्रावधान

इस नए कानून में सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। अगर कोई व्यक्ति शादी का झांसा देकर किसी का धर्म बदलवाता है, तो उसे 7 साल की जेल और 1 लाख रुपये का जुर्माना भरना होगा। यदि यह अपराध किसी नाबालिग, महिला या अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) के व्यक्ति के साथ होता है, तो जुर्माना 5 लाख रुपये होगा। सामूहिक धर्मांतरण के मामले में भी 7 साल की जेल और 5 लाख रुपये जुर्माने का नियम है। जो लोग बार-बार यह अपराध करेंगे, उन्हें 10 साल तक की जेल और 5 लाख रुपये जुर्माना हो सकता है।

क्या बोले सीएम फडणवीस?

विधानसभा से पारित होने के बाद अब यह विधेयक पारित करने के लिए विधान परिषद को भेजा गया है। मंगलवार को विधान परिषद में इस पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सदन में कहा कि यह कानून किसी खास धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं है। इसका एकमात्र मकसद धोखे और लालच से होने वाले धर्मांतरण को रोकना है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे कई राज्यों में पहले से ही ऐसे कानून लागू हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान हर व्यक्ति को अपना धर्म मानने की आजादी देता है, लेकिन किसी को डरा-धमकाकर या लालच देकर धर्म बदलवाने का अधिकार किसी के पास नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कई महिलाओं को प्रेम जाल में फंसाकर शादी की जाती है और बाद में उन्हें छोड़ दिया जाता है, यह कानून ऐसी घटनाओं को रोकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 सबको अपना धर्म मानने और प्रचार करने का अधिकार देता है, लेकिन किसी को मजबूर करना गलत है।

बिल का मकसद जबरन धर्मांतरण को रोकना

विधानसभा में बोलते हुए सीएम फडणवीस ने यह भी कहा, मामले में प्रभावित व्यक्ति या करीबी रिश्तेदार शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जबकि पुलिस भी कुछ मामलों में कार्रवाई कर सकती है। बिल पास कराने के लिए समर्थन मांगते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि बिल का मकसद नागरिकों को गैर-कानूनी धर्म बदलने से बचाना और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद करना है।

धर्म परिवर्तन से पहले देनी होगी जानकारी

बिल के अनुसार, जो व्यक्ति अपना धर्म बदलना चाहता है, उसे 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस देना होगा। धर्म बदलने के 21 दिनों के भीतर प्रशासन को जानकारी देना भी जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो वह धर्मांतरण अवैध माना जाएगा।

इराक के समुद्र में फंसे 2000 भारतीय

कुल्लू के रहने वाले कैप्टन रमन कपूर ने जारी किया वीडियो

कुल्लू, 17 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इराक के समुद्री क्षेत्र में खड़े जहाजों पर सवार हजारों नाविकों में भय का माहौल है। कुल्लू के कैप्टन रमन कपूर ने वीडियो जारी कर बताया कि करीब 700 जहाजों पर लगभग 20 हजार नाविक फंसे हैं, जिनमें 2000 भारतीय शामिल हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में हालात बेहद संवेदनशील हैं और मिसाइल हमलों के खतरे के चलते नाविक दहशत में हैं। जहाज आगे बढ़ने की स्थिति में नहीं हैं, जिससे सभी समुद्र में ही रुके हुए हैं और हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं।

युवक ने खुद को गोली मार की आत्महत्या

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में दल्लूपुरा गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने अपने चचेरे भाई की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस वारदात के समय युवक का भाई मोबाइल पर वीडियो बना रहा था, लेकिन उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उसका भाई ऐसा खौफनाक कदम उठा लेगा।

यह घटना दल्लूपुरा गांव में हुई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक युवक ने लाइसेंसी पिस्टल का इस्तेमाल किया, जो उसके चचेरे भाई की बताई जा रही है। वारदात के वक्त मृतक का भाई वीडियो बना रहा था। जब युवक ने खुद को गोली मारी, तो वीडियो बना रहा भाई सकते में आ गया। उसे विश्वास ही नहीं हुआ कि जो वह देख रहा है, वह हकीकत है। पुलिस के मुताबिक, 16 मार्च को न्यू अशोक नगर पुलिस स्टेशन को धर्मशिला अस्पताल, वसुंधरा एन्क्लेव से युवक को गोली लगने के संबंध में जानकारी मिली।

खबरें जरा हटके

यहां लाशों के साथ एक ही छत के नीचे रहते हैं लोग, मेहमान की तरह देते हैं खाना और चाय

दुनिया के हर कोने में मौत के बाद शव को अंतिम विदाई देने के अपने-अपने तरीके हैं. कहीं जलाया जाता है, तो कहीं दफनाया जाता है, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी परिवार में मौत के बाद भी शव को बरसों तक घर के एक कमरे में जिंदा इंसान की तरह रखा जाता हो? शायद नहीं सुना होगा. ऐसे में आज हम आपको ट्राब्स एण्ड ट्रेडिशन्स सीरीज के तहत इंडोनेशिया के दक्षिण सुलावेसी द्वीप की पहाड़ियों में रहने वाली 'तोराजा जनजाति' की एक ऐसी ही परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सदियों से निभाया जा रहा है. यहां मौत का मतलब रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि एक लंबी और खर्चीली विदाई की शुरुआत है. इस जनजाति के लोग अपने मृत परिजनों को तब तक नहीं दफनाते जब तक कि वे उनके लिए दुनिया का सबसे भव्य और महंगा अंतिम संस्कार आयोजित करने का इंतजाम नहीं कर लेते.

तोराजा जनजाति की मान्यताओं के अनुसार, जब किसी व्यक्ति की सांसें थम जाती हैं, तो उसे 'मृत' नहीं माना जाता. वे उसे 'मकुला' कहते हैं, जिसका अर्थ है बीमार व्यक्ति. परिवार का मानना होता है कि आत्मा अभी भी शरीर के भीतर या उसके आसपास ही है और उसे देखभाल की जरूरत है. इसीलिए, शव को घर के सबसे अच्छे कमरे में रखा जाता है. उसे हर रोज तीन से चार बार ताजा खाना खिलाया जाता है, पानी दिया जाता है और यहां तक कि अगर वह व्यक्ति जीवित रहते हुए सिगरेट पीने का शौकीन था, तो उसे सिगरेट भी दी जाती है. घर के सदस्य उस शव से वैसे ही बातें करते हैं जैसे वह सुन रहा हो. शव से दुर्गंध न आए, इसके लिए सालों पहले खास जड़ी-बूटियों का लेप लगाया जाता था, लेकिन अब फॉर्मल्डिहाइड जैसे रसायनों का उपयोग करके उसे ममी की तरह सुरक्षित रखा जाता है.

रोबोट हो गया गिरफ्तार, बुजुर्ग महिला को डराने-धमकाने का आरोप, पुलिस ने लिया एक्शन!

आज की दुनिया में रोबोट अब सिर्फ मशीनें नहीं रहे, बल्कि इंसानों की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बनते जा रहे हैं. कभी होटल में मुस्कुराते हुए खाना परोसते वेटर के रूप में, तो कभी अस्पतालों में मददगार बनकर, ये रोबोट हर जगह नजर आने लगे हैं. लोग अब उनसे काम करवाने के इतने आदी हो चुके हैं कि मानो बिना रोबोट के जिंदगी अधूरी सी लगने लगी हो. लेकिन आज हम आपको एक ऐसी ही अनोखी घटना के बारे में बताने जा रहा हैं, जिसमें एक ह्यूमनॉइड(इंसान जैसा) रोबोट को "डर फैलाने" के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. यह मामला सुनने में भले ही मजाकिया लगे, लेकिन इसने लोगों के बीच रोबोट की सुरक्षा और उनके इस्तेमाल को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं.

दरअसल, यह घटना चीन के मकाऊ शहर के पटाने इलाके में स्थित लोक युंग फा युएन नाम के रिहायशी परिसर के पास हुई. जहां शाम को एक 70 साल की बुजुर्ग महिला वहां टहल रही थीं. उसी दौरान वह अपने फोन में व्यस्त थीं और अचानक उनके पीछे एक रोबोट आकर रुक गया. जैसे ही महिला ने पीछे मुड़कर देखा, वह घबरा गईं और जोर-जोर से चिल्लाने लगीं. उनके लिए यह एक बेहद डरावना अनुभव था क्योंकि उन्होंने पहले कभी इतने करीब से ऐसा रोबोट नहीं देखा था. डर के कारण महिला ने रोबोट से नाराजगी जताते हुए कहा- "तुम मेरा दिल तेजी से धड़काने लगे हो, तुम बहुत कुछ कर सकते हो, लेकिन ऐसा क्यों कर रहे हो?" यह पूरी घटना आसपास मौजूद लोगों ने रिकॉर्ड कर ली, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई.

1 एलपीजी सिलिंडर लाओ, 50 प्लेट मोमोज फ्री ले जाओ- कैफे ने दिया अनोखा ऑफर

देश में हाल ही में कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की भारी कमी देखने को मिल रही है, जिससे रेस्टोरेंट्स और कैफे संचालकों के लिए खाना बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया है. ऐसे में बेंगलुरु और मैंगलोर में स्थित मशहूर इंडो-चाइनीज कैफे चेन 'वोक एंड फोर्क' ने एक बेहद अनोखा और क्रिएटिव ऑफर लॉन्च किया है, जो सोशल मीडिया पर छा गया है. ऑफर कुछ इस तरह हैः "एक कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर (19 किलो) लाओ और 50 प्लेट चिकन मोमोज फ्री ले जाओ!" कैफे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह पोस्ट शेयर किया है, जिसके बाद कैफे और उसका ऑफर दोनों ही चर्चा में आ गए हैं. इस पोस्ट में एक ग्राफिक है जिसमें लिखा है, "हमें पकाने में मदद करो, हम तुम्हें खिलाएंगे. कैप्शन में और स्पष्ट किया गया है, "गैस हमारे लिए, मोमोज आपके लिए! कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर लाकर हमारे किसी भी आउटलेट पर दें और 50 प्लेट मोमोज एंजॉय करें." यह ऑफर कुछ दिनों में वायरल हो गया, जहां लोग कमेंट्स में मजाकिया रिएक्शन दे रहे हैं. कोई कह रहा है, "सिलिंडर तो घर में है लेकिन मोमोज खाकर वापस लौट आएंगे!" तो कोई लिख रहा है, "गैस संकट में यह जुगाड़ कमाल का है!" वोक एंड फोर्क एक पॉपुलर डेसी चाइनीज कैफे है, जो मोमोज, नूडल्स, फ्राइड राइस और बेवरेजेस के लिए जाना जाता है. उनके आउटलेट्स मैंगलोर के हम्पनकट्टा, अट्टावर और बेंगलुरु में हैं. कैफे के मेन्यू में विभिन्न तरह के मोमोज जैसे स्टीम्ड चिकन चीज मोमोज, फ्राइड सिग्नेचर चिकन मोमोज, लेमन चिकन मोमोज आदि शामिल हैं, जो ग्राहकों में काफी पॉपुलर हैं. हाल के दिनों में गैस सप्लाई की समस्या के कारण कई आउटलेट्स को मेन्यू लिमिट करना पड़ा है. कैफे ने कुछ दिन पहले ही एक पोस्ट में अपडेट दिया था कि एलपीजी की कमी के चलते सर्विस प्रभावित हो रही है. यह ऑफर सिर्फ मजाक नहीं, बल्कि गैस संकट की गंभीरता को हाइलाइट करने का तरीका भी है.

डीएमके विधायक सेंथिल बालाजी सीबीआई के सामने पेश

करूर भगदड़ मामले में होगी पूछताछ

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। डीएमके विधायक वी सेंथिल बालाजी मंगलवार को पूछताछ के लिए सीबीआई के सामने पेश हुए। दरअसल, यह पूछताछ पिछले साल तमिलनाडु के करूर शहर में टीवीके प्रमुख विजय की राजनीतिक रैली के दौरान हुई भगदड़ के संबंध में है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने एसआईटी से यह मामला अपने हाथ में ले लिया।

रैली में क्या हुआ था?

टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय की 27 सितंबर, 2025 को करूर में एक रैली की। इस दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 60 से अधिक लोग घायल हो गए। पिछले साल अक्टूबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई निदेशक को जांच का जिम्मा संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त किया। इसके साथ ही जांच की निगरानी के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक पर्यवेक्षी समिति गठित करने का निर्देश दिया था।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एनवी अंजारी की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा था कि भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर एक छाप छोड़ी है। अदालत ने कहा कि इसका नागरिकों के जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। वे अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों के मौलिक अधिकारों को लागू करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पीठ ने कहा, आपराधिक न्याय प्रणाली में जांच प्रक्रिया पर आम जनता का विश्वास और भरोसा बहाल किया जाना चाहिए।

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने वाली महिलाओं को भी मैटरनिटी लीव

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गोद लेने वाली माताओं के लिए एक बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि गोद लिया गया बच्चा भी मातृत्व अधिकार का हिस्सा है, इसलिए किसी भी महिला को, चाहे बच्चा कितने भी महीने का क्यों न हो, 12 हफ्ते की मातृत्व अवकाश लेने से इनकार नहीं किया जा सकता।

बता दें कि इसे पहले 2020 की सामाजिक सुरक्षा संहिता की धारा 60(4) कहती थी कि केवल तीन महीने से छोटे बच्चों को गोद लेने वाली माताओं को ही 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। इससे बड़े बच्चे को गोद लेने वाली माताओं को मातृत्व लाभ नहीं मिलता था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अनुचित और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन बताया

अब समझिए अदालत ने क्या कहा?

> गोद लेने वाली माताओं और जैविक माताओं के बीच अंतर तो है, लेकिन सभी माताओं को समान अधिकार मिलना चाहिए।

> परिवार बनाने के गैर-जैविक तरीके (जैसे गोद लेना) भी उतने ही कानूनी हैं जितने जैविक तरीके। गोद लिया बच्चा जैविक बच्चे से अलग नहीं होता।

> मातृत्व अवकाश एक मूलभूत मानवाधिकार है।

> अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि पितृत्व अवकाश को भी सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा बनाया जाए।

पितृत्व अवकाश पर भी कोर्ट की टिप्पणी

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र सरकार पितृत्व अवकाश को भी सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा मानते हुए कानून में शामिल करे। इसका मतलब है कि अब पिता को भी बच्चे की देखभाल के लिए छुट्टी मिल सकेगी। यह फैसला उस याचिका पर आया जिसमें अधिवक्ता हंसानंदिनी नंदूरी ने चुनौती दी थी।

अदालत ने क्या आदेश दिया?

> अब गोद लेने वाली माताओं को बच्चे की उम्र की परवाह किए बिना 12 हफ्ते की मातृत्व अवकाश मिलेगी।

> कोर्ट ने कहा कि सभी माताओं के अधिकार समान हैं, चाहे बच्चा जैविक हो या गोद लिया हुआ।

> अदालत ने केंद्र सरकार को पितृत्व अवकाश को कानून में शामिल करने का भी निर्देश दिया।

> ऐसे में कोर्ट के इस फैसले के बाद अब गोद लेने वाली माताओं को भी उनके बच्चे की उम्र की सीमा की परवाह किए बिना पूरा मातृत्व लाभ मिलेगा। यह फैसला महिलाओं के अधिकार, बच्चों की भलाई और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जयराम रमेश ने 1956 के स्वेज संकट को किया याद

> बोले-भारत की कूटनीति ने निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव से जूझ रही है, ऐसे में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को 1956 के स्वेज संकट को याद करते हुए उस दौर की कूटनीतिक कोशिशों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय भारत के वरिष्ठ राजनयिक वीके कृष्ण मेनन संकट को सुलझाने की कोशिशों के केंद्र में थे।

70 साल पहले की किस घटना को किया याद?

रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 70 साल पहले दुनिया स्वेज संकट से जूझ रही थी। 26 जुलाई 1956 को मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण कर दिया था, जिससे पश्चिमी देशों में तीखी प्रतिक्रिया हुई और युद्ध जैसे हालात बन गए। उन्होंने बताया कि 29 अक्तूबर 1956 को ब्रिटेन, फ्रांस और इस्राइल ने मिस्र पर हमला कर दिया था, लेकिन कुछ ही दिनों में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के हस्तक्षेप के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा। रमेश ने यह भी याद दिलाया कि यही आइजनहावर तीन साल पहले ईरान के प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देग को हटाने के संयुक्त अभियान को मंजूरी दे चुके थे। रमेश के अनुसार, नवंबर 1956 की शुरुआत में संघर्ष रुकने के बाद संयुक्त राष्ट्र की एक आपातकालीन सेना (यूएनईएफ) को सिनाई और गाजा क्षेत्र में तैनात किया गया था, जिसमें भारत सहित 10 देशों की भागीदारी थी। इस बल ने जून 1967 तक वहां शांति बनाए रखने में भूमिका निभाई।

भारत का क्या थी भूमिका?

उन्होंने बताया कि इस मिशन में भारत की अहम भूमिका रही दिसंबर 1959 से जनवरी 1964 तक लेफ्टिनेंट जनरल पीएस ज्ञानि और जनवरी 1966 से जून 1967 तक मेजर जनरल इंदरजीत रिक्ये ने इसकी कमान संभाली। साथ ही, 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में भारतीय सैनिकों को संबोधित भी किया था। रमेश ने कहा कि यूएनईएफ के हटने के तुरंत बाद ही छह-दिवसीय युद्ध शुरू हो गया था, जो क्षेत्र में एक बड़े संघर्ष का कारण बना।

यह ऐतिहासिक संदर्भ ऐसे समय में सामने आया है जब होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के चलते वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ रहा है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल का परिवहन इसी मार्ग से होता है, लेकिन हालिया हमलों के कारण जहाजों की आवाजाही काफी धीमी हो गई है। ईरान द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की वजह से तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ गया है। अमेरिका पर भी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

जम्मू में खौफनाक वारदात

समोसा खरीदकर लौट रहे पूर्व सैनिक की गला रेतकर हत्या, अज्ञात हमलावर फरार

जम्मू, 17 मार्च (एजेंसियां)। कृषि विश्वविद्यालय (स्कॉस्ट) के पास जम्मू में सोमवार रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई। एक पूर्व सैनिक की अज्ञात हमलावरों ने उस समय गला रेतकर हत्या कर दी जब वह बाजार से समोसा खरीदकर लौट रहे थे। मृतक की पहचान चट्टा फार्म निवासी बलबीर सिंह के रूप में हुई है। हमलावर वारदात के बाद फरार हो गए, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार बलबीर सिंह रात के समय किसी काम से बाजार गए थे। वहां से लौटते वक्त समोसे खरीदकर हाथ में लिए थे। अभी वे स्कॉस्ट के पास पहुंचे थे कि अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने उनके गले पर चाकू से ऐसा वार किया कि गले से खून का फव्वारा फूट पड़ा। ज्यादा खून बहने के कारण बलबीर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बलबीर सिंह का अपनी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। इस कारण वह पत्नी से अलग अकेले ही रहते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां भी हैं। उनके भाई, माता-पिता पुंछ के रहने वाले हैं। बलबीर लंबे समय से चट्ठा में रह रहे थे। सोमवार रात सड़क के बीच खून से लथपथ देखने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को भी बुलाया। टीम ने अहम सुबूत जुटाए हैं। पुलिस हत्यारों की पहचान और वारदात के कारणों का पता लगाने में जुट गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी में रखवा दिया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए पारिवारिक विवाद पर केंद्रित रखा है। पहले तो वारदात को अंजाम देने वाले हत्यारों की तलाश के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

एस. जयशंकर और ईयू नेताओं ने एफटीए के तहत 'आर्थिक संभावना' पर की चर्चा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ब्रसेल्स का अपना दौरा पूरा किया। ब्रसेल्स के दौरे पर उन्होंने यूरोपीय यूनियन (ईयू) के नेताओं और विदेश मंत्रियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हाल ही में हस्ताक्षर किए गए भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के तहत व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और गतिविधि में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक क्षमता पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डॉ. एस. जयशंकर ने ब्रसेल्स के दौरे से संबंधित मीटिंग की डिटेल्स बताते हुए कहा कि उन्होंने ईयू विदेश मामलों के परिषद के सदस्यों से मुलाकात की और एंटोनियो कोस्टा, उर्सुला वॉन डेर लेयेन और ईयू के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास समेत वरिष्ठ यूरोपीय नेताओं के साथ चर्चा की।

डॉ. जयशंकर ने एक पोस्ट में लिखा, "ब्रसेल्स का एक फायदेमंद दौरा खत्म हुआ, जिसमें यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के परिषद के साथ मीटिंग, ईयू परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और ईयू आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मुलाकात और ईयू एचआरवीपी काजा कैलास के साथ बातचीत शामिल है। ईयू के समकक्ष से भी मुलाकात की और कई लोगों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय चर्चा की।" विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एफटीए को फाइनल करना द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ा मील का पत्थर होगा और कहा कि यह भारत-ईयू संबंधों में एक टर्निंग पॉइंट है। उन्होंने कहा, "मुक्त व्यापार समझौते का फाइनल होना भारत-ईयू संबंधों में एक टर्निंग पॉइंट है। यह न सिर्फ इसकी बहुत बड़ी आर्थिक क्षमता को अनलॉक करेगा बल्कि हमारे जुड़ाव की रणनीतिक प्रवृत्ति को भी दिखाएगा।"

एफटीए के फायदों को जमीनी स्तर पर पाने के लिए, उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्षों को व्यापार और निवेश प्रमोशन सहित व्यावहारिक गतिविधियों में एक-दूसरे की सक्रिय तौर पर मदद करनी चाहिए। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, व्यापार और तकनीकी परिषद (टीटीसी) को अपग्रेड किया जा सकता है और जरूरी और कटिंग-एज तकनीक में सहयोग को आसान बनाने के लिए इसे फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सप्लाई चेन को डी-रिस्क करना और रेजिलिएंस बढ़ाना साझा मकसद हैं। एफटीए इस मकसद के लिए ₹गहरे बिजनेस लिंकेजर₹ को बढ़ावा देगा। टैलेंट मोबिलिटी के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, "स्किल्स की मोबिलिटी और टैलेंट फ्लो बहुत जरूरी हैं। भारत में लीगल गेटवे ऑफिस की स्थापना ध्यान देने लायक है। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) को बढ़ावा देने में दोनों पक्षों की एक जैसी दिलचस्पी है।"

उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाकर सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। सिक्योरिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन एग्रीमेंट को जल्द पूरा करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा, "कनेक्टिविटी भी हमारे एजेंडा में खास है। हम आईएमईसी और ऐसी दूसरी पहलों को प्रैक्टिकल रूप देने के लिए मिलकर काम करेंगे। जैसे-जैसे बहुपक्षीयवाद पर दबाव बढ़ रहा है, भारत और ईयू अपने संस्थानों और अभ्यास को मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
बुधवार, 18 मार्च, 2026 3

सुविचार: कुछ इस तरह से सौदा किया वक्त ने मुझसे, तजुर्बे देकर वो मेरी मासूमियत ले गया!

मोइनाबाद फार्महाउस ड्रग्स केस मामले में एसआईटी गठित

चेवेल्ला डीसीपी करेंगे जांच की अगुवाई

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने मोइनाबाद फार्महाउस ड्रग्स मामले में अहम फैसला लेते हुए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इस टीम का नेतृत्व चेवेल्ला के डीसीपी योगेश गौतम करेंगे। इस संबंध में डीजीपी शिवाधर रेड्डी ने आदेश जारी किए हैं। एसआईटी को बीआरएस नेता और पूर्व विधायक रोहित रेड्डी के फार्महाउस में आयोजित पार्टी के स्रोत और पृष्ठभूमि की गहन जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा टीम दुबई कनेक्शन, नमित शर्मा के रियल एस्टेट कारोबार और मामले से जुड़े अवैध ड्रग्स नेटवर्क की भी जांच करेगी। ज्ञात हो कि 14 मार्च की रात तेलंगाना ईगल और मोइनाबाद पुलिस ने रंगारेड्डी जिले के अजीजनगर स्थित एक फार्महाउस में चल रही पार्टी पर छापा मारा था। जांच में रोहित रेड्डी को इस पार्टी का मुख्य साजिशकर्ता बताया गया है, जहां ड्रग्स और शराब का सेवन किया गया। पुलिस के अनुसार, इस पार्टी में कुल 11 लोग शामिल थे, जिनमें महेश कुमार, रोहित रेड्डी, रितेश रेड्डी, कौशिक रवि, अर्जुन रेड्डी और नमित शर्मा सहित अन्य लोगों ने शराब के साथ कोकीन का सेवन किया।

इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है मोइनाबाद पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों रोहित रेड्डी, रितेश रेड्डी और नमित शर्मा को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने का निर्णय लिया है। इसके लिए अदालत में 3 से 5 दिन की कस्टडी की मांग की जाएगी। इस बीच, बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर पार्टी के विधिक प्रकोष्ठ प्रमुख सोमा भारत ने रोहित रेड्डी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि इस मामले की व्यापक मीडिया कवरेज से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है और जनता में चिंता पैदा हुई है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह एक जिम्मेदार राजनीतिक संगठन के रूप में कानून और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों, विशेषकर मादक पदार्थों के सेवन, की कड़ी निंदा करती है।

रोहित रेड्डी को एक सप्ताह के भीतर आरोपों पर स्पष्ट और विस्तृत लिखित स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। साथ ही उन्हें अंतिम निर्णय तक पार्टी गतिविधियों से दूर रहने के लिए कहा गया है। पार्टी नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि यदि उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बीआरएस नेतृत्व ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी की साख के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

तेलंगाना कैबिनेट की बैठक 20 को

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मंत्रिमंडल की बैठक 20 मार्च 2026 को सुबह 9:30 बजे विधानसभा समिति कक्ष, तेलंगाना विधान सभा में आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में राज्य के मंत्री महत्वपूर्ण नीतिगत और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने वाले राज्य बजट को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी करते हुए सभी संबंधित सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

बदमाशों ने आंखों में मिर्च झोंककर उड़ाए 1 करोड़

कुकटपल्ली में आधी रात बड़ी लूट

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कुकटपल्ली इलाके में सोमवार की आधी रात को हुई लूट की एक सनसनीखेज वारदात ने स्थानीय निवासियों में दहशत फैला दी है। बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने दो व्यक्तियों पर हमला कर उनसे लगभग 1 करोड़ रुपये की नकदी लूट ली और मौके से फरार हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बहादुरपुरा निवासी खुसरो और अजीमुद्दीन भारी मात्रा में नकदी लेकर जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए चार संदिग्धों ने उन्हें निशाना बनाया। हमलावरों ने पीड़ितों की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया, जिससे वे कुछ देख नहीं पाए। इस अफरा-तफरी का फायदा उठाकर बदमाश नकदी से भरा बैग छीनकर रफूचक्कर हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कुकटपल्ली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस अधिकारियों को संदेह है कि लूटी गई यह बड़ी राशि 'हवाला' लेनदेन से जुड़ी हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संदिग्धों का सुराग लगाने और उनकी गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की कई कोणों से जांच की जा रही है।

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता तेलंगाना : तुम्मला

61 हजार किसानों को 'फार्मर किट' वितरण शुरू

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने राज्य में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए एक अहम पहल की शुरूआत की है। 'रैतू नेस्तम' कार्यक्रम के 86वें एपिसोड के दौरान सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 61,125 किसानों को 'फार्मर किट' वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री ने रंगारेड्डी जिले के चयनित किसानों को प्रतीकात्मक रूप से किट प्रदान कर राज्यव्यापी अभियान की शुरूआत की। यह पहल राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन के तहत चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती से हटाकर प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करना है। मंत्री ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से न केवल मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्राकृतिक खेती ही किसानों और समाज के लिए सुरक्षित और टिकाऊ विकल्प है। राज्य में कुल 489 क्लस्टरों की पहचान कर प्रत्येक से 125 किसानों का चयन किया गया है। इस प्रकार 61,125 किसानों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। किसानों को दी जा रही 'फार्मर किट' में प्राकृतिक खेती पर आधारित क्षेत्र दर्शिनी पुस्तक, कपड़े का बैग, पहचान पत्र, विशेष कैलेंडर, टोपी, पेन और डायरी शामिल हैं। मंत्री ने किसानों से 20 से 22 मार्च तक आयोजित होने वाले रैतू महोत्सव में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की। इस महोत्सव में 150 से अधिक स्टॉल, कृषि वैज्ञानिकों के साथ संवाद और आधुनिक तकनीकों पर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन 22 मार्च को मुख्यमंत्री के हाथों यासंगी सीजन के तहत 'रैतू भरोसा' निधि का वितरण किया जाएगा। मंत्री ने किसानों से आधुनिक तकनीकों को अपनाकर लागत कम करने और आय बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही, राज्य में 'फार्मर रजिस्ट्री' अभियान को 110 प्रतिशत लक्ष्य से अधिक पूरा करने पर कृषि अधिकारियों की सराहना की, जिसके चलते तेलंगाना को केंद्र सरकार से 422.64 करोड़ रुपये का विशेष प्रोत्साहन मिला है।

मियापुर में पलटी कर्मचारियों से भरी मिनी बस

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मियापुर आरटीसी डिपो के पास मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया। बाचुपल्ली स्थित एक दवा कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रही एक मिनी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी कर्मचारी को चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा होने से बच गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के समय मिनी बस में कंपनी के कम से कम 15 कर्मचारी सवार थे। बताया जा रहा है कि चालक द्वारा वाहन पर से नियंत्रण खो देने के कारण बस पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और व्यस्त मार्ग होने के कारण कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

हैदराबाद में भारी मात्रा में बासी चिकन जब्त

शराब दुकानों और रेस्तरां में सप्लाई का भंडाफोड़

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी और टास्क फोर्स के अधिकारियों ने मंगलवार को एक संयुक्त अभियान चलाकर पारसीगुट्टा इलाके में चल रहे एक बड़े अवैध मांस कारोबार का पर्दाफाश किया है। 'ए1 फ्रेश चिकन' नामक दुकान पर मारे गए छापे में अधिकारियों ने लगभग 800 किलोग्राम बासी और अस्वच्छ चिकन जब्त किया है, जिसे कई दिनों से भंडारित कर रखा गया था। निरीक्षण के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि यह दुकान बिना किसी वैध लाइसेंस के चल रही थी, क्योंकि इसकी समय-सीमा इस साल जनवरी में ही समाप्त हो चुकी थी। अधिकारियों को संदेह है कि यह बासी मांस शहर के विभिन्न बार, रेस्तरां और शराब की दुकानों में सप्लाई किया जा रहा था, जिससे आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा था। अधिकारियों ने मौके से दुकान मालिक और अन्य कर्मचारियों को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जप्त किए गए मांस को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टास्क फोर्स अब इस अवैध आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) से जुड़ी अन्य दुकानों और केंद्रों की पहचान करने में जुटी है। प्रशासन ने रेस्तरां संचालकों को चेतावनी दी है कि स्वच्छता मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जय श्री राम
श्री गणेशाय नमः (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
बुधवार दिनांक : 18-03-2026 को
फाल्गुण / चैत्र अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44, मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा।
अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्यकर लाभ लेवे।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785, सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुडा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज बुधवार 18 मार्च 2026 चैत्र अमावस्या है
"जौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GOPAL BALDAWA GROUP

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला — पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP URBAN BANK LTD, Shamsherguni Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला — शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बनें।
आज बुधवार 18 मार्च 2026 चैत्र अमावस्या है
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on Google Pay/ Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available
गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GOPAL BALDAWA GROUP

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज बुधवार 18 मार्च 2026 प्रातः 11 बजे से
फाल्गुन / चैत्र अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

चैत्र नवरात्रि एवं उगादी की हार्दिक शुभकामनाएँ...
गायो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज बुधवार, 18 मार्च 2026 चैत्र अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रखी गई है।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गुड़ - दलिया या चुन्निसुता एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाड़ी घास या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340478, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

जीवदया गौसेवा का दक्षिण भारत का सब से बड़ा तीर्थमयी स्थल
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास, गगनपहाड़
आज बुधवार दिनांक 18 मार्च अमावस्या है।
आप द्वारा स्थापित इस तीर्थमयी स्थल मे 7000 से अधिक कटने से बचाई गौवंश की सेवा सुचारू रूप से चल रही है। हज़ारो कबूतरों को नियमित दाना भी अर्पण किया जा रहा है। चलिये इनको अपने करकमलों से चारा दाना अर्पण कर पुण्य कमाईये।
पधारिये — अवश्य पधारिये
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyd
Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260, 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085

जय गौ माता — सह स्नेह निमंत्रण — जय गौ माता
चैत्र अमावस्या के उपलक्ष में
श्री महालक्ष्मी एवं गायत्री हवन
हवन में निःशुल्क प्रवेश
प्रसादी दोपहर 1.00 से 3.00
बुधवार 18 मार्च 2026 प्रातः 9:01 से 12.00 तक
श्री महालक्ष्मी एवं श्री गायत्री पंच कुण्डी हवन, तत्पश्चात प्रसादी का आयोजन किया गया है।
Scan for Donation
चैत्र अमावस्या के उपलक्ष में सभी गौ भक्तों से निवेदन है अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौ सेवा कर दान पुण्य के भागीदार बनें। गौ सेवा करने से स्वस्थ, सुख, समृद्धि, आयु और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
विशेष : गौशाला में गौ दान और तुला दान की सुविधा उपलब्ध है।
शुभ स्थल
नारायणी गौ सेवा सदन
रोड नंबर.17, शालिवाहना नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद . मो : 9581348889
NARAYANI GOW SEVA SADAN
A/C No. 50200065063209
IFSC CODE HDFC 0001996
CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH
G Pay PhonePe 9581348889
आयोजक : नारायणी गौ सेवा सदन
अमन सोनी 6304421076 | डी पि तिवारी 9246522435 | मोहन बाबू 9573888111 | सज्जन डागा 9490929321 | पवन अग्रवाल 9346169887
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GOPAL BALDAWA GROUP

'15 करोड़ देकर विधायकों को खरीदा गया'

> राजद ने इतना बड़ा आरोप लगाया, एनडीए ने क्या कहा?

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत के बाद सियासी घमासान जारी है। विपक्ष लगातार एनडीए सरकार पर धनतंत्र के प्रयोग का आरोप लगा रहा है। पटना से लेकर दिल्ली तक राष्ट्रीय जनत दल के नेता एनडीए सरकार पर हमला बोल रही है।

राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव ने कहा कि एनडीए वालों ने लोकतंत्र को धनतंत्र में बदल दिया। तंत्र और यंत्र की सरकार है यह। केवल तंत्र ही काम कर रहा है। राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग हुआ है। 15-15 करोड़ रुपये देकर इनलोगों ने विधायकों को खरीदा है। यह बात सब जान गए हैं। यह धर्म और अधर्म की लड़ाई है। सच और झूठ की लड़ाई है। आखिर में जीत हमलोगों की ही होगी। क्योंकि हमलोग सच के साथ हैं।

'भाजपा की आस्था धनतंत्र में ही है'

वहीं राजद सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि जहां उनके (भाजपा) पास बहुमत नहीं था, वहां उन्होंने विपक्षी विधायकों को तोड़ने की कोशिश की। बिहार में भी उन्होंने चार विधायकों को तोड़ने का प्रयास किया; हरियाणा और ओडिशा से भी ऐसी खबरें आ रही हैं। अगर किसी पार्टी का पतन होना होता है, तो पहले उसका नैतिक पतन होता है और फिर राजनीतिक पतन होता है। भाजपा उन पार्टियों में है जिनमें नैतिकता की कोई समझ नहीं है। अगर वह इसी रवैये पर चलती रही, तो आने वाले दिनों में कई समस्याएं पैदा होंगी। यह लोग देश की जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इनकी आस्था लोकतंत्र में नहीं बल्कि धनतंत्र में है।

'राहुल-तेजस्वी गैर जिम्मेदार हैं'

भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने व्हिप तक जारी नहीं किया। राहुल गांधी कंबोडिया में पिकनिक मना रहे हैं, तेजस्वी यादव यूरोप में पिकनिक मना रहे हैं और कांग्रेस पार्टी के नेता भी कहीं न कहीं पिकनिक मना रहे थे। आज तक मैं समझ नहीं पाया कि यह कैसा महागठबंधन है, जिसमें वोटिंग के लिए तीन लाइन का व्हिप तक जारी नहीं किया जाता। इससे साफ होता है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव कितने राजनीतिक रूप से गैर-जिम्मेदार हैं। इतनी बड़ी गलती सिर्फ राहुल गांधी के नेतृत्व में ही संभव है।

'विपक्ष बेवजद आरोप लगा रहा'

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय झा ने कहा कि हम शुरू से ही कह रहे थे कि समर्थन के आधार पर हमारे सभी पांच उम्मीदवार आसानी से जीतेंगे। एनडीए को संख्या के खेल में कोई खास दिक्कत नहीं थी और परिणाम भी उसी के अनुरूप आए। बिहार में अभी बहुत काम बाकी है, इसलिए कई लोग चाहते हैं कि उनके क्षेत्रों में विकास कार्य किए जाएं। तेजस्वी यादव के हॉर्स ट्रेडिंग के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके विधायक अगर नहीं आए तो हमलोग क्या ही कह सकते हैं। महागठबंधन ने तो अपने विधायकों को होटल में नजरबंद कर दिया था। अगर फिर भी वह नहीं आए तो हमलोगों का इसमें क्या कसूर है। विपक्ष बेवजद आरोप लगा रहा है।

'महागठबंधन पूरी तरह 'महाफ्लॉप' साबित हुआ'

पलटवार करते हुए भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि एनडीए के पांच उम्मीदवारों की जीत यह संदेश देती है कि बिहार में महागठबंधन पूरी तरह 'महाफ्लॉप' साबित हुआ है। बिहार की जनता हमारे साथ है। कांग्रेस और राजद पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि उनके अपने विधायक ही उन पर भरोसा नहीं करते। कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज़ है, जो भी उसमें बैठेगा, वह डूब जाएगा। कोई हॉर्स ट्रेडिंग नहीं हुई है। बल्कि उनके यहां अब कोई हॉर्स रहने को तैयार नहीं है।

भागलपुर में जल्द दौड़ेगी मेट्रो और उड़ान भरेंगे जहाज

समृद्धि यात्रा के दौरान डिप्टी सीएम का एलान

भागलपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सोमवार को राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा के तहत भागलपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड स्थित बैजानी पंचायत पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सभा स्थल में प्रवेश से पहले सभी लोगों की मेटल डिटेक्टर से सघन जांच की जा रही थी।

विवाह मंडप का सीएम ने किया शिलान्यास

कार्यक्रम में जीविका दीदियों के साथ हजारों की संख्या में महिलाओं की भारी मौजूदगी देखने को मिली, जिससे पूरा माहौल उत्साह और जोश से भर गया। मुख्यमंत्री सबसे पहले हवाई अड्डा पहुंचे, इसके बाद उन्होंने बौसी रेलवे अंडरपास का निरीक्षण किया। फिर बैजानी पंचायत पहुंचकर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विवाह मंडप का शिलान्यास किया और विभिन्न सरकारी योजनाओं का जायजा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री

सभास्थल पहुंचे, जहां उन्होंने प्रगति यात्रा के संकल्प का अवलोकन किया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

जिले को दी पौने दो अरब की सौगात

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वरीय पदाधिकारियों के साथ जिले में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की और आम लोगों से सीधा संवाद भी किया। इस मौके पर भागलपुर जिले को बड़ी सौगात देते हुए उन्होंने कुल 171 करोड़ रुपये की लागत से 88 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति बेहतर नहीं थी और कब्रिस्तान की घेराबंदी को लेकर विवाद होते थे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं सुरक्षित हैं और सड़कों पर पहले की तरह गड्ढे भी नजर नहीं आते। वहीं, समृद्धि यात्रा में आए लोगों को संबोधित करते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय की तर्ज पर अब विक्रमशिला विश्वविद्यालय का भी पुनरुद्धार किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक सुरेंद्र कुशवाहा ने बताया

क्यों नहीं दिया राज्यसभा चुनाव में राजद उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह को वोट

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में राज्यसभा चुनाव के बाद वोटिंग से गैरहाज़िर रहे कांग्रेस विधायक की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। सोमवार को हुए चुनाव में कांग्रेस के तीन और आरजेडी के एक विधायक ने मतदान नहीं किया था, जिसकी वजह से एनडीए सभी पांचों सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही। अब कांग्रेस विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने राज्यसभा चुनाव में मतदान न करने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह मेरी मर्जी है कि मुझे वह व्यक्ति पसंद है या नहीं।

कहा, "मैंने कल मतदान नहीं किया। जहां तक किसी भी जगह से उम्मीदवार लाने की बात है, यह मेरी मर्जी है कि मुझे वह व्यक्ति पसंद है या नहीं। जिस निर्वाचन क्षेत्र से मैं आता हूं जिस पार्टी से मैंने चुनाव लड़ा और मुझे उनसे कोई समर्थन नहीं मिला, तो मैं ऐसे व्यक्ति को वोट क्यों दूं?" वाल्मीकिनगर से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र कुशवाहा के मीडिया प्रभारी विनय यादव ने बताया कि उन्होंने मतदान इसलिए नहीं किया क्योंकि वे महागठबंधन के घोषित उम्मीदवार से संतुष्ट नहीं थे। कुशवाहा आरजेडी के एडी सिंह की जगह पार्टी नेता दीपक यादव को उम्मीदवार बनाए जाने के पक्ष में थे लेकिन उनकी राय पर ध्यान नहीं दिया गया। इसी कारण उन्होंने मतदान से दूरी बनाई।

मासूम चेहरा, खतरनाक मंसूबे, हर रात नई-नई साजिशें रचता था हारिश

> दो साल से आईएस के लिए भर्ती कर रहा था छात्र

मुरादाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। उन्नीस साल की उम्र। चेहरे पर मासूमियत। क्लास रूम में हमेशा एक पढ़ाकू छात्र के रूप में पेश आने वाला हारिश इतने खतरनाक मंसूबे पाले बैठा है कोई सोच भी नहीं सकता। एटीएस को उसके लैपटॉप और मोबाइल से जो मैसेज और चैट मिली है वह साफ कर रही है कि वह हर रात नई-नई साजिशें रहता था।

आतंकी संगठनों से जुड़े लेख भी उसके पास से बरामद हुए हैं। पता चला है कि वह रात-रात भर चैट करता था। जिन नंबरों से उसने संपर्क किया था उन सभी की पड़ताल खुफिया एजेंसियां कर रही हैं। हारिश की गिरफ्तारी बाद स्थानीय खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट हो गईं। उन्होंने कॉलेज और हॉस्टल पहुंचकर उसके साथी छात्रों से बात की तो पता चला कि हारिश क्लास में शांत रहता था और रूम पर रात भर लैपटॉप पर व्यस्त रहता था।

सहारनपुर के मोहल्ला मानक मऊ निवासी रियासत हुसैन ने दो साल पहले (जून 2024 में) अपने बेटे हारिश का मुरादाबाद के एक कॉलेज में बीडीएस में दाखिला कराया था। वह कॉलेज के हॉस्टल में रहा रहा था। खुफिया एजेंसियों ने कॉलेज और हॉस्टल में छात्रों बातचीत की और हारिश के बारे में जानकारी जुटाई। जिससे पता चला कि वह क्लास में शांत रहता और पढ़ाई में भी अच्छा था। किसी छात्र या टीचर को उस पर कभी कोई शक नहीं हुआ कि वह किसी संगठन से जुड़ा था। कॉलेज में वह अन्य छात्रों से कम बात करता था लेकिन रूम पर रात में मोबाइल और लैपटॉप पर ज्यादा ही व्यस्त रहता था। छात्रों ने बताया कि उन्हें लगता था कि वह पढ़ाई कर रहा है। दो छात्रों से ही वह बातचीत करता है। अब टीमों ने इनके दो साथियों के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

सैकड़ों युवाओं को अपने साथ जोड़ा

एटीएस की जांच में सामने आया है कि उसने मुरादाबाद के अलावा संभल, अमरोहा, बिजनौर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश कई जिलों के सैकड़ों युवाओं को जोड़ लिया था और उन्हें देश के खिलाफ उकसा रहा था। इन दो वर्षों में उसके कई बार जम्मू कश्मीर जाने की जानकारी एटीएस को मिली है।

संभल की इरम और उसके परिवार के लोगों के बारे में खुफिया एजेंसियां जानकारी जुटाने में लगी हैं। गाजियाबाद पुलिस ने दो दिन पहले संभल की महिला इरम उर्फ शाने मेहराज समेत छह आरोपी गिरफ्तार किए थे। महिला के मोबाइल से सुरक्षा बलों के क्षेत्र के लोकेशन और फोटो उसके मोबाइल से बरामद हुए थे। इसके बाद संभल में आरोपी महिला और उसके परिवार के बारे में खुफिया एजेंसियां जानकारी जुटाने में लगी हैं।

जीपीएफ राशि दिलाने के नाम पर हेड क्लर्क ने रिटायर कर्मी से मांगा कमीशन

> 10 हजार लेते रंगे हाथ धराया

मोतिहारी, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हेड क्लर्क को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मामला कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का है, जहां कार्यरत हेड क्लर्क रवि कुमार चतुर्वेदी को 10 हजार रुपये घूस लेते हुए पकड़ा गया।

जीपीएफ का पैसा दिलाने के नाम पर ले रहा था घूस

जानकारी के अनुसार, हेड क्लर्क अपने ही विभाग के रिटायर्ड कर्मी भरत ठाकुर से जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ) का लाभ दिलाने के बदले 2 प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहा था। आरोप है कि रिश्वत नहीं देने पर वह फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर रहा था, जिससे रिटायर्ड कर्मी को काफी परेशानी हो रही थी।

पीड़ित ने निगरानी विभाग में दर्ज कराई थी शिकायत

इस मामले में पीड़ित भरत ठाकुर ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर टीम ने जाल बिछाया और तय योजना के तहत कार्रवाई करते हुए कल्याणपुर पीएचसी परिसर में ही आरोपी को 10 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। निगरानी विभाग के डीएसपी विप्लव कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली से लखनऊ आ रहे विमान में जज से क्रू मेंबरों ने की अभद्रता

बोले-फंगस लगा खाना खिलाया; शिकायत

लखनऊ, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सोमवार देर रात दिल्ली से आई एयर इंडिया की फ्लाइट में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक न्यायाधीश को परोसे गए भोजन में फंगस (सड़ा हुआ) पाया गया। इस पर आपत्ति जताने पर एयरलाइन कर्मियों के दुर्व्यवहार से मामला और बढ़ गया।

पीड़ित पक्ष ने सरोजनी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार सोमवार को दिल्ली से रात 9:40 बजे लखनऊ पहुंचने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-1720) से दिल्ली से लखनऊ आ रहे थे। उनकी सीट संख्या 1A थी। यात्रा के दौरान उन्हें जो भोजन परोसा गया, उसमें फंगस लगा हुआ था, जिसे देखकर उन्होंने आपत्ति जताई। आरोप है कि शिकायत करने पर केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति ने समस्या का समाधान करने के बजाय उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

इतना ही नहीं, एयर इंडिया के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सुफियान पर भी दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, संबंधित कर्मचारी ने उक्त दूषित भोजन को फ्लाइट से बाहर ले जाने से भी रोक दिया। इस पर न्यायाधीश के साथ मौजूद सुमित गुप्ता ने इस मामले में सरोजनी नगर थाने में एयरलाइन कर्मियों के खिलाफ तहरीर दी। उन्होंने इसे यात्रियों की सुरक्षा और अधिकारों के साथ गंभीर लापरवाही बताया है। वहीं इस संबंध में एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि सुमित गुप्ता की तहरीर पर सरोजनी नगर थाने में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

ईरान में फंसे पत्नी और तीन बच्चे, पिता ने सरकार से लगाई गुहार

लखनऊ, 17 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ के चौक निवासी सैयद गुलाम एजाज जाफरी की पत्नी और तीन बच्चे ईरान में फंसे हुए हैं। जाफरी ने भारत सरकार से मांग की है कि उनके परिवार और वहां फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित भारत लाने की व्यवस्था की जाए। जाफरी ने बताया कि उनके बच्चे ईरान में पढ़ाई करते हैं, जबकि वह स्वयं वहीं पढ़ाते हैं। 12 दिसंबर को वह दिल के इलाज के लिए लखनऊ आए थे और लौट न सके। इसी बीच युद्ध की स्थिति बन गई और वहां के स्कूल बंद कर दिए गए, जिससे उनका परिवार ईरान में ही रह गया। फोन पर बातचीत हो जाती है। परिवार के लोगों के मुताबिक, वहां के हालात तनावपूर्ण जरूर हैं, लेकिन लोगों का हौसला काफी मजबूत है।

एटीएम फ्रॉड गैंग का पर्दाफाश

बिहार के तीन शातिर गिरफ्तार

श्रद्धालुओं को बनाते थे निशाना

अयोध्या, 17 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद जहां एक ओर श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर अपराधियों की नजर भी अब इस पवित्र नगरी पर पड़ने लगी है। ताजा मामला थाना पूराकलंदर क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने एटीएम फ्रॉड करने वाले बिहार के तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी खासतौर पर बुजुर्ग और भोले-भाले लोगों को निशाना बनाते थे। ये लोग एटीएम बूथ के बाहर या अंदर मदद के बहाने उनका कार्ड बदल देते थे और फर्जी एटीएम थमा देते थे। इसके बाद असली कार्ड से शॉपिंग करते या पैसे निकाल लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब दो लाख रुपये नगद, कई फर्जी एटीएम कार्ड, ठगी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और एक स्विफ्ट कार बरामद की है। इस मामले में पहले से ही दो मुकदमे दर्ज थे, जिनका अब खुलासा हो गया है।

अस्पताल में भर्ती मरीज को मारी गोली

अलीगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ के क्वार्सी थाना अंतर्गत मैरिस रोड स्थित रेनुका हॉस्पिटल में भर्ती 32 वर्षीय मरीज वेदपाल को 16 मार्च को दो हमलावरों ने गोली मार दी थी। गंभीर घायल वेदपाल को मरणासन्न अवस्था में जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। 17 मार्च को वेदपाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया। मृतक वेदपाल खैर क्षेत्र के गांव अहरौला के रहने वाले थे। करीब डेढ़ माह पहले मारपीट में उनके सीधे हाथ में चोट लगी थी। चोट सही न होने पर डॉक्टरों ने हाथ में फ्रैक्चर बताते हुए ऑपरेशन कराने की सलाह दी। 16 मार्च सुबह वेदपाल अपने चचेरे भाई गणेश और एक रिश्तेदार के साथ रेनुका हॉस्पिटल पहुंचे।

नीतीश कुमार के 50 साल पुराने साथी केसी त्यागी ने छोड़ी जदयू

> 22 मार्च को करेंगे हमख्याल नेताओं के संग बैठक

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भरोसेमंद साथी रहे केसी त्यागी ने जेडीयू का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने एक पत्र सोशल मीडिया पर शेयर किया है। केसी त्यागी ने अपने पत्र में कहा कि वह जेडीयू की सदस्यता रिन्यू नहीं कराएंगे। इसके साथ ही केसी त्यागी ने बड़ी घोषणा की है कि वह 22 मार्च को अपने सामान साथ समान विचारधारा वाले नेताओं के साथ बैठक करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे।

केसी त्यागी ने जदयू की सदस्यता रिन्यू नहीं कराई

केसी त्यागी ने अपने पत्र में कहा कि जेडीयू का अस्तित्व 30 अक्टूबर 2003 को शुरू हुआ, जब समता पार्टी और जनता दल का विलय हुआ। उन्होंने कहा, "जॉर्ज फर्नांडिस अध्यक्ष थे और मैं जनरल सेक्रेटरी था और पार्टी ने एकजुट होकर काम किया। मैंने शरद यादव और अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार के साथ काम किया। मैं पार्टी का चीफ जनरल सेक्रेटरी, प्रमुख प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार भी था। हालांकि मेरी प्राथमिक सदस्यता खत्म हो चुकी है और मैंने इसे रिन्यू नहीं कराया है।"

22 मार्च को लेंगे फैसला

केसी त्यागी ने कहा कि मेरे कुछ समान विचार वाले राजनीतिक साथी, समर्थक और कार्यकर्ताओं ने 22 मार्च को एक बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा, "इस बैठक में देश के राजनीतिक हालात पर चर्चा होगी और आगे की रणनीति पर फैसला लूंगा। मैं पिछले 50 साल से किसी न किसी रूप में नीतीश कुमार जी के साथ रहा हूं और उनके प्रति मेरे मन में सम्मान काम नहीं होगा।"

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं त्यागी

केसी त्यागी मूल रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। कई दशकों से वह नीतीश कुमार और जदयू का पक्ष हर मंच पर मजबूती से रखते थे। सूत्रों के अनुसार केसी त्यागी उत्तर प्रदेश की राजनीति का भी रुख कर सकते हैं।

दरभंगा में इंजीनियर के घर ईओयू की रेड, आय से अधिक संपत्ति होने का शक

दरभंगा, 17 मार्च (एजेंसियां)। दरभंगा जिले में मंगलवार सुबह उस समय प्रशासनिक हलचल तेज हो गई, जब बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता मनोज कुमार रजक के आवास पर निगरानी विभाग की विशेष इकाई (ईओयू) ने छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की जा रही है।

चार गाड़ियों से पहुंची टीम

सदर थाना क्षेत्र के पासवान चौक स्थित उनके घर पर चार गाड़ियों से पहुंची टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी। मौके पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की बाधा न हो।

इंजीनियर के कई ठिकानों पर एक साथ रेड

जानकारी के अनुसार, दरभंगा के अलावा मधुबनी और जयनगर सहित कई अन्य ठिकानों पर भी एक साथ छापेमारी की जा रही है। टीम द्वारा घर में मौजूद दस्तावेजों और सामानों की गहन जांच की जा रही है। कुछ अहम कागजात मिलने की भी सूचना है, हालांकि अधिकारी इस पर अभी कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

पहले कॉल पर धमकी, फिर पुलिस पर हमला-मुठभेड़ में एसटीएफ जवान बलिदान, दो अपराधी ढेर

मोतिहारी, 17 मार्च (एजेंसियां)। मोतिहारी जिले के चकिया थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में एसटीएफ के जवानों ने दो अपराधियों को मार गिराया। वहीं, मौके से पुलिस ने दो अन्य अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों अपराधी पिता-पुत्र बताए जा रहे हैं।

खुलेआम दी थी धमकी

घटना से कुछ घंटे पहले मारे गए अपराधियों में से एक, कुंदन ठाकुर ने चकिया थाना के अपर थानाध्यक्ष को धमकी दी थी। उसने कहा था कि अगली खबर में आप पढ़ेंगे कि अपराधी और पुलिस की मुठभेड़ में 10-15 पुलिसकर्मी मारे जाएंगे और अपराधी फरार हो जाएंगे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। वायरल वीडियो के आधार पर चकिया थाना में कांड संख्या 115/26 दर्ज किया गया। कुंदन ठाकुर की इस खुली धमकी ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए।

पुलिस ने तैयार की रणनीति

कल ही चंपारण रेंज के डीआईजी हरिकिशोर राय मोतिहारी पुलिस अंचल का निरीक्षण करने आए थे। उन्होंने मोतिहारी

एसपी स्वर्ण प्रभात के साथ मिलकर पूरी घटना पर रणनीति तैयार की और कुंदन ठाकुर तथा उसके गिरोह के इतिहास की जांच शुरू की।

इस बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कुंदन ठाकुर अपने गिरोह के सदस्यों के साथ उज्जवल के घर पर छुपकर किसी बड़ी आपराधिक घटना की योजना बना रहा है।

मुठभेड़ और जवान की शहादत

पुलिस ने उक्त घर को चारों तरफ से घेर लिया और सभी अपराधियों को सरेंडर करने का आदेश दिया। लेकिन कुंदन ठाकुर और उसके साथी घिरते देख पुलिस पर कर्बाइन से फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एसटीएफ के जवान श्री राम यादव बलिदान हो गए। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कुंदन ठाकुर और प्रियांशु दुबे को मार गिराया।

अपराधियों का इतिहास और गिरफ्तारी

कुंदन ठाकुर का पुराना अपराधिक इतिहास रहा है। उसके ऊपर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस बार उसने पुलिस को धमकाकर अपने आप को दिखावा करने की कोशिश की, जो उसकी और गिरोह के सदस्यों की जान का कारण बन गई। घटना के बाद पुलिस ने टी उज्ज्वल कुमार और उनके पिता संत तिवारी को गिरफ्तार किया। मौके से एक कार्बाइन, दो पिस्टल, दो कट्टा, पांच जिंदा कारतूस और 17 खोखा बरामद किया गया।

पूर्व सीजेआई सुलझाएंगे यूएई वाला 500 करोड़ का विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने क्या निर्देश दिए?

हैदराबाद के उद्योगपति निम्मगड्डा प्रसाद

नई दिल्ली, हैदराबाद 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के एक बड़े कारोबारी विवाद को सुलझाने के लिए बड़ा फैसला लिया। अदालत ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित (यू.यू ललित) को इस मामले में मध्यस्थ नियुक्त किया है, ताकि दोनों पक्ष आपसी बातचीत से विवाद का समाधान निकाल सकें। यह मामला संयुक्त अरब अमीरात की निवेश एजेंसी रास अल खैमाह इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (राकिया) और हैदराबाद के उद्योगपति निम्मगड्डा प्रसाद के बीच लंबे समय से चल रहे आर्थिक विवाद से जुड़ा है।

दरअसल यह विवाद आंध्र प्रदेश में बंदरगाह और हवाई अड्डे के विकास के लिए शुरू किए गए एक संयुक्त प्रोजेक्ट 'वैनपिक' से जुड़ा है। यह परियोजना साल 2008 में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह सफल नहीं हो पाई और इसके बाद दोनों पक्षों के बीच वित्तीय विवाद खड़ा हो गया।

राकिया ने पैसे गमन का लगाया है आरोप

बढ़ता विवाद का बड़ा कारण है कि राकिया का दावा है कि उद्योगपति निम्मगड्डा प्रसाद ने राकिया के पूर्व सीईओ खातेर मसाद के साथ मिलकर परियोजना के लिए दिए गए करीब 12 करोड़ अमेरिकी डॉलर का गबन किया। दूसरी ओर इसी मामले में संयुक्त अरब अमीरात की अदालत ने पहले फैसला सुनाते हुए प्रसाद को लगभग 267.9 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 543 करोड़ रुपये मूलधन और ब्याज सहित लगभग 643 करोड़ रुपये) का भुगतान करने का आदेश दिया था, जिसके बाद अब राकिया भारत में इस फैसले को लागू करवाने की कोशिश कर रही है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान उद्योगपति प्रसाद की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने अदालत को बताया कि प्रसाद पहले के निर्देश के अनुसार 125 करोड़ रुपये नकद जमा कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने तेलंगाना में स्थित 37 एकड़ जमीन के मूल दस्तावेज भी अदालत में जमा कर दिए हैं। वकील ने कहा कि इस जमीन पर कोई कर्ज या कानूनी विवाद नहीं है। प्रसाद की ओर से यह भी कहा गया कि वे विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल होने को तैयार हैं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने निर्देश दिया कि मध्यस्थता 'हाइब्रिड' तरीके से कराई जा सकती है। इसका मतलब है कि कुछ लोग सीधे मौजूद रहेंगे, जबकि राकिया के प्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए भी शामिल हो सकते हैं। अदालत ने खाड़ी क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए यह व्यवस्था करने को कहा है।

दलितों की पिटाई के मामले में आठ साल बाद कोर्ट का फैसला

पांच दोषियों को 5 साल की जेल, 35 बरी

सोमनाथ, 17 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के ऊना में चार दलितों को साल 2016 में सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने के मामले में एक विशेष अदालत ने फैसला सुनाया।

अदालत ने पांच दोषियों को पांच साल की सजा सुनाई है और प्रत्येक दोषी पर पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। इन दलितों को उस समय पीटा गया था, जब वे कथित रूप से एक मरी हुई गाय की खाल उतारने की कोशिश कर रहे थे। वेरावल की विशेष अदालत ने इस मामले में सोमवार को पांच लोगों को दोषी ठहराया था। वहीं, 35 लोगों को बरी कर दिया गया था। इस घटना के समय देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। मंगलवार को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत पांच साल की कैद सुनाई।

गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड पर बड़ी पहल

समिति ने सीएम भूपेंद्र पटेल को सौंपी ड्राफ्ट रिपोर्ट

गांधीनगर, 17 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में राज्य सरकार की ओर से बनाई गई विशेषज्ञ समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को सौंप दी है। इससे पहले सरकार ने 4 फरवरी 2025 को एक 5 सदस्यीय समिति बनाई थी। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना देसाई कर रही थीं। समिति ने राज्यभर में अलग-अलग समाज, धर्म और राजनीतिक लोगों से बातचीत की और उनकी राय लेने के बाद यह रिपोर्ट तैयार की।

सूत्रों के अनुसार 23 मार्च को यह रिपोर्ट विधानसभा में रखी जा सकती है। इसके बाद 24 मार्च को यानी बजट सत्र के आखिरी दिन यूसीसी बिल पेश करने की तैयारी है। ऐसे में अगर यह बिल पास हो जाता है, तो गुजरात, उत्तराखंड के बाद यूसीसी लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य बन जाएगा। समिति की तरफ ड्राफ्ट मिलने के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी साझा की। पोस्ट में उन्होंने कहा कि राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने के लिए बनाई गई उच्चस्तरीय समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। सीएम ने बताया कि समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज रंजना देसाई ने की। रिपोर्ट तैयार करने के लिए समिति ने राज्य के जिलों का दौरा किया, लोगों से राय ली और गहन चर्चा की।

ड्राफ्ट रिपोर्ट में शादी, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में सभी धर्मों और समुदायों के लिए एक समान कानूनी ढांचा सुझाया गया है। सीएम ने जोर दिया कि विशेष रूप से, इस ड्राफ्ट में महिलाओं के समान अधिकार और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही गुजरात की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता को भी ध्यान में रखा गया है। गौरतलब है कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जहां 27 जनवरी 2025 से यूसीसी लागू हो चुका है। वहां शादी और लिव-इन का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है।

सीजेआई का सुझाव-फैमिली कोर्ट में वकील-जज काले चोगे न पहनें

जज, वकील और पुलिस को भी यूनिफॉर्म में नहीं आना चाहिए, इससे बच्चे डरते हैं

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि यह बहुत जरूरी है कि फैमिली कोर्ट बच्चों के मन से मनोवैज्ञानिक डर को खत्म करें।

इसके लिए कोर्ट के पारंपरिक कामकाज में कुछ बदलाव किए जाएं। उन्होंने पूछा कि क्या फैमिली कोर्ट में काले चोगे होने चाहिए? सीजेआई ने कहा कि जब हम फैमिली कोर्ट के लिए एक नई सोच और अवधारणा बना रहे हैं तो क्या इससे बच्चे के मन में कोई मनोवैज्ञानिक डर पैदा नहीं होगा? उन्होंने सुझाव दिया कि फैमिली कोर्ट में पीठासीन जज और वकील यूनिफॉर्म में नहीं आने चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत ने ये बातें दिल्ली के रोहिणी में एक फैमिली कोर्ट की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि फैमिली कोर्ट में आप सभी के लिए हमारे पीठासीन अधिकारी कोर्ट की पोशाक में नहीं बैठेंगे। बार के सदस्य भी काले और सफेद चोगे में नहीं आएंगे। पुलिस अधिकारी भी वर्दी में नहीं आएंगे, क्योंकि यह पूरा माहौल बच्चों के मन में डर पैदा करता है, खासकर तब जब वे किसी भी व्यवस्था के सबसे ज्यादा पीड़ित होते हैं। हर कोई कोर्ट आना नहीं चाहता। जब हम सुधारों की बात करते हैं और जब हम फैमिली कोर्ट की अवधारणा को विवादों को सुलझाने के एक मंच के रूप में देखते हैं तो यह विवाह संपत्ति विवादों जैसा मामला नहीं है। फैमिली कोर्ट का मकसद मानवीय रिश्तों को सुधारना, उन पर विचार करना और उन्हें ठीक करना है।

क्या हम इन्हें 'पारिवारिक समाधान केंद्र' नहीं कह सकते?

फैमिली कोर्ट में अन्य कोर्ट के मुकाबले ज्यादातर मुकदमों और विवादों के विपरीत दूर के पक्षों या बेजान संस्थाओं के बीच के नहीं होते। ये मामले परिवारों के भीतर से ही आते हैं। फैमिली कोर्ट के सामने आने वाले विवादों के भारी भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय परिणाम होते हैं जो तात्कालिक कानूनी विवाद से कहीं आगे तक जाते हैं।

कार्यक्रम में दिल्ली सीएम, सुप्रीम कोर्ट के अन्य जज भी शामिल

इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनमोहन ने कहा कि दिल्ली में, जिला कोर्ट को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वे तीन प्रकार की हैं। बजट, कर्मचारी और जगह।

उन्होंने कहा कि जगह का अर्थ है अदालत के कमरे। साथ ही रहने की व्यवस्था (आवासीय आवास) की भी चुनौतियां हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने भी इस कार्यक्रम में अपने विचार रखे।

ट्रेन पटरी से उतरने के मामले में शंटिंग मास्टर के खिलाफ चार्जशीट

पक्ष रखने के लिए एक माह की मोहलत

देहरादून, 17 मार्च (एजेंसियां)। दून टर्मिनस पर ट्रेन बेपटरी होने के मामले में आरोपी शंटिंग मास्टर के खिलाफ ऑपरेटिंग विभाग के समक्ष चार्जशीट दाखिल की गई है। शंटिंग मास्टर को एक महीने का समय देकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। इसमें शंटिंग मास्टर की पदोन्नति के साथ वेतन बढ़ोतरी रोकने की कार्रवाई की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक गत 23 फरवरी की शाम स्टेशन पर शंटिंग के दौरान नंदादेवी एक्सप्रेस का एक कोच पटरी से उतर गया था। घटना तब हुई जब ट्रेन अतिरिक्त कोच को प्लेटफार्म नंबर पांच पर छोड़ने जा रही थी। इस दौरान लोको पायलट को सही जानकारी न मिलने पर ट्रेन दीवार से टकरा गई।

उत्तर भारत समेत देशभर में मौसम ने ली करवट

कई राज्यों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर भारत और देश के कई हिस्सों में गर्मी की शुरुआत के बाद मौसम ने अचानक करवट ली है। मौसम विभाग (आईएमडी) की जानकारी के अनुसार, कई राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हुई और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। आने वाले दिनों में भी बारिश और तेज हवाओं की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक इस सप्ताह पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ जगहों पर तेज बारिश भी हो सकती है। हिमालयी क्षेत्रों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। 17 मार्च की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी राज्यों का मौसम प्रभावित करेगा। इसके चलते जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश या बर्फबारी हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वी और मध्य भारत में मौसम का हाल

बात अगर पूर्वी और मध्य भारत की करें तो झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और बिहार में अलग-अलग दिनों में बिजली कड़कने और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 17 से 19 मार्च के बीच महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। 18 और 19 मार्च को कोंकण और गोवा में गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। इतना ही नहीं दक्षिण भारत के राज्यों कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश और गरज-चमक हो सकती है।

केंद्र ने छह शहरों से शुरू की समय बचाने वाली दो स्पीड पोस्ट सेवाएं

देरी होने पर मनी बैक गारंटी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग की नई प्रीमियम सेवाओं की शुरुआत की है। इन सेवाओं के नाम '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' रखे गए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य समय पर पहुंचने वाले जरूरी सामान की डिलीवरी को और तेज करना है।

मंत्री ने इंडिया पोस्ट की तारीफ की

इस मौके पर केंद्रीय संचार मंत्री ग्रामीण डाक सेवा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट के पास दुनिया का सबसे बड़ा और गहरा नेटवर्क है। देश के 6.5 लाख गांवों की हर तहसील और तालुका में लोग परिवार के किसी सदस्य से भी बढ़कर किसी पर भरोसा करते हैं, तो वह ग्रामीण डाक सेवा है। उनके अनुसार, यह इंडिया पोस्ट के लिए एक नई शुरुआत का पल है। मंत्री ने यह भी बताया कि आज देश के आखिरी छोर तक स्मार्टफोन पहुंच चुका है। ई-कॉमर्स का बाजार बहुत तेजी से बढ़ रहा है। अभी यह बाजार 11 लाख करोड़ रुपये का है। इसके साल 2030 तक बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। सिंधिया ने विश्वास जताया कि इन नई सेवाओं से आम लोगों और व्यापारियों को बहुत फायदा होगा। डाक विभाग अब आधुनिक जरूरतों के हिसाब से खुद को बदल रहा है।

सुरक्षा पर भी रहेगा पूरा ध्यान

इस सेवा में सुविधा के साथ-साथ सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा गया है। इसमें ग्राहकों को ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी, एसएमएस अलर्ट और एंड-टू-एंड ट्रैकिंग की सुविधा मिलेगी। व्यापारिक ग्राहकों के लिए बाद में भुगतान, भारी मात्रा में बुकिंग के लिए मुफ्त पिकअप और केंद्रीकृत बिलिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

हैदराबाद भी लाभान्वित

डाक विभाग की इन सेवाओं का लाभ फिलहाल देश के छह प्रमुख शहरों में मिलेगा। पहले चरण में यह सेवाएं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में उपलब्ध होंगी। 24 स्पीड पोस्ट सेवा के तहत अगले ही दिन यानी शिपमेंट की डिलीवरी तत्काल और समयबद्ध तरीके से की जाएगी। सबसे खास बात यह है कि डिलीवरी में देरी होने पर मनी-बैक गारंटी भी दी जाएगी।

11.4 करोड़ का छात्रवृत्ति घोटाला : पांच राज्यों के नोडल अधिकारियों फर्जी संस्थानों और छात्रों पर सीबीआई की एफआईआर

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सीबीआई ने दिव्यांग छात्रों के लिए निर्धारित छात्रवृत्ति निधि से 11.4 करोड़ रुपये से अधिक के गबन मामले में पांच राज्यों के नोडल अधिकारियों, फर्जी संस्थानों और छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला अंब्रेला छात्रवृत्ति योजना से जुड़ा है। यह योजना 2018 में दिव्यांग छात्रों के लिए शुरू की गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि जिन राज्यों के अज्ञात लोक सेवकों और नोडल अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई ने केस दर्ज किया है, उसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। अंब्रेला छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के साथ-साथ मैट्रिक के बाद के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के छात्रों को भी छात्रवृत्ति मिलती थी। यूजीसी/एआईसीटीई की ओर से मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री और डिप्लोमा के छात्रों को भी इन छात्रवृत्तियों के अंतर्गत वित्त पोषित किया जाता था। आरोप है कि 28 संस्थानों से जुड़े ऐसे 926 छात्रों को 11.41 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई, जो या तो फर्जी थे या मंत्रालय के निरीक्षण के दौरान उनमें गंभीर अनियमितताओं का पता चला था। केंद्रीय एजेंसी ने पिछले साल सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव की शिकायत पर प्रारंभिक जांच शुरू की थी। जांच के दौरान यह सामने आया कि इनमें से कई संस्थान अस्तित्वहीन थे या बंद हो चुके थे, फिर भी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल से धनराशि का दावा कर रहे थे। एजेंसी ने पाया कि जम्मू और कश्मीर स्थित सल्फम कॉलेज ऑफ एजुकेशन 2017 से बंद था। फिर भी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर फर्जी यूजर आईडी बनाकर इसके छात्रों के नाम पर छात्रवृत्ति के दावे किए जा रहे थे। इस साजिश में कई स्कूलों का नाम उनकी जानकारी के बिना इस्तेमाल किया जा रहा था। सीबीआई ने बताया कि राजस्थान, कर्नाटक और ओडिशा जैसे राज्यों के 11 संस्थानों ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं थी और लाभार्थियों को कभी उनके स्कूलों में प्रवेश नहीं दिया गया था।

छात्रों और नोडल अधिकारियों ने रची साजिश

एजेंसी ने ऐसे मामलों की भी पहचान की है, जिनमें लाभार्थियों और संस्थान के नोडल अधिकारियों ने धन की हेराफेरी के लिए साजिश रची थी। एफआईआर में उल्लिखित लखनऊ स्थित एक कॉलेज में, नोडल अधिकारी ने 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रवृत्ति अनुदान के लिए 32 आवेदन आगे बढ़ाए गए। इनमें से 24 छात्रों को छात्रवृत्ति मिली। इनमें से नौ ने धनराशि भी निकाली।

हरदीप पुरी की बेटी से जुड़े विवादित कंटेंट सोशल मीडिया से हटेंगे

दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आदेश दिया है कि वे अमेरिकी दोषसिद्ध यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से हिमायनी पुरी को जोड़ने वाली मानहानिकारक और झूठी सामग्री को भारत में ब्लॉक या हटा दें। न्यायमूर्ति मीनी पुष्करण की एकल पीठ ने माना कि यह स्पष्ट रूप से मानहानि का मामला है।

हालांकि, अदालत ने इसे वैश्विक तौर पर हटाए जाने का निर्देश अभी नहीं दिया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी ने दिल्ली हाईकोर्ट में मानहानि मुकदमा दायर किया। उन्होंने सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर फैलाए गए झूठे और मानहानिकारक कंटेंट को हटाने तथा 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की, जो उन्हें अमेरिकी दोषसिद्ध यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जोड़ते हैं।

गुड़ी पड़वा पर महाकाल मंदिर के शिखर पर फहरेगा ब्रह्म ध्वज

2000 साल पुरानी परंपरा का पुनरुद्धार

उज्जैन, 17 मार्च (एजेंसियां)। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा और गुड़ी पड़वा के अवसर पर 19 मार्च को श्री महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर ब्रह्म ध्वज का आरोहण किया जाएगा। यह आयोजन लगातार दूसरे वर्ष किया जा रहा है। यह केवल ध्वजारोहण नहीं, बल्कि लगभग 2000 वर्ष पुरानी उस गौरवशाली परंपरा का पुनरुद्धार है, जिसकी शुरुआत सम्राट विक्रमादित्य के काल में हुई थी।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर इस परंपरा को फिर से भव्य रूप दिया जा रहा है। विक्रमादित्य द्वारा प्रारंभ किया गया विक्रम संवत और ब्रह्म ध्वज की परंपरा भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता और गौरव का प्रतीक मानी जाती है।

ब्रह्म ध्वज की विशेषता

विक्रमादित्य शोध संस्थान के निदेशक राम तिवारी के अनुसार ब्रह्म ध्वज शक्ति, साहस और चतुर्दिक विजय का प्रतीक है। केसरिया रंग के इस ध्वज की बनावट भी विशेष होती है। इसमें दो पताकाएं होती हैं, जो ध्वज के दोनों छोर पर स्थित रहती हैं। ध्वज के मध्य में सूर्य का चिन्ह अंकित होता है, जो तेज, ऊर्जा और विश्व विजय का प्रतीक माना जाता है। महिदपुर स्थित अश्विनी शोध संस्थान में आज भी ये प्राचीन मुद्राएं सुरक्षित हैं, जिन्हें सम्राट विक्रमादित्य ने इसी ब्रह्म ध्वज परंपरा को अमर बनाने के लिए जारी किया था। सम्राट विक्रमादित्य के काल में उज्जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार का प्रमुख केंद्र माना जाता था। उस समय की मुद्राओं पर बने चिह्न बताते हैं कि उज्जैन को पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। इन सिक्कों के एक पक्ष पर भगवान शिव सूर्यदंड लिए दिखाई देते हैं, जबकि दूसरे पक्ष पर प्लस (+) का चिन्ह बना होता है, जिसकी चारों भुजाओं पर गोले बने रहते हैं। यह प्रतीक दर्शाता है कि उज्जैन जल, थल और नभ तीनों मार्गों से विश्व से जुड़ा हुआ था।

65 वर्षों तक सुरक्षित रखा गया था ध्वज

शोधपीठ के निदेशक राम तिवारी ने बताया कि विक्रम संवत ज्ञान, संस्कृति, विज्ञान और अनुसंधान का महापर्व है। विक्रम संवत के अवसर पर ब्रह्म ध्वज विभिन्न स्थानों पर फहराया जाएगा। मध्यप्रदेश में मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों और निजी स्थानों पर भी लोग स्वप्रेरणा से इस ध्वज को फहरा सकेंगे।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने खत्म किए सभी कैबिनेट रैंक

20 फीसदी वेतन/भत्ते भी 30 सितंबर तक स्थगित

शिमला, 17 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सभी कैबिनेट रैंक खत्म कर दिए हैं। वहीं, 20 फीसदी वेतन/भत्ते भी 30 सितंबर 2026 तक स्थगित किए गए हैं। अब बोर्ड, निगम और आयोगों के चेयरमैन, वाइस-चेयरमैन, सलाहकारों को मिलने वाली कैबिनेट रैंक सुविधा तुरंत प्रभाव से नहीं मिलेगी। सरकार ने सभी विभागों के सचिवों को आदेश दिया है कि वे इस फैसले को तुरंत लागू करें। सरकार ने खर्च कम करने की दिशा में आगे बढ़ने के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह निर्णय प्रशासनिक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से लिया गया है। इस फैसले को प्रशासनिक सुधार और खर्चों पर नियंत्रण के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे आने वाले समय में सरकार की कार्यप्रणाली पर व्यापक असर पड़ सकता है।

नोटिफिकेशन में क्या लिखा है?

बता दें कि हिमाचल प्रदेश सरकार में सामान्य प्रशासन विभाग के संयुक्त सचिव कुलविंदर सिंह द्वारा हस्ताक्षरित नोटिफिकेशन में लिखा है कि 'मुझे यह सूचित करने का निर्देश दिया गया है कि प्रशासनिक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से 'कैबिनेट रैंक' की स्थिति की समीक्षा की गई है और सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि विभिन्न बोर्ड, निगम और आयोगों के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/उपाध्यक्ष (डिप्टी चेयरमैन), प्रधान सलाहकार/राजनीतिक सलाहकार आदि को वर्तमान में प्रदान की गई 'कैबिनेट रैंक' की सुविधा को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है। नोटिफिकेशन में लिखा है कि इसके अतिरिक्त, उनके वेतन/मासिक पारिश्रमिक का 20 प्रतिशत भाग 30-09-2026 तक स्थगित रहेगा। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई शीघ्रता से सुनिश्चित करें और अपने प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत आने वाले सभी संबंधितों को इन निर्देशों से अवगत कराएं।

बता दें कि मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू का वेतन ढाई लाख रुपए मासिक है। उन्हें इस वेतन के साथ-साथ मेडिकल रिंबर्समेंट, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता और वाहन जैसी अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं। मीडिया सलाहकार नरेश चौहान का वेतन भी ढाई लाख रुपये प्रति माह ही है। इन्फ्रास्ट्रक्चर सलाहकार अनिल कपिल का वेतन 2.31 लाख रुपए मासिक है। आईटी सलाहकार गोकुल बुटेल मात्र एक रुपए मासिक वेतन लेते हैं।

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रम्प

नाटो देश बोले- ये हमारी लड़ाई नहीं, होर्मुज का रास्ता खुलवाने से इनकार

वॉशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)। ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है।

ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रम्प अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं।

हालांकि इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी ने साफ कहा है कि वह किसी भी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेगा। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इस मामले में कभी कोई फैसला नहीं हुआ, इसलिए जर्मनी के सैन्य योगदान का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मौजूदा सरकार खत्म होनी चाहिए, लेकिन बमबारी करके उसे झुकाना सही तरीका नहीं है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अमेरिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और जब अमेरिकी नौसेना खुद इतनी ताकतवर है, तो कुछ यूरोपीय जहाज क्या कर लेंगे।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस बड़े युद्ध में नहीं फंसेगा। उन्होंने माना कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना जरूरी है ताकि तेल बाजार स्थिर रहे, लेकिन यह आसान काम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कदम ज्यादा से ज्यादा देशों की सहमति से ही उठाया जाएगा।

यूरोपीय देशों ने सैन्य कार्रवाई की बजाय कूटनीति पर जोर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत अहम है क्योंकि यहां से दुनिया के लगभग 20% तेल और गैस की सप्लाई होती है, जो फिलहाल ईरान के कारण प्रभावित हो रही है।

इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि इस संकट का हल बातचीत से ही निकलना चाहिए और उनका देश किसी नौसैनिक मिशन को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय यूनियन के मौजूदा मिशन सिर्फ समुद्री डकैती रोकने और रक्षा के लिए हैं, उन्हें युद्ध में नहीं बदला जा सकता। दूसरी ओर, ट्रम्प लगातार अपने सहयोगियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों को इस समुद्री रास्ते से फायदा होता है, उन्हें इसकी सुरक्षा में हिस्सा लेना चाहिए। ट्रम्प ने खासतौर पर ब्रिटेन से नाराजगी भी जताई, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि वह इसमें शामिल होगा। यूरोपीय यूनियन के विदेश मंत्रियों ने भी अपने रेड सी (लाल सागर) मिशन को होर्मुज तक बढ़ाने से इनकार कर दिया। यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलस ने कहा कि फिलहाल मिशन का दायरा बढ़ाने की कोई इच्छा नजर नहीं आती।

यूरोपीय देश अमेरिका और इजराइल के युद्ध के मकसद को लेकर भी स्पष्टता चाहते हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें समझना है कि ट्रम्प की रणनीति क्या है और आगे की योजना क्या होगी। इस बीच इजराइल ने ईरान के कई शहरों जैसे तेहरान, शिराज और तबरीज में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इजराइल का दावा है कि उसने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से जुड़ा एक विमान भी नष्ट कर दिया।

इजराइली सेना का कहना है कि ईरान के साथ अगले 3 सप्ताह तक लड़ने के लिए उनकी प्लानिंग तैयार है। सेना के प्रवक्ता नदाव शोशानी ने सोमवार को कहा है कि सेना ने इससे आगे के समय के लिए भी अलग योजनाएं बना रखी है।

राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ को ब्रेस्ट कैंसर

इलाज के दौरान भी छुट्टी नहीं लेंगी

वाशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। हालांकि वह इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम जारी रखेंगी। ट्रंप ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने वाइल्स की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक भरोसेमंद सलाहकार है। इसके साथ ही उनकी तेजी से ठीक होने की उम्मीद जताई।

ट्रंप ने कहा, "सुसी वाइल्स एक अद्भुत चीफ ऑफ स्टाफ हैं, एक बेहतरीन इंसान हैं, और सबसे मजबूत लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। उन्होंने इस चुनौती को तुरंत स्वीकार करने का निर्णय लिया है, और तुरंत इलाज शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि वाइल्स पहले ही इलाज की तैयारी शुरू कर चुकी हैं और उनके पास एक मजबूत मेडिकल टीम का समर्थन है। ट्रंप ने कहा, "उनकी मेडिकल टीम शानदार है इलाज के दौरान वह लगभग पूरा समय व्हाइट हाउस में बिताएंगी।" ट्रंप ने वाइल्स को प्रशासन में अपने सबसे भरोसेमंद सलाहकारों में से एक भी बताया। ट्रंप ने कहा, "उनकी शक्ति और उनकी प्रतिबद्धता, जो वे अपने काम को प्यार से और बेहतरीन तरीके से करती हैं, जबकि इलाज के दौरान भी काम कर रही हैं, आपको उनके बारे में सब कुछ बता देती हैं।" ट्रंप ने कहा कि वाइल्स प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनकी टीम के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।उन्होंने कहा, "सुसी, मेरी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सलाहकारों में से एक के रूप में, मजबूत हैं और अमेरिकी जनता की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।"

ट्रंप ने कहा कि वे और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप वाइल्स के इलाज के दौरान उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, "मेलानिया और मैं हर तरह से उनके साथ हैं, और हम सुसी के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं ताकि हमारे देश के लाभ के लिए कई बड़े और शानदार काम किए जा सकें।" व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी इस घोषणा के तुरंत बाद वाइल्स के समर्थन में एकजुटता दिखाई।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर शायद समलैंगिक हैं

अपने टीचर के साथ रिलेशन में थे, ट्रम्प को पता चला तो जोर से हंस पड़े

तेहरान, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पिछले हफ्ते एक सीक्रेट ब्रीफिंग दी गई थी। इसमें अमेरिकी जासूसी एजेंसियों ने बताया था कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई शायद समलैंगिक (गे) हैं। यह खबर अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क पोस्ट ने दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक उनके पिता अयातुल्लाह अली खामेनेई को इस बात का डर था कि इस वजह से मुजतबा देश को ठीक से नहीं चला पाएंगे। ट्रम्प को जब यह ब्रिफिंग दी गई, तो वे बहुत हैरान हुए और जोर से हंस पड़े। कमरे में मौजूद दूसरे लोग भी इसे बहुत मजेदार मानकर हंसने लगे।

न्यूयॉर्क पोस्ट को यह जानकारी तीन सूत्रों ने दी है, जिनमें दो इंटेलिजेंस अधिकारी और एक व्हाइट हाउस का करीबी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, मुजतबा का बचपन के एक टीचर के साथ लंबे समय से रिलेशन था। वहीं एक सूत्र ने कहा कि उनका खामेनेई परिवार के के लिए काम करने वाले किसी एक इंसान से रिलेशन था। हालांकि अमेरिका के पास कोई फोटो या वीडियो सबूत नहीं है, लेकिन जानकारी काफी विश्वसनीय सूत्र से आई है। ईरान में समलैंगिक संबंध गैरकानूनी हैं और इसके लिए मौत की सजा तक हो सकती है।

ईरान में सरकार और आईआरजीसी के बीच सत्ता संघर्ष

भारत की पश्चिम एशिया रणनीति पर मंडराया संकट

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत का अपने हितों के लिए सुरक्षित रास्ता तैयार करना अब आसान नहीं होगा। दरअसल ईरान के भीतर गहराते सत्ता संघर्ष ने वहां की नागरिक सरकार और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के बीच बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है।

सूत्रों ने बताया कि भारत को इस आंतरिक मतभेद की जानकारी तेहरान के साथ चल रही बातचीत के दौरान मिली। बातचीत में ईरानी सरकारी अधिकारियों ने संकेत दिया था कि वे मध्य पूर्व की कंपनियों पर हमले रोकना चाहते हैं। लेकिन दूसरी ओर आईआरजीसी की गतिविधियां अलग तस्वीर पेश कर रही हैं। यह सैन्य बल अपने हमले जारी रखे हुए है और अभियानों को कम करने से इनकार कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, आईआरजीसी अब भी अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की ओर से तय की गई कार्य-सूची का पालन करने की बात कहता है और मौजूदा सरकार की कूटनीतिक पहलों को नजरअंदाज कर रहा है। इस मतभेद ने भारत और ईरान के बीच सहयोग को जटिल बना दिया है और तेहरान की ओर से दिए गए आश्वासनों के लागू होने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थिति उस समय और जटिल हो गई जब मोजतबा खामेनेई के सर्वोच्च नेता के रूप में चुने जाने की चर्चा तेज हो गई। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे कट्टरपंथी गुटों का मनोबल बढ़ा है और पहले तय की गई सैन्य सीमाएं कमजोर पड़ गई हैं। इसका असर क्षेत्र में हमलों की बढ़ती घटनाओं के रूप में देखा जा रहा है, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां ईरान ने औपचारिक रूप से खेद व्यक्त किया था।

भारत ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं के लिहाज से ईरान भारत का एक अहम साझेदार है। ऐसे में ईरान की निर्णय प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अस्थिरता भारतीय हितों को सीधे प्रभावित कर सकती है। खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास आईआरजीसी की हालिया गतिविधियों ने चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि यह मार्ग वैश्विक तेल परिवहन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील रास्ता माना जाता है।

फिलहाल स्थिति स्पष्ट रूप से विभाजित दिखाई दे रही है। एक ओर तेहरान खाड़ी देशों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ कूटनीतिक संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जबकि दूसरी ओर आईआरजीसी अपनी अलग रणनीति पर आगे बढ़ता नजर आ रहा है।

ट्रम्प ने क्यूबा पर कब्जे की बात कही

बोले- जो चाहूं कर सकता हूं

हवाना, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वे क्यूबा के साथ जो चाहें कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जल्द ही किसी न किसी तरीके से क्यूबा को अपने कब्जे में लेने का "सम्मान" मिल सकता है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और क्यूबा के बीच रिश्ते सुधारने को लेकर बातचीत चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका चाहता है कि क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कनेल सत्ता छोड़ दें, लेकिन क्यूबा ने साफ कहा है कि वह अपने देश के मामलों में किसी भी बाहरी दखल को नहीं मानेगा।

इस समय क्यूबा गंभीर आर्थिक और बिजली संकट से गुजर रहा है। तेल की कमी के कारण देश में लंबे-लंबे बिजली कट लग रहे हैं और हाल ही में पूरा बिजली सिस्टम भी ठप हो गया था।

इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका क्यूबा से बातचीत कर रहा है, लेकिन पहले ईरान के मामले को सुलझाएगा।

400 मौतों का बदला बंदूक से लेंगे : तालिबान

काबुल के अस्पताल हमले के बाद गुस्से में तालिबान, 'जंग' का ऐलान

काबुल, 17 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के काबुल में नशा मुक्ति अस्पताल पर हवाई हमले के बाद अफगान तालिबान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हमले में 400 से ज्यादा मौतें होने के बाद अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने कहा है कि अब बातचीत का कोई मतलब नहीं रह गया है, हम इस हमले का जवाब देंगे। तालिबान के शीर्ष अधिकारी सुहेल शाहीन ने पाकिस्तान के उन दावों को भी पूरी झूठा कहा है कि उसकी आर्मी ने अस्पताल नहीं बल्कि आतंकी ठिकाने पर बम गिराए हैं।

अफगान तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तानी आर्मी ने अस्पताल में आम लोगों को निशाना बनाया है। इसमें 400 मौतें अब तक कंफर्म हो चुकी हैं और 250 से ज्यादा घायल हुए हैं। पाकिस्तानी की बमबारी में नशा मुक्ति अस्पताल तबाह हो गया है। अब इस्लामाबाद के साथ डिप्लोमेसी या बातचीत का नहीं होगी। हम इस हमले का बदला सैन्य तरीके से लेंगे।

अफगान तालिबान के शीर्ष नेताओं में शुमार सुहेल शाहीन ने कहा है कि काबुल में अस्पताल पर हमले के बाद कुछ भी छुपा हुआ नहीं रह गया है। ये अब पूरी दुनिया के सामने है कि कैसे मरीजों और तीमारदारों को बम गिराकर मौत के घाट उतार दिया गया। तालिबान को इसमें अलग से कुछ बताने की जरूरत नहीं है क्योंकि तबाही की तस्वीरें खुद सब कुछ बयान कर रही हैं।

शाहीन ने दुनिया की मीडिया और यूएन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों से इस मामले पर ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकी गुटों के ठिकानों पर बमबारी की बात कह रहा है। हम चाहते हैं कि दुनिया आकर ये देखे कि पाकिस्तान ने अस्पताल पर बमबारी की है या आतंकियों को मारा है। दुनिया इतने बड़े कत्लेआम का चुपचाप तमाशा नहीं देख सकती है।

तालिबान की सरकार के अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तान ने सोमवार रात करीब 9 बजे काबुल में हवाई हमला किया। इस हमले में 2,000 बेड वाले उम्मीद नशा मुक्ति हॉस्पिटल को निशाना बनाया गया। तालिबान के उपप्रवक्ता मुल्ला हमदुल्ला फितरत ने बताया कि हमले में हॉस्पिटल की इमारत का ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया।

फितरत ने बताया है कि मरने वालों की संख्या 400 के आंकड़े को पार कर गई है। राहत का काम जारी है, ऐसे में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि मरने वाले आम लोग थे। इनमे ज्यादातर संख्या यहां भर्ती नशे के मरीजों और मेडिकल स्टाफ की है। इसे हाल के सालों में काबुल में हुए सबसे खतरनाक हमलों में से एक माना जा रहा है।

भूपेश बोले- 2028 में छत्तीसगढ़ में बनेगी कांग्रेस की सरकार

2029 में राहुल गांधी बनेंगे पीएम, मनरेगा- सिलेंडर की कीमतों पर कांग्रेस ने विधानसभा घेरा

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मनरेगा का नाम बदलने, सिलेंडर की बढ़ी कीमतों समेत कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा का घेराव किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता ने नाली से गैस चूल्हा जोड़कर चाय बनाकर विरोध जताया। बैरिकेड्स तोड़कर कार्यकर्ताओं ने विधानसभा कूच किया। पुलिस प्रशासन ने टीन का शेड लगाकर कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोका।

इसमें प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व सीएम भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान भूपेश बघेल ने मोदी सरकार पर निशाना साधा और 2029 में राहुल गांधी के पीएम बनने की बात कही। उन्होंने कहा कि 2028 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनेगी और 2029 में राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे, तब हम डेढ़ गुना मनरेगा की राशि देंगे।

भूपेश बघेल ने कहा मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी की सोच थी कि गरीबों को भी रोजगार का अधिकार है, उन्होंने गरीबों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार दिया जाए। लेकिन मनरेगा को भाजपा ने छीना है।

बघेल ने कहा कि शर्म से पानी में डूब मरो, गैस सिलेंडर भी लोगों को नहीं मिल रहा है। मोदी का नाम पनौती रख देना चाहिए।

अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

चतरा, 17 मार्च (एजेंसियां)। चतरा पुलिस और उत्पाद विभाग ने वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के पोस्तिया गांव में एक अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 5 लाख रुपए की नकली शराब बरामद की गई और तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उपायुक्त कीर्तिश्री के निर्देश पर एसडीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने इस फैक्ट्री पर छापा मारा। यह फैक्ट्री एक घर के भीतर धड़ल्ले से चल रही थी।

उत्पाद निरीक्षक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को बताया कि यह शराब झारखंड से बिहार की सीमाओं को पार कर दुगने दामों पर बेची जा रही थी। बिहार एक 'ड्राई स्टेट' होने के कारण माफिया इस नकली शराब को असली बताकर बेचते थे और भारी मुनाफा कमाते थे। तस्कर अनिल कुमार यादव के घर में स्प्रिट और केमिकल का उपयोग कर नकली शराब तैयार की जा रही थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों की कुल 1318 बोतलें बरामद कीं, जिन पर महंगे ब्रांड्स के नकली ढक्कन और स्टिकर लगे थे। मौके से सील करने वाली मशीन और कच्चा स्प्रिट भी जब्त किया गया। पुलिस ने अनिल कुमार यादव, बीरबल कुमार और ब्रजेश यादव को गिरफ्तार किया है। हालांकि, गिरोह के मास्टरमाइंड दिलीप यादव और मोहन यादव फरार होने में सफल रहे। उत्पाद अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि चतरा में अवैध शराब का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस कार्रवाई को नकली शराब माफियाओं के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

ईरान में अमेरिका और इजरायल फेल नहीं हुए

एक्सपर्ट ने बताया कैसे खत्म हो रही तेहरान की ताकत

वॉशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। इस युद्ध के उद्देश्य पर सत्ता परिवर्तन समेत कई तरह की बयानबाजी अमेरिकी और इजरायली नेतृत्व की ओर से की गई। खासतौर से ईरान में सत्ता परिवर्तन में अमेरिका और इजरायल कामयाब नहीं हो सके। ऐसे में कहा जा रहा है कि क्या गठबंधन का तेहरान मिशन फेल हो गया है। हालांकि इंटरनेशनल पॉलिटिक्स के जानकार मुहानद सेलम का मानना है कि इजरायल और अमेरिका की ईरान को कमजोर करने की कोशिश कामयाब हो रही है। दोहा में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा के प्रोफेसर मुहानद सेलम ने अल जजीरा में लिखे अपने लेख में कहते हैं कि अमेरिका और इजरायल के बिना किसी योजना के ही एक युद्ध में फंसने का दावा किया जा रहा है। हालांकि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल जखीरे, उसके परमाणु ढांचे, हवाई सुरक्षा, नौसेना और उसके प्रॉक्सी कमांड ढांचे को नुकसान देखें तो अमेरिका नाकाम नहीं दिखता है।

सेलम कहत हैं कि ईरान का दशकों में बनाया गया हथियारों का जखीरा खत्म हो रहा है। ईरान के नेवल एसेट्स, फास्ट-अटैक क्राफ्ट, छोटी सबमरीन और माइन-लेइंग कैपेबिलिटीज़ को खत्म किया जा रहा है। इसके एयर डिफेंस को इस हद तक दबा दिया गया है। अमेरिका अगर ईरानी एयरस्पेस के ऊपर नॉन-स्टील्थ B-1 बॉम्बर उड़ा रहा है तो साफ है कि स्थिति क्या है।

यह कैंपेन दो अलग-अलग फेज से गुजरा है। पहले फेज में ईरान के एयर डिफेंस, उसके कमांड और कंट्रोल को खत्म कर दिया गया। उसके मिसाइल और ड्रोन लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर को कमजोर कर दिया गया। 2 मार्च तक यूएस सेंट्रल कमांड ने पश्चिमी ईरान और तेहरान पर लोकल एयर सुपीरियरिटी की घोषणा कर दी थी।

इजरायल का आरोप- हिजबुल्ला ने दो हफ्तों में बरसाए 2000 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन

तेल अवीव, 17 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में इजरायल और हिजबुल्ला के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने दावा किया है कि पिछले दो हफ्तों में हिजबुल्ला ने इजरायली नागरिकों पर करीब 2,000 मिसाइल, रॉकेट और ड्रोन से हमले किए हैं।

उन्होंने कहा कि यह हमले बिना किसी उकसावे के लेबनान की तरफ से किए गए। गिदोन सार ने कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और ब्रिटेन के नेताओं द्वारा जारी संयुक्त बयान को हकीकत से दूर बताया। इन देशों ने अपने बयान में लेबनान में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और सभी पक्षों से तनाव कम करने तथा बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की थी। साथ ही उन्होंने हिजबुल्ला के हमलों की निंदा करते हुए कहा कि नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना गलत है।

लेकिन इजरायल का कहना है कि इस बयान में उनके नागरिकों के दर्द और नुकसान को नजरअंदाज किया गया है। गिदोन सार ने सवाल उठाया कि क्या इन देशों के नागरिक ऐसे हालात में रहना स्वीकार करेंगे, जहां लगातार मिसाइल हमले हो रहे हों। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देश और एक 'आतंकी संगठन' को एक जैसा बताना गलत है। इजरायल ने यह भी आरोप लगाया कि लेबनान सरकार हिजबुल्ला को रोकने में नाकाम रही है। उनका कहना है कि अब लेबनान को तुरंत कार्रवाई करके इजरायल पर हो रहे हमले बंद करवाने चाहिए।

इस बीच, इजरायली सेना (आईडीएफ) ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं।

हिंदू नववर्ष का शुभारंभ है गुड़ी पड़वा

कथा से जानें इससे जुड़े रोचक तथ्य

चैत्र नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त 2026

पहला मुहूर्त – सुबह 6 बजकर 52 मिनट से शुरु होगा और सुबह 7 बजकर 56 मिनट तक.

दूसरा मुहूर्त – दोपहर 12 बजकर 05 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक.

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा को विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। मराठी समुदाय के लोग आज के दिन बांस की लकड़ी को लेकर उसके ऊपर चांदी, तांबे या पीतल के कलश को उल्टा रखते हैं। इसको केसरिया रंग के पताके और नीम की पत्तियों से सजाया जाता है। फिर घर पर सबसे ऊंची जगह पर लगा देते हैं। अलग-अलग जगह में इसे विभिन्न तरह के नामों से जाना जाता है। गोवा और केरल में कोंकणी समुदाय इसे संवत्सर पड़वो नाम से मनाता है। कर्नाटक में इस पर्व को युगाड़ी नाम से जाना जाता है।

गुड़ी पड़वा का महत्व: गुड़ी पड़वा के त्यौहार को हिंदू नववर्ष का शुभारंभ माना जाता है। गुड़ी का अर्थ होता है विजय पताका और पड़वा का मतलब होता है चंद्रमा का पहला दिन। गुड़ी पड़वा को वर्ष प्रतिपदा और युगादि के नाम से भी जाना जाता है। आज का ये दिन बहुत ही खास होता है क्योंकि आज से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। मुख्य रूप से गुड़ी पड़वा का त्यौहार महाराष्ट्र राज्य में मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा का मतलब अगली फसल वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। तो आइए जानते हैं गुड़ी पड़वा के बारे में कुछ रोचक बातें।

गुड़ी पड़वा से जुड़ी प्रचलित मान्यताएं : कहते हैं आज के दिन ब्रह्मा जी ने ब्रह्माण्ड की रचना की थी इसीलिए गुड़ी को ब्रह्मध्वज भी कहा जाता है।

मराठी समुदाय के लोग इस दिन को महान राजा छत्रपति शिवाजी की विजय को याद करने के लिए भी गुड़ी लगाते हैं।

आज के दिन महान ज्योतिषाचार्य और गणितज्ञ भास्कराचार्य ने सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीने और वर्ष की गणना करते हुए पंचांग की रचना की

गुड़ी पड़वा की पौराणिक कथा: मान्यताओं के अनुसार त्रेता युग में दक्षिण भारत में राजा बली के शासन के समय जब प्रभु श्री राम माता सीता को रावण से मुक्त कराने के लिए लंका की तरफ जा रहे थे। रास्ते में उनकी मुलाकात सुग्रीव के साथ हुई। सुग्रीव ने प्रभु श्री राम को बाली के आतंक के बारे में सारी बात बताई। तब प्रभु श्री राम ने बाली का वध कर उसके आतंक से सुग्रीव को मुक्त कराया। कहते हैं उसी दिन से दक्षिण में गुड़ी पड़वा के तौर पर मनाया जाता है तथा विजय पताका फहराई जाती है।

बिना संकोच 19 मार्च को ही करें घटस्थापना

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, जब कोई अनुष्ठान निश्चित त्योहार की तिथि से जुड़ा होता है, तो पंचक, भद्रा, खरमास या अन्य ज्योतिषीय दोषों का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता. इसलिए, भले ही 19 मार्च को पंचक, खरमास या अमावस्या तिथि ही क्यों ना हो, चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना करना पूरी तरह से शास्त्रसम्मत है. भक्तों के लिए इसका अर्थ है कि नवरात्रि की शुरुआत का यह पावन अनुष्ठान बिना किसी संकोच के किया जा सकता है.

मां दुर्गा से बड़ी कोई शक्ति नहीं है और उनकी पूजा सभी नकारात्मकता को खत्म करती है और सकारात्मकता लाता है. कोई भी काल उनसे बड़ा नहीं है क्योंकि वह स्वयं महाकाल की पत्नी हैं और संपूर्ण सृष्टि को ऊर्जा माता से ही मिलती है. इसलिए बिना किसी डर या संकोच के पवित्र मन के साथ 19 मार्च को शुभ मुहूर्त में घटस्थापना कर सकते हैं.

19 मार्च को धरती पर आएंगी मां दुर्गा

इस विधि से करें घटस्थापना और चैत्र नवरात्रि की पूजा

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तिथि तक वासंती नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इसे चैत्र नवरात्रि भी कहते हैं। इस बार ये पर्व 19 से 27 मार्च तक मनाया जाएगा। विद्वानों का मानना है कि नवरात्रि के पहले दिन देवी दुर्गा धरती पर आती हैं और अंतिम दिन पुनः लौट जाती हैं।

इस साल चैत्र नवरात्र की शुरुआत 19 मार्च, गुरुवार के दिन से हो रही है. शक्ति की उपासना के यह दिन बहुत ही शुभ माने जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, नवरात्र की शुरुआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है और यह पर्व लगातार नौ दिनों तक मां दुर्गा की भक्ति और साधना के लिए समर्पित रहता है इस साल का चैत्र नवरात्र कई मायनों में खास माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय बाद एक अनोखा संयोग बन रहा है दरअसल, इस दिन चैत्र नवरात्र के घटस्थापना वाले दिन पर अमावस्या आ रही है।

घटस्थापना कैसे करें ?

इस साल चैत्र नवरात्रि खरमास के बीच में पड़ रही है, इसलिए शुभ मुहूर्त का महत्व और भी बढ़ जाता है। अभिजीत मुहूर्त के दौरान कलश स्थापित करना सबसे शुभ माना जाता है। यदि आप खरमास से जुड़े किसी भी नकारात्मक प्रभाव को पूरी तरह से खत्म करना चाहते हैं तो मुख्य पूजा शुरू करने से पहले भगवान गणेश की प्रार्थना करें। इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। ऐसा माना जाता है कि इन अनुष्ठानों का पालन करने से पूजा और भी अधिक शुभ और फलदायी हो जाती है।

ये काम भूलकर भी न करें

भले ही नवरात्रि चल रही हो लेकिन खरमास के दौरान कोई नया व्यापार शुरू करने या कोई बड़ी संपत्ति खरीदने से बचना चाहिए। इस समय सगाई या शादी की तारीखें तय न करने की सलाह दी जाती है। ऐसे मामलों को खरमास खत्म होने तक टालें।

इस दौरान प्याज, लहसुन और मांस का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। किसी भी हाल में, भले ही अनजाने में हो, इस समय किसी का अपमान नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से देवी दुर्गा अप्रसन्न हो सकती हैं।

चैत्र नवरात्रि की पूजा विधि

सुबह स्नान करके पूजा स्थान को साफ करें। लकड़ी की चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं, मिट्टी के पात्र में जौ बोएं। उस पर जल से भरा कलश स्थापित करें। कलश पर नारियल और आम के पत्ते रखें। देवी की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। रोली, अक्षत, फूल, धूप और दीप से पूजा करें। दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। कई श्रद्धालु पूरे नौ दिनों तक व्रत भी रखते हैं।

चैत्र नवरात्रि का महत्व

चैत्र नवरात्रि को वसंत ऋतु का उत्सव भी माना जाता है। यह प्रकृति में नए जीवन और ऊर्जा के आगमन का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता है कि इन दिनों में देवी दुर्गा की आराधना करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इसी कारण कई लोग नवरात्रि के शुभ अवसर पर नए कार्य, व्यापार या घर की शुरुआत भी करते हैं, क्योंकि इसे नई शुरुआत के लिए अत्यंत शुभ समय माना जाता है।

नवरात्रि में अखंड दीपक जलाने का सही वास्तु नियम

हिंदू धर्म में नवरात्रि का पर्व अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। कई भक्त इस दौरान घर या मंदिर में अखंड दीपक (अखंड ज्योति) जलाते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में अखंड दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। हालांकि अखंड दीपक जलाते समय कुछ वास्तु नियमों का पालन करना भी जरूरी माना गया है। आइए जानते हैं इन महत्वपूर्ण नियमों के बारे में।

सही दिशा में रखें अखंड दीपक

वास्तु शास्त्र के अनुसार नवरात्रि में अखंड दीपक हमेशा पूजा घर के उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में रखना शुभ माना जाता है। यह दिशा देवी-देवताओं की मानी जाती है। यदि ईशान कोण उपलब्ध न हो तो आप दीपक को पूर्व या उत्तर दिशा में भी रख सकते हैं। इन दिशाओं में रखा दीपक घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है।

मिट्टी या पीतल के दीपक का करें उपयोग

नवरात्रि में अखंड दीपक जलाने के लिए मिट्टी या पीतल के दीपक का उपयोग करना सबसे शुभ माना जाता है। मिट्टी का दीपक प्रकृति से जुड़ा माना जाता है और यह शुद्ध ऊर्जा का प्रतीक है। वहीं पीतल का दीपक देवी-देवताओं की पूजा में विशेष रूप से शुभ माना जाता है।

घी या तिल के तेल का करें प्रयोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अखंड दीपक में देसी घी या तिल के तेल का प्रयोग करना शुभ माना जाता है। घी का दीपक मां दुर्गा को अत्यंत प्रिय माना जाता है और यह घर में शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

दीपक को सुरक्षित स्थान पर रखें अखंड दीपक लगातार कई दिनों तक जलता है, इसलिए इसे ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां हवा से बुझने का खतरा न हो। साथ ही दीपक के आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए और उसे किसी ज्वलनशील वस्तु से दूर रखना चाहिए।

दीपक की लौ दक्षिण दिशा की ओर न हो

वास्तु शास्त्र के अनुसार दीपक की लौ दक्षिण दिशा की ओर नहीं होनी चाहिए। इसे अशुभ माना जाता है। दीपक की लौ का रुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना अधिक शुभ माना जाता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

अखंड दीपक की नियमित देखभाल करें

नवरात्रि में अखंड दीपक जलाने के बाद उसकी नियमित देखभाल करना भी आवश्यक होता है। दीपक में समय-समय पर घी या तेल डालते रहें और बाती को ठीक करते रहें ताकि ज्योति लगातार जलती रहे। यह माता दुर्गा की भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि में अखंड दीपक जलाना आस्था और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है।

भूतड़ी अमावस्या के संयोग में शुरू होगी नवरात्रि

चैत्र नवरात्रि हिंदू धर्म का एक प्रमुख और पवित्र पर्व माना जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है और भक्त नौ दिनों तक व्रत रखकर देवी की आराधना करते हैं। वर्ष 2026 में चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होकर 27 मार्च तक मनाई जाएगी।

इस बार नवरात्रि की शुरुआत एक विशेष संयोग में हो रही है, क्योंकि जिस दिन नवरात्रि शुरू हो रही है उसी दिन चैत्र मास की अमावस्या भी पड़ रही है। इस अमावस्या को भूतड़ी अमावस्या कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन तंत्र-मंत्र, साधना और आध्यात्मिक क्रियाओं का विशेष महत्व होता है। ऐसे में नवरात्रि और भूतड़ी अमावस्या का एक साथ पड़ना इस दिन के महत्व को और बढ़ा देता है।

क्या होती है भूतड़ी अमावस्या

लोक मान्यताओं के अनुसार भूतड़ी अमावस्या के दिन नकारात्मक या अदृश्य शक्तियों की सक्रियता बढ़ जाती है। इसलिए इस दिन तंत्र साधना, आध्यात्मिक अभ्यास और विशेष पूजा-पाठ किए जाते हैं।

इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। कई लोग इस दिन दान-पुण्य और पूजा करके अपने पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

नवरात्रि के पहले दिन करें मां शैलपुत्री की पूजा

चूंकि इस बार भूतड़ी अमावस्या के दिन ही नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, इसलिए इस दिन सुबह शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना (घटस्थापना) करके माता रानी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इस दिन भक्तों को मां को फल, फूल और भोग अर्पित करना चाहिए।

पूजा के दौरानः

दुर्गा चालीसा का पाठ करें।

दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

माता रानी का ध्यान करके उनसे सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें।

भूतड़ी अमावस्या के दिन क्या करें

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन कुछ विशेष कार्य करना शुभ माना जाता हैः

किसी पवित्र नदी में स्नान करें। यदि संभव न हो तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

पितरों की शांति के लिए तर्पण या श्राद्ध कर्म करें।

जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र या तिल का दान करें।

पीपल के पेड़ की पूजा करें और वहां सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

भगवान और देवी-देवताओं के मंत्रों का जप करें।

इन कार्यों को करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

भूतड़ी अमावस्या के दिन क्या न करें

भूतड़ी अमावस्या के दिन कुछ कार्यों से बचने की सलाह दी जाती हैः

रात के समय सुनसान या एकांत स्थान पर अकेले न जाएं। मांस, मदिरा और तामसिक भोजन जैसे लहसुन-प्याज का सेवन न करें।

इस दिन बाल और नाखून न काटें।

घर में कलह या विवाद न करें और किसी को अपशब्द न कहें। सूर्योदय के बाद देर तक सोने से बचें और दिन की शुरुआत पूजा-पाठ से करें।

नवरात्रि का धार्मिक महत्व

चैत्र नवरात्रि शक्ति और भक्ति का पर्व है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई पूजा और साधना से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है।

इस साल भूतड़ी अमावस्या के साथ नवरात्रि की शुरुआत होने से भक्तों के लिए यह दिन और भी अधिक आध्यात्मिक और महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चैत्र नवरात्रि 2026 के दौरान पंचक

चैत्र नवरात्रि 19 मार्च 2026 से शुरू होगी. वहीं पंचक का समय 16 मार्च को शाम 6 बजकर 14 मिनट से शुरू होकर 21 मार्च 2026 तक चलेगा.

चैत्र नवरात्रि 2026 के दौरान अमावस्या

अमावस्या तिथि की शुरुआत 18 मार्च को सुबह 8 बजकर 25 मिनट से हो रही है और 19 मार्च को सुबह 6 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। इसके बाद चैत्र प्रतिपदा तिथि से मां दुर्गा की भक्ति शुरू हो जाएगी. इस बार खास बात यह है कि अमावस्या तिथि और प्रतिपदा दोनों तिथियों सूर्योदय से मान्य नहीं हो रही है इसलिए अमावस्या का स्नान व दान, नवरात्रि के पहले दिन की पूजा और घटस्थापना 19 मार्च को ही किया जाएगा।

चैत्र नवरात्रि 2026 के दौरान खरमास

सूर्य जब मीन राशि में प्रवेश करते हैं, तब खरमास लगता है. इस बार खरमास की शुरुआत 15 मार्च से हो चुकी है और 14 अप्रैल तक रहेगी. ऐसे में नवरात्रि की शुरुआत 19 मार्च से हो रही है तो घटस्थापना के दिन खरमास का प्रभाव भी रहने वाला है।

क्या ऐसे में घटस्थापना की जा सकती है ?

चैत्र नवरात्रि के शुरुआती दिन यानी घटस्थापना से लेकर तृतीया तिथि तक का समय पंचक के प्रभाव में रहने वाला है. वहीं पंचक के साथ पहले दिन खरमास और अमावस्या का भी साया रहने वाला है. इस संयोग के चलते कई भक्तों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या इस दौरान महत्वपूर्ण पूजा-पाठ और घटस्थापना करना उचित है. ज्योतिष और पारंपरिक शास्त्रों के अनुसार, इस स्थिति में कोई दोष नहीं माना जाता. नवरात्रि के दौरान घटस्थापना को नियत तिथि का अनुष्ठान माना गया है यानी यह त्योहार से जुड़ी निश्चित और पूर्व निर्धारित तिथि पर ही किया जाता है।

पितरों की कृपा पाने का खास दिन, जानें 12 राशियों के लिए कौन–सा दान देगा शुभ फल

राशि अनुसार करे यह उपाय

मेष – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त पानी, शरबत, ठंडी तासीर की चीजों का दान करें. ऐसा करने से मानसिक शांति मिलती है.

वृषभ – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए जरुरतमंद लोगों को धन और अन्न का दान करें।

मिथुन – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त गन्ने का रस और शीतल जल का दान करें।

कर्क – चैत्र अमावस्या के दिन पितरों को ख़ुश करने के लिए सफेद खाद्य पदार्थों और यथासंभव धन का दान करे. जिससे पितृ प्रसन्न हो.

सिंह – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों के गुड़, चना, शहद का दान आप कर सकते हैं. इसे रुके हुए कार्य बनने लगते है।

कन्या – चैत्र अमावस्या के दिन पितरों की ख़ुशी के लिए घी में बने हरे भोज्य पदार्थ का दान करें. जिससे पितृ देवता प्रसन्न होते हैं।

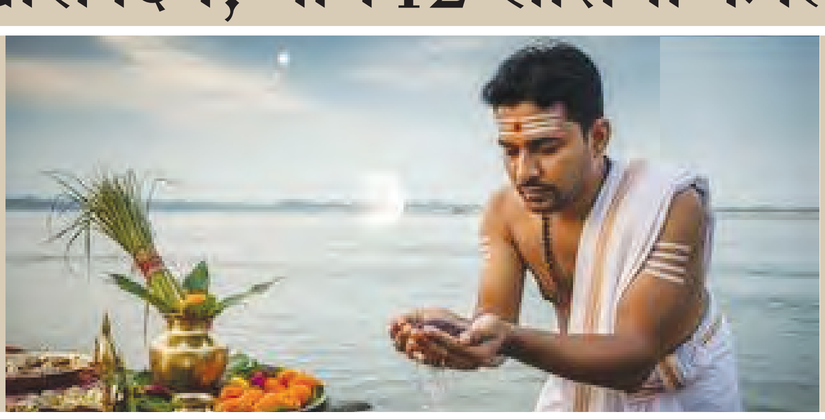

तुला – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरो के ब्रह्माणों को भोजन कराएं और जरूरतमंदों को सफेद वस्तुओं का दान करें।

वृश्चिक – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों के निर्मित गुड़, लाल कपड़े आदि का दान करे तो पितरों का आर्शीवाद सदा बना रहेगा।

धनु – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों को ख़ुश करने के लिए मिठाई, केला और पीले वस्त्रों का दान करें।

मकर – चैत्र अमावस्या के दिन काली उड़द, तिल आदि का दान आपके लिए शुभ रहेगा. और पितरो की कृपा बरसेंगी.

कुंभ – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों के निमित्तर धन और जूते-चप्पलों का दान कर सकते हैं।

मीन – इस राशि के जातक चैत्र अमावस्या के दिन पितरों को ख़ुश करने के लिए शीतल जल, और पीले खाद्य पदार्थों का दान करें।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 18 मार्च - 2026

कब सुधरेगी अस्पताल सुरक्षा?

जहाँ जीवन बचाने की उम्मीद होती है आज वही अस्पताल खुद असुरक्षा के केंद्र बनते जा रहे हैं। ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने से 10 मरीजों की मौत की घटना ने एक बार फिर देश के स्वास्थ्य ढाँचे की खामियों को उजागर कर दिया है। यह कोई अकेली घटना नहीं है; कोलकाता, मुंबई, भरुच और जयपुर जैसे शहरों में भी अस्पतालों में आग की घटनाएं लगातार आती रही हैं। सवाल साफ है आखिर कब तक हम इन हादसों को "दुर्भाग्य" कहकर टालते रहेंगे? जांचों में बार-बार एक ही कारण सामने आता है शॉर्ट सर्किट। पुरानी वायरिंग, ढीले कनेक्शन और घटिया उपकरण इन दुर्घटनाओं की जड़ हैं। चिंताजनक है कि ये सभी कारण पूरी तरह रोके जा सकते हैं। इसके बावजूद संबंधित एजेंसियों की लापरवाही यह दिखाती है कि सुरक्षा को प्राथमिकता देने की गंभीरता का अभाव है। अस्पतालों के आईसीयू और ट्रॉमा वार्ड जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आग लगना इस बात का संकेत है कि हम केवल बुनियादी ढाँचा तो बना रहे हैं, लेकिन उसके रखरखाव को नजरअंदाज कर रहे हैं। एक बार भवन बन जाने के बाद उसकी नियमित जांच और सुरक्षा ऑडिट को अक्सर औपचारिक मान लिया जाता है। यही ढिलाई जब-तब जानलेवा साबित होती है। इन घटनाओं का चिंताजनक पहलू है आपदा प्रबंधन की कमी। कई मामलों में देखा गया है कि स्मोक डिटेक्टर काम नहीं कर रहे थे, अलार्म नहीं बजे और आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं थे। जहाँ उपकरण मौजूद थे, वहाँ स्टाफ को उन्हें चलाने का प्रशिक्षण नहीं था। यह स्थिति केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि प्रशासनिक असफलता भी है। यह भी सच है कि कई अस्पतालों में स्टाफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों को बचाने का प्रयास किया। लेकिन अगर उन्हें सही प्रशिक्षण और संसाधन मिले होते, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था। इसका मतलब साफ है कि व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश ही नहीं, बल्कि आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि अस्पतालों की सुरक्षा को "विकल्प" नहीं, बल्कि "अनिवार्यता" माना जाए। इसके लिए सबसे पहले नियमित और स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट को अनिवार्य किया जाना चाहिए। हर अस्पताल में आधुनिक अग्नि सुरक्षा प्रणाली, जैसे ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर और फंक्शनल स्मोक डिटेक्टर, सुनिश्चित किए जाएं। इसके साथ ही, स्टाफ के लिए नियमित मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं। सरकार और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे सख्त नियम बनाकर उनका पालन सुनिश्चित करें। केवल कागजों पर नियम बनाने से कुछ नहीं होगा; उनके उल्लंघन पर कठोर दंड भी जरूरी है। साथ ही, अस्पताल प्रबंधन को यह समझना होगा कि सुरक्षा पर खर्च "अतिरिक्त बोझ" नहीं, बल्कि जीवन बचाने का निवेश है। यह मुद्दा केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। अस्पतालों में आने वाला हर व्यक्ति चाहे वह मरीज हो या परिजन इस भरोसे के साथ आता है कि उसे सुरक्षित वातावरण मिलेगा। अगर वही स्थान खतरे का कारण बन जाए, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। हर अग्निकांड के बाद हम शोक व्यक्त करते हैं, जांच बैठती है और कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है, जब तक कि अगली घटना न हो जाए। इस चक्र को तोड़ना ही असली चुनौती है। अगर अब भी हम नहीं चेते, तो यह लापरवाही और कई निर्दोष जिंदगियों को निगलती रहेगी। अब वक्त है कि "इलाज के घर" को सच में सुरक्षित बनाया जाए, क्योंकि यहाँ एक चूक, सीधे जीवन पर भारी पड़ती है।

तमिलनाडु में विजय का पलड़ा भाजपा की ओर झुकने के संकेत

स्नेहा सिंह

पांच राज्यों में चुनाव घोषित हो चुके हैं। भारत की राजनीति अब अगले डेढ़ महीने तक यानी 4 मई को परिणाम घोषित होने तक, चुनाव प्रचार और उसके बाद की राजनीतिक हलचल में व्यस्त रहने वाली है। तमिलनाडु में जिसके साथ अभिनेता विजय (चंद्रशेखरन जोसेफ विजय) होंगे, उसके जीतने की संभावना मानी जा रही है।

भाजपा तमिलनाडु में अकेले दम पर चुनाव नहीं लड़ सकती। एनडीए का एक घटक दल अन्ना डीएमके भाजपा के साथ है, लेकिन भाजपा की नजर अभिनेता विजय पर टिकी हुई है। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके (तमिलगा वेत्री कड़गम) को लोग इसलिए वोट दे सकते हैं, क्योंकि उनकी लोकप्रियता डीएमके के मुख्यमंत्री स्टालिन से कई गुना अधिक मानी जा रही है।

अभिनेता विजय की सभाओं में उमड़ती भीड़ को देखकर मुख्यमंत्री स्टालिन की चिंता बढ़ गई है। विजय की एक सभा में हुई भगदड़ में पांच लोगों की मृत्यु हो गई थी। डीएमके सरकार ने कानूनी कदम उठाए, लेकिन विजय को गिरफ्तार करने तक हाथ नहीं बढ़ाया, क्योंकि डीएमके के नेताओं को पता था कि यदि विजय को गिरफ्तार किया गया तो वे वास्तव में एक राजनीतिक नायक बन जाएंगे, लोग उन्हें कंधों पर उठाकर घुमाएंगे और उनकी जीत लगभग तय हो जाएगी।

कांग्रेस ने विजय की इस राजनीतिक गतिविधि पर कोई खुली प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उनके साथ गठबंधन न हो इसके प्रयास शुरू कर दिए हैं। सत्ताधारी दल डीएमके के सामने यह आशंका खड़ी हो गई है कि अभिनेता विजय भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं। विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिलनाडु के चुनावी मैदान में उतरने के लिए उत्सुक है। तमिलनाडु की जनता अक्सर फिल्मी चेहरों के प्रति आकर्षित रहती है। इसलिए तमिलनाडु का चुनावी संघर्ष केवल डीएमके और अन्ना डीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अब इसमें विजय नाम का एक नया कारक कई बड़े बदलाव ला सकता है। विजय और उनकी पार्टी टीवीके 'किंगमेकर' बन सकते हैं। भाजपा विजय को मनाने के लिए उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश कर रही है, जबकि विजय के समर्थक चाहते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। यदि विजय सक्रिय राजनीति में प्रवेश करके भाजपा के साथ जुड़ते हैं, तो वे लोगों में और अधिक लोकप्रिय हो सकते हैं। सत्ताधारी डीएमके की समस्या यह है कि कांग्रेस सहित लगभग 15 छोटे-बड़े दल उसके साथ गठबंधन में हैं। इतने दलों को साथ लेकर चलना उसके लिए कठिन हो सकता है, इसलिए वह सहयोगी दलों की संख्या कम करना चाहती है, लेकिन विजय का उभरता प्रभाव उसकी नींद उड़ा रहा है। विजय की पार्टी को भाजपा से जोड़ने के प्रयास इसलिए सफल हो सकते हैं, क्योंकि चुनाव से लगभग दो महीने पहले ही भाजपा के मध्यस्थ विजय के आसपास सक्रिय हो गए हैं। उन्हें उपमुख्यमंत्री पद और लगभग 80 सीटें देने का प्रस्ताव बताया जा रहा है। भाजपा के सूत्रों का कहना है कि यदि विजय उपमुख्यमंत्री पद स्वीकार नहीं करते, तो अंततः उन्हें मुख्यमंत्री बनाने पर भी विचार किया जा सकता है। तमिलनाडु में डीएमके को हराना भाजपा और अन्ना डीएमके के लिए आसान नहीं है। लेकिन जिस दिन विजय के साथ गठबंधन हो जाएगा, उसी दिन से तमिलनाडु में डीएमके की हार लगभग तय मानी जा सकती है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और विजय के समर्थकों के बीच लगातार बातचीत चल रही है। कहा जा रहा है कि विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक हैं, इसलिए उनके भाजपा के साथ आने की संभावना अधिक है। तमिलनाडु में डीएमके सरकार के खिलाफ असंतोष की लहर भी देखी जा रही है।

तालिबान और पाक के बीच तनाव फिर खतरनाक मोड़ पर

अशोक भाटिया

सोमवार की देर रात पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर हवाई हमला कर दिया। अफगानिस्तान के उप सरकारी प्रवक्ता ने इस हमले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में नशाखोरों का इलाज करने वाले एक अस्पताल को निशाना बनाया। इस हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 400 हो गई है। पाकिस्तान ने सोमवार की देर रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर जो हवाई हमला कर दिया उसके बारे में अफगानिस्तान के उप सरकारी प्रवक्ता ने इस हमले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में नशाखोरों का इलाज करने वाले एक अस्पताल को निशाना बनाया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में, हमदुल्लाह फितरत ने कहा कि सोमवार रात हुए हमले में अस्पताल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि अब तक मरने वालों की संख्या 400 हो गई है, जबकि 250 लोग घायल हुए हैं। फितरत ने कहा कि बचाव दल इमारत में लगी आग पर काबू पाने और पीड़ितों के शवों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं।अफ़गानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने अस्पताल पर हुए हमले में आम नागरिकों की मौत पर चिंता व्यक्त की है। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन ने भी हमले की निंदा करते हुए कहा है कि अस्पतालों जैसे सार्वजनिक स्थानों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। काबुल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है क्योंकि निवासियों ने शहर के ऊपर लगातार हवाई गतिविधियों की सूचना दी है। पाकिस्तानी सेना ने हाल के हफ्तों में कई बार काबुल पर हमले किए हैं, जिससे भारी संख्या में आम नागरिक हताहत हुए हैं। बता दें कि पाकिस्तान ने पहले अस्पताल को निशाना बनाने से इनकार किया था और कहा था कि सोमवार को काबुल और पूर्वी अफगानिस्तान में किए गए अन्य हमलों में किसी भी नागरिक स्थल को निशाना नहीं बनाया गया था। इसके अलावा अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की सेना पर हवाई हमलों में काबुल के उस अस्पताल को निशाना बनाने का आरोप लगाया, जहां नशाखोरों का इलाज किया जाता है।

देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 400 से अधिक लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि पूर्वी अफगानिस्तान में किए गए हमलों में किसी भी नागरिक स्थल को निशाना नहीं बनाया गया था। अफगानिस्तानी स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि अस्पताल का पूरा हिस्सा नष्ट हो गया है। अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने भी वीडियो पोस्ट किया। स्थानीय टेलीविजन स्टेशनों ने एक इमारत के मलबे में दमकलकर्मियों को आग बुझाने के लिए संघर्ष करते हुए फुटेज प्रसारित किया। यह कथित हमला अफगान अधिकारियों द्वारा दोनों पक्षों के बीच उनकी साझा सीमा पर गोलीबारी की घोषणा के कुछ घंटों बाद हुआ, जिसमें अफगानिस्तान में चार लोग मारे गए। पड़ोसी देशों के बीच वर्षों में सबसे भीषण संघर्ष तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया है। दूसरी तरफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि काबुल में किसी भी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया था।

X पर एक पोस्ट में, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने कहा कि हमलों में काबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान और अफगानिस्तान स्थित पाकिस्तानी आतंकवादियों के सैन्य प्रतिष्ठानों और आतंकवादी समर्थन बुनियादी ढांचे, जिनमें तकनीकी उपकरण और गोला-बारूद भंडार शामिल हैं, को सटीक रूप से निशाना बनाया गया था। मंत्रालय ने कहा कि इन सुविधाओं का इस्तेमाल निर्दोष पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान का लक्ष्यीकरण सटीक और सावधानीपूर्वक किया गया था ताकि कोई भी अप्रत्यक्ष नुकसान न हो। यही नहीं बताया जा रहा है कि हमले के बाद यहां स्थित एक बड़े कमर्शियल मार्केट में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते करीब 150 से ज्यादा दुकानें जलकर खाक हो गईं और व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हमला रिहायशी और व्यावसायिक इलाके के करीब हुआ, जिससे लोगों में डर और गुस्सा दोनों देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर इस घटना के खौफनाक वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें जलकर राख हुआ बाजार साफ दिखाई दे रहा है।स्थानीय बख्तावर न्यूज एजेंसी के हवाले से मेयर मौलवी अब्दुल्ला मुस्तफा बताया कि रविवार सुबह करीब 4 बजे शहर की ओर कई गोले दागे गए। ये गोले एक बाजार में गिर गए, जिसके बाद वहां भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों को काफी मेहनत करनी पड़ी।ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर दोनों देश आपस में क्यों लड़ रहे हैं। खुद को मुसलमानों का लीडर बताने वाला मुल्क पाकिस्तान आखिर मासूमों की जान क्यों ले रहा है? आइये जानते हैं पूरी डिटेल इस संघर्ष के पीछे मुख्य कारण पाकिस्तान का यह आरोप है कि अफगान तालिबान पाकिस्तान के आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को सुरक्षित ठिकाने दे रहा है। टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। पाकिस्तान का कहना है कि यह संगठन अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहा है, जबकि अफगान तालिबान बार-बार इस आरोप से इनकार करता रहा है।अक्टूबर 2025 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एक हवाई हमला भी किया था। पाकिस्तान की सेना ने कहा था कि यह हमला पाकिस्तान में आतंकवाद से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच सबसे घातक टकराव हुआ, जो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से सबसे बड़ा माना गया। उसी महीने कतर और तुर्की की मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच अस्थायी शांति समझौता कराया गया था। लेकिन सऊदी अरब की मध्यस्थता में चल रही बाद की बातचीत 2025 के अंत तक टूट गई। इसके बाद से सीमा पर हिंसा की कई घटनाएं सामने आईं। 16 फरवरी को एक आत्मघाती हमलावर ने सीमा सुरक्षा चौकी पर हमला किया, जिसमें 11 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी और एक बच्चे की मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान की सेना ने दी। 22 फरवरी को पाकिस्तान ने पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में हवाई हमले किए। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि इन हमलों में आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया। वहीं अफगान अधिकारियों का कहना था कि इन हमलों में कम से कम 18 लोग, जिनमें आम नागरिक भी शामिल थे, मारे गए। इसके बाद अफगानिस्तान ने बदले की चेतावनी दी और दोनों देशों के बीच ताजा संघर्ष शुरू हो गया। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अपने गठन के समय से ही खुद को अफगान तालिबान का विस्तार बताता रहा है। यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा उग्रवादी संगठन है और अमेरिकी विदेश विभाग ने इसे विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है। टीटीपी का गठन 2001 में अफगानिस्तान पर अमेरिकी हमले के बाद की स्थिति से जुड़ा हुआ है।

साझा चूल्हा: संकट से समाधान की राह

डॉ. प्रियंका सौरभ

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है—समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता।

भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है-"साझा चूल्हा"।

साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे। इससे ईंधन की बचत होती थी, श्रम का बंटवारा होता था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि समाज के लोगों के बीच संवाद और अपनापन बना रहता था। भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था।समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया। तकनीकी विकास, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को धीरे-धीरे कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई और अलग चूल्हा है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन इसके साथ ही समाज में एक प्रकार की दूरी भी बढ़ी है। पड़ोस में रहने वाले लोग भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रह जाते हैं।इसी संदर्भ में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक दृष्टि से भी सोचने की आवश्यकता है। क्या हम अपनी परंपराओं से कोई ऐसी सीख ले सकते हैं जो आज की परिस्थितियों में भी उपयोगी हो? "साझा चूल्हा" का विचार इसी दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, गुरुद्वारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन प्राप्त करते हैं। वहाँ न जाति का भेद होता है, न आर्थिक स्थिति का। सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा केवल सेवा भावना ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और एकता का भी प्रतीक है।

यदि समाज ऐसे बड़े आयोजनों में सामूहिक रसोई को सहजता से स्वीकार कर सकता है, तो फिर रोजमर्रा के जीवन में इस विचार को अपनाने में संकोच क्यों? यह आवश्यक नहीं कि हर जगह बड़े स्तर पर सामुदायिक रसोई स्थापित की जाए, लेकिन छोटे-छोटे स्तर पर भी सहयोग की भावना विकसित की जा सकती है। उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले या समुदाय के कुछ परिवार मिलकर सामूहिक रूप से भोजन बनाने की व्यवस्था कर सकते हैं, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब संसाधन सीमित हों या खर्च अधिक हो रहा हो।यह विचार केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। साझा चूल्हा समाज में सहयोग और संवाद की संस्कृति को भी मजबूत कर सकता है।

जब लोग एक साथ बैठते हैं, काम करते हैं और भोजन साझा करते हैं, तो उनके बीच विश्वास और समझ बढ़ती है। सामाजिक तनाव कम होते हैं और समुदाय की एकजुटता मजबूत होती है।

खेती-किसानी, पशुपालन या अन्य श्रमसाध्य कार्यों से जुड़े लोग इस भावना को अधिक अच्छी तरह समझते हैं। ग्रामीण जीवन में श्रम और संसाधनों का साझा उपयोग एक सामान्य बात है। खेतों में काम के दौरान कई परिवार मिलकर भोजन की व्यवस्था करते हैं। त्योहारों और सामाजिक अवसरों पर भी सामूहिक भोजन की परंपरा देखने को मिलती है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सरल और संतुलित बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी है।इसके विपरीत, आधुनिक शहरी जीवन ने कईलोगों को सुविधाओं के बीच तो रखा है, लेकिन उन्हें सामाजिक ताने-बाने से कुछ हद तक दूर भी कर दिया है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी जीवन की अवधारणा ने सामूहिकता की भावना को कमजोर किया है। लोग अपने घरों में सीमित हो गए हैं और पड़ोस या समुदाय के साथ उनका संपर्क कम होता जा रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि समाज में एक प्रकार का अकेलापन और अलगाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में साझा चूल्हा केवल आर्थिक या व्यावहारिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का भी एक प्रतीक बन सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज की असली ताकत केवल सरकारी नीतियों में नहीं, बल्कि लोगों के आपसी सहयोग और एकता में भी होती है। जब समाज संगठित होता है, तो वह कई समस्याओं का समाधान स्वयं खोज लेता है।

बेशक, आज की परिस्थितियाँ पहले जैसी नहीं हैं। शहरों की जीवनशैली, काम के अलग-अलग समय और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के कारण हर जगह साझा चूल्हा लागू करना संभव नहीं हो सकता। लेकिन इस विचार का मूल संदेश—सहयोग और साझेदारी-आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। यदि समाज इस भावना को अपनाए, तो कई समस्याओं का प्रभाव स्वतः कम हो सकता है।

दरअसल, संकट के समय समाज की असली परीक्षा होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कठिन परिस्थितियाँ आईं, भारतीय समाज ने सामूहिकता और सहयोग के बल पर उनका सामना किया है। प्राकृतिक आपदाओं से लेकर आर्थिक चुनौतियों तक, लोगों ने एक-दूसरे की मदद करके परिस्थितियों को संभाला है। यही हमारी सामाजिक संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है।आज जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक और ऊर्जा संबंधी चुनौतियाँ सामने हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक समाधान की दिशा में भी सोचें। साझा चूल्हा इसी सोच का एक प्रतीक हो सकता है-एक ऐसा प्रतीक जो हमें बताता है कि संकट केवल समस्या नहीं, बल्कि अवसर भी हो सकता है। यदि समाज में सहयोग और साझेदारी की भावना मजबूत हो, तो कई कठिनाइयाँ आसान हो जाती हैं। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है और समस्याओं का बोझ भी साझा हो जाता है। यही कारण है कि सामुदायिक जीवन की परंपराएँ सदियों तक हमारे समाज को स्थिर और मजबूत बनाए रखती रही हैं। अंततः यह समझना आवश्यक है कि साझा चूल्हा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की एक संभावित दिशा भी हो सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि आधुनिकता और परंपरा विरोधी नहीं हैं; बल्कि यदि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए तो समाज और अधिक सशक्त बन सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी परंपराओं से मिलने वाले संदेश को समझें और उसे आधुनिक संदर्भों में लागू करने का प्रयास करें।

यदि समाज सहयोग और साझेदारी की भावना को फिर से जीवित कर सके, तो केवल गैस सिलेंडर ही नहीं, बल्कि जीवन की कई अन्य चुनौतियाँ भी सहज रूप से हल हो सकती हैं।

तपता मार्च, सूखता पानी: क्या हम असली समस्या से भाग रहे हैं?

आरके जैन

सुबह की हवा में अब वसंत की ठंडक नहीं, गर्मी की तीखी आहट है, और यही हाल कई शहरों में फैल चुका है। मार्च 2026 में दिल्ली में पारा 35.7°C तक पहुंचा – पहले सप्ताह का 50 साल का सबसे गर्म मार्च – जबकि गुजरात, राजस्थान, विदर्भ और मध्य प्रदेश के कई इलाकों में तापमान 38-42°C तक पहुंच गया। लखनऊ, जयपुर, भोपाल, इंदौर जैसे शहर भी इस असामान्य गर्मी की चपेट में हैं। यह क्षणिक बदलाव नहीं, बल्कि बदलती जलवायु की स्पष्ट तस्वीर है जो पूरे देश की दिनचर्या में समा रही है। जो मार्च कभी हल्की धूप और सुकून का महीना था, अब तपिश और सूखेपन का अनुभव बन गया है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि लंबे समय की अनदेखी का नतीजा है, जिसे हम 'नया सामान्य' मानने लगे हैं।

मार्च के शुरुआती दिनों में ही बढ़ती गर्मी ने मौसम की पुरानी धारणाएं तोड़ दी हैं। जो तपिश कभी अप्रैल–मई तक सीमित थी, वह अब पहले ही सप्ताह में रिकॉर्ड बना रही है। यह सिर्फ समय का बदलाव नहीं, बल्कि बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन का संकेत है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया। चिंताजनक यह है कि पहाड़ी क्षेत्र भी अब इससे अछूते नहीं, साफ है कि जलवायु परिवर्तन सीमाएं पार कर चुका है। यह फैलता संकट हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है और हमें सोचने पर मजबूर कर रहा है कि क्या हमने प्रकृति से अपना संतुलन खो दिया है।

इस बढ़ती गर्मी के साथ जल संकट भी तेजी से गहराता जा रहा है। बड़े जलाशयों का घटता स्तर किसी सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव का नहीं, बल्कि गंभीर असंतुलन का संकेत है। मार्च में ही जब पानी आधा रह जाए, तो आने वाले महीनों का संकट साफ दिखाई देता है। इसका असर सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं, गांवों में किसान फसलों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। नदियां कमजोर पड़ रही हैं, भूजल नीचे जा रहा है और पानी की हर बूंद की अहमियत बढ़ती जा रही है। यह हालात स्पष्ट करते हैं कि जलवायु परिवर्तन केवल गर्मी नहीं बढ़ा रहा, बल्कि हमारे जल संसाधनों को भी तेजी से खत्म कर रहा है।

तापमान और प्रदूषण का साथ इस संकट को और खतरनाक बना रहा है-एक ऐसा दोहरा प्रहार जो शरीर और पर्यावरण दोनों को प्रभावित कर रहा है। गर्मी बढ़ते ही हवा में मौजूद जहरीले कण और सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सांस लेना कठिन हो जाता है। दिल्ली और आसपास की खराब होती हवा यह दिखा रही है कि समस्या सिर्फ गर्मी नहीं, बल्कि उसी हवा की है जिस पर जीवन निर्भर है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रहा है, और अस्पतालों में बढ़ती भीड़ संकेत है कि यह अब पर्यावरण नहीं, गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। ऐसे हालात में वर्ल्ड बैंक का हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट (300 डॉलर मिलियन) राहत की उम्मीद जगाता है। साफ हवा के लिए मॉनिटरिंग नेटवर्क का विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहन, कृषि और उद्योग सुधार सकारात्मक कदम हैं। लेकिन असली सवाल यही है कि क्या ये पर्याप्त हैं, या हम सिर्फ ऊपर-ऊपर से समस्या को संभाल रहे हैं? मॉनिटरिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा और कृषि सुधार जरूरी हैं, पर जब तक ये व्यापक और दीर्घकालिक नीति से नहीं जुड़ते, तब तक इनका असर सीमित ही रहेगा।

वास्तविक चुनौती उन जड़ों पर प्रहार करने की है जहां से यह संकट पैदा हो रहा है। तेज औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता, जंगलों की कटाई और अव्यवस्थित शहरी विस्तार ने प्राकृतिक संतुलन को गहराई से बिगाड़ दिया है। फिर भी हम प्रदूषण को मौसमी मानकर टाल देते हैं और गर्मी को अस्थायी असुविधा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन मार्च 2026 ने साफ कर दिया है कि यह सोच अब खतरे से खाली नहीं। जब असामान्यता ही सामान्य लगने लगे, तो इसका मतलब है कि हमने समस्या को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उससे लड़ने की तैयारी अब भी अधूरी है।

इस बदलते दौर का सबसे भारी असर आम लोगों की जिंदगी पर दिख रहा है, जहां रोजमर्रा अब सहज नहीं, संघर्ष बन गई है। एक साधारण परिवार के लिए पानी बचाना, बिजली संभालना और स्वास्थ्य सुरक्षित रखना लगातार चुनौती है। बच्चों का बाहर खेलना घट गया है, बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना जोखिम भरा है और कामकाजी लोगों के लिए काम की गति बनाए रखना कठिन हो रहा है। यह सिर्फ पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहरा कर रहा है-जहां साधन वाले खुद को बचा लेते हैं, वहीं कमजोर वर्ग पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सबसे अहम सवाल यही है कि क्या हम सब कुछ देखते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं? लगातार चेतावनियां सामने हैं-बढ़ता तापमान, वैज्ञानिक रिपोर्टें, मौसम के संकेत-सब एक ही खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं। इसके बावजूद हमारी प्रतिक्रिया अक्सर सतही ही रहती है।

चुनावी प्रत्याशी और जांच

डॉ टी महादेव राव

चुनाव में खड़े होने वाले प्रत्याशी कितने योग्य हैं इसका पता उनके द्वारा बोले गए झूठों के प्रभाव और प्रतिशत से लगाया जा सकता है। कैसे? देखो! अगर बहुत ज्यादा झूठ बोलता है, झूठे वायदे करता है तो उसका पता लगाकर बनिस्बत सच बोलने वाले प्रत्याशी का पक्ष लिया जा सकता है।

वह सब तो ठीक है। लेकिन कैसे। कुछ लोग झूठ बोलने में इतनी महारत हासिल किए हुए हैं की हमें झूठ भी सच का भ्रम देता है।

उसके लिए हमने इंतजाम किए हैं। झूठ बोले नहीं कि पकड़ लिया जाएगा। ऐसी मशीन हमने वैज्ञानिक से बनवाई है।

मतलब आप भी झूठ बोलने से शुरुआत करने लगे? लाई डिटेक्टर या पॉलीग्राफ मशीन का ईजाद तो बहुत पहले हुआ है। आज आप हमें बता रहे हैं।

पहले सब्र करना सीखो। यही बेसब्री तो जनता को ले डूबती है झूठों की दुनियां में। धैर्य धरो यार। पॉलीग्राफ या लिए डिटेक्टर में बोलने वाले का शरीर पर कई तार और प्लग जैसे लगाकर प्रश्न पूछे जाते हैं। उसके उत्तर के आधार पर मशीन बताती है कि उसने सच कहा या झूठ? है ना?

बिल्कुल। यही तो झूठ पकड़ने वाली मशीन का काम है।

यहां बोलने वाले को मशीन के सामने प्रत्याशी को बिठाया जाएगा। उससे उसके चुनावी भाषण देने कहा जायेगा। उसका भाषण पूरा होते ही मशीन के परदे पर कितना प्रतिशत सच है कितना प्रतिशत झूठ है, इसके आंकड़े प्रदर्शित हो जाएंगे। सच? यह तो बहुत बढ़िया है। दिखाओ तो आप क्या करने वाले हो।सारा इंतजाम हो चुका है। प्रत्याशी आते ही होंगे। चलो देखें। पहला प्रत्याशी स्वतंत्र निर्दलीय आया। उसने अपना भाषण और आश्वासन दोहराया। बीस प्रतिशत झूठ और अस्सी प्रतिशत सच दिखाया मशीन ने। दूसरा धुंआधार पार्टी का प्रत्याशी था उसका भाषण पूरा होते ही चालीस प्रतिशत झूठ और साठ प्रतिशत सच कहा मशीन ने। तीसरा प्रत्याशी लगातार हारती पार्टी का प्रत्याशी था, उसके भाषण पर पचपन प्रतिशत झूठ और पैंतालीस प्रतिशत सच कहा गया। प्रबल विपक्ष के उम्मीदवार के बोलने के बाद मशीन ने सतहत्तर प्रतिशत झूठ और तेईस प्रतिशत सच की बात दिखाई। अन्त में पिछली बार विजयी हट्टा कट्टा प्रत्याशी बड़े ही अति आत्म विश्वास के साथ आया और भाषण से पहले बोला देखना मेरा शत प्रतिशत सच आएगा। हम उसी सच्चाई की बदौलत ही तो लगातार चुनाव जीतते आए हैं। मशीन ने भाषण से पहले ही अंक दे दिए एक सौ बीस प्रतिशत झूठ, झूठ और झूठ। मशीन से आवाज आई ₹इसे आइंदा मशीन के सामने मत लाना। वरना मशीन का भी हार्ट अटैक हो जाएगा।

रिश्ते में दिखें ये संकेत तो संभल जाएं, वरना देर हो जाएगी

जब आप किसी को पसंद करते हैं या उससे प्यार करते हैं तो उनकी बुरी आदतों या गलतियों को नजरअंदाज करने लगते हैं। लेकिन अगर बार-बार आपका साथी वही हरकते करता है तो संभल जाएं। रिश्ते या प्यार के नाम पर पार्टनर की हर गलत हरकत को अनदेखा न करें, क्योंकि ये आपके रिश्ते को बचाता नहीं, बल्कि खोखला बनाता है।

हर रिश्ता भरोसे, सम्मान और समझदारी पर टिका होता है। लेकिन जहां इन चीजों की कमी दिखे वहां तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। पार्टनर या रिश्ते में दिखने वाले वह संकेत जो आगे चलकर बड़ी परेशानी बन सकते हैं, उन्हें रिलेशनशिप का रेड फ्लैग्स कहा जाता है।

अगर आपके रिश्ते में ये संकेत दिख रहे हैं, तो समय रहते संभलना जरूरी है। रेड फ्लैग्स को नजरअंदाज करना भविष्य में मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। खुलकर बात करें और जरूरत पड़े तो विशेषज्ञ की सलाह लें। आइए जानते हैं क्या है आपके रिश्ते में रेड फ्लैग और कैसे पहचानें।

जरूरत से ज्यादा कंट्रोल करना

प्यार के नाम पर पार्टनर आपसे अपनी मनमर्जी करता है या अपने फैसले आप पर थोंपता है तो इसे उनका प्यार या परवाह समझने की भूल न करें। अगर पार्टनर आपकी हर गतिविधि पर नजर रखता है, दोस्तों से मिलने से रोकता है या हर फैसले में दखल देता है, तो यह हेल्दी रिलेशनशिप नहीं है।

बार-बार झूठ बोलना

एक अच्छे और सच्चे रिश्ते में ईमानदारी व सच्चाई होती है। लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जहां लोग अपने पार्टनर से बातें छुपाते हैं या उनसे झूठ बोलते हैं। बार-बार पार्टनर से झूठ बोलने का मतलब है कि आपके रिश्ते में विश्वास है ही नहीं। छोटे-छोटे झूठ भी रिश्ते की नींव कमजोर कर देते हैं। इसलिए पार्टनर अगर झूठ बोलता है और आप उनका झूठ कई बार पकड़ चुके हैं तो अब उनके झूठ और अपने रिश्ते दोनों पर ब्रेक देने की जरूरत है।

गुस्से में अपमान करना

कपल के बीच बहस या विवाद होना स्वाभाविक है। लड़ाई झगड़े गलत नहीं लेकिन इस दौरान अपनी सीमा भूल जाना और गुस्से में पार्टनर का अपमान करना गलत है। बहस के दौरान पर्सनल अटैक, गाली, बेज्जती या मारपीट बड़ी चेतावनी है कि आपके रिश्ते में सम्मान नहीं है। और जहां सम्मान नहीं होता, वहां प्यार जहर के समान हो जाता है।

गैसलाइटिंग

गैसलाइटिंग एक तरह का मानसिक शोषण है। इसमें पार्टनर आपकी याददाश्त, धारणा और मानसिक स्थिति पर संदेह करने को मजबूर कर देता है। पार्टनर आपको गलत साबित करने की कोशिश में आपको ही दोषी ठहराने लगता है। तुम पागल हो क्या, मैंने ऐसा कभी कहा ही नहीं, तुम बात का बतंगड़ बनाती हो, तुम्हारी याद बहुत कमजोर होती जा रही है, आदि ये वो बातें हैं जो पार्टनर अक्सर कहकर आपको गलत साबित करने का प्रयास करते हैं। खुद पर संदेह न करें, आपके रिश्ते में हो रही इस गैसलाइटिंग को समझें।

भरोसे की कमी

क्या आपका पार्टनर चुपके चुपके आपका फोन चेक करता है? आपके दोस्तों को पसंद नहीं करता है या अक्सर आपके किसी खास दोस्त को लेकर टॉन्ट देता है? इसका मतलब है कि वह आप भी शक करता है। शक रिश्ते को खोखला बनाता है। हर समय शक करना रिश्ते को धीरे-धीरे खत्म कर देता है।

इमोशनल सपोर्ट न देना

कपल एक दूसरे पर भावनात्मक तौर पर निर्भर होते हैं। वह एक दूसरे का साथ मुश्किल वक्त में देते हैं और उम्मीद करते हैं कि जब वह अकेलापन महसूस करें या दुखी हों तो उनका साथी उन्हें संभाले। लेकिन अगर आपके रिश्ते में इस चीज की कमी है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। अगर मुश्किल समय में साथ न मिले, तो रिश्ता अधूरा रह जाता है।

भविष्य की अनिश्चितता

कुछ कपल एक दूसरे के साथ घूमते फिरते हैं, लेकिन भविष्य को लेकर पार्टनर उन्हें कोई ठोस उत्तर नहीं दे रहा होता है। वह कमिटमेंट से बचने को कोशिश करे और भविष्य को लेकर उनकी कोई योजना न हो तो आपको इस रिश्ते के बारे में दोबारा सोचना चाहिए। क्योंकि हो सकता है कि आपका साथी सिर्फ टाइमपास कर रहा हो। उसके मन में आपके लिए प्यार न हो। ऐसे में भविष्य में आपका दिल ही दुखेगा।

घर पर करें ये स्किन केयर, बिना पार्लर के आएगा ग्लो

चेहरे की चमक बढ़ाने और निखार लाने के लिए लोग ब्यूटी पार्लर में हजारों रुपये खर्च करते हैं लेकिन अगर आप ज्यादा पैसा व्यय किए बिना नेचुरल ग्लोइंग स्किन चाहती हैं तो स्किन केयर शुरू कर दें। सही रूटीन अपनाने से त्वचा की थकान दूर होती है और चेहरा फ्रेश दिखाई देता है। अगर आप आज से ही सही स्किन केयर रूटीन अपनाते हैं तो ईद के दिन आपका चेहरा नेचुरल और हेल्दी ग्लो से चमक सकता है।

ध्यान रखिएगा कि स्किन केयर करते समय ज्यादा स्क्रब न करें। नए प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करें। धूप में निकलते समय सनस्क्रीन लगाएं। स्किन को हमेशा मॉइश्चराइज रखें। आइए जानते हैं ईद से पहले कौन सा स्किन केयर रूटीन अपनाएं कि ग्लोइंग स्किन पा सकें।

अपनाएं ये स्किन केयर टिप्स

सबसे पहले करें फेस क्लीनिंग

दिन में कम से कम दो बार फेसवॉश से चेहरा साफ करें। इससे त्वचा पर जमा धूल, ऑयल और गंदगी हट जाती है और स्किन फ्रेश महसूस करती है।

स्क्रब से हटाएं डेड स्किन

डेड स्किन हटाने के लिए हल्का स्क्रब इस्तेमाल करें। घर पर स्क्रब बनाने के लिए एक चम्मच कॉफी और एक चम्मच शहद मिलाकर इसे चेहरे पर हल्के हाथ से मसाज करें।

फेस पैक लगाएं

त्वचा को ग्लो देने के लिए फेस पैक बेहद फायदेमंद होता है। ग्लोइंग स्किन के लिए फेस पैक बनाएं। इसके लिए दो चम्मच बेसन, एक चम्मच दही और थोड़ा हल्दी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाकर धो लें।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा त्वचा को ठंडक देता है और स्किन को हाइड्रेट रखता है। रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल लगाने से चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

तुरंत ग्लो पाने के घरेलू उपाय

अगर पहले से स्किन केयर करने या ब्यूटी पार्लर जाने का मौका न मिले तो इंस्टेंट निखार पाने का एक घरेलू उपाय अपना सकते हैं। इसके लिए,

गुलाब जल से चेहरा साफ करें।कच्चे दूध से क्लीनिंग करें। खीरे का रस चेहरे पर लगाएं। शहद और नींबू का फेस पैक लगाएं। ये उपाय त्वचा को तुरंत फ्रेश और चमकदार बना सकते हैं।

अच्छी नींद और हेल्दी डाइट

नींद पूरी न होने से चेहरे पर डलनेस और डार्क सर्कल दिखने लगते हैं। ईद से पहले रोज 7–8 घंटे की नींद लें। साथ ही फलों और सब्जियों का सेवन बढ़ाएं। इनमें मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को अंदर से हेल्दी बनाते हैं।

खूब पानी पिएं

स्किन को हेल्दी रखने के लिए हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। दिनभर में कम से कम 7–8 गिलास पानी जरूर पिएं।

धूप से हो गई है टैनिंग? घर में बनाएं फेस मास्क, कुछ ही दिनों में दिखेगा फर्क

गर्मी का मौसम आते ही तेज धूप त्वचा पर अपना असर दिखाने लगती है। कुछ ही दिनों में चेहरा मुरझाया हुआ और सांवला नजर आने लगता है। इसे सन टैनिंग कहा जाता है। गर्मी में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है।

तपती गर्मी हुई टैनिंग को दूर करने के लिए बाजार में कई तरह के महंगे प्रोडक्ट और ट्रीटमेंट मौजूद हैं लेकिन नेचुरल ग्लो नहीं लाते। हालांकि भारतीय रसोई में ही ऐसे कई प्राकृतिक उपाय मौजूद हैं जो टैनिंग को धीरे धारे कम कर सकते हैं और त्वचा की प्राकृतिक चमक वापस ला सकते हैं। सही घरेलू उपाय अपनाकर सन टैन को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इसके साथ ही टैनिंग से बचने के लिए जरूरी टिप्स भी अपनाएं। जैसे, धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाएं। ज्यादा देर तक सीधी धूप से बचें। दिनभर पर्याप्त पानी पीएं और स्किन को नियमित साफ और मॉइस्चराइज रखें।

आइए जानते हैं ऐसे 5 होममेड फेसमास्क, जो टैनिंग हटाने में बेहद मददगार माने जाते हैं।

बेसन और दूध फेस पैक

बेसन सदियों से भारतीय सौंदर्य परंपरा का हिस्सा रहा है। यह त्वचा की गंदगी और टैन हटाने में मदद करता है। यह त्वचा को एक्सफोलिएट करता है। डेड स्किन हटाता है और स्किन टोन साफ करता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच बेसन में दो चम्मच दूध मिलाएं और एक चुटकी हल्दी डालकर पेस्ट बना लें। अब साफ चेहरे पर इसे 15 मिनट के लिए लगाकर रखें। इसके बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें।

दही और हल्दी फेस मास्क

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। दही और हल्दी का फेसपैक टैनिंग कम करता है। त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और स्किन को नैचुरल ग्लो देता है। इसे लगाने के लिए दो चम्मच दही में एक चुटकी हल्दी और एक चम्मच शहद मिलाएं और चेहरे पर लगा लें। फिर 15 मिनट बाद धो लें।

टमाटर और शहद फेस मास्क

टमाटर में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं जो टैनिंग कम करने में मदद करते हैं। टमाटर का फेस पैक बनाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस में एक चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर 10-15 मिनट लगाएं।

बाद में ठंडे पानी से धो लें। यह पैक सन टैन कम करता है। स्किन को ब्राइट बनाता है। ऑयल कंट्रोल करता है।

एलोवेरा और नींबू फेस पैक

एलोवेरा त्वचा को ठंडक देता है और धूप से हुई जलन को कम करता है। इसका फेस पैक लगाने से स्किन को ठंडक मिलती है। टैनिंग कम होती है और यह त्वचा को हाइड्रेट रखता है। दो चम्मच एलोवेरा जेल में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो लें।

रिलेशनशिप से ज्यादा आज़ादी पसंद, क्यों अकेले रहने का फैसला कर रहे हैं युवा?

क्यों शादी से दूर रहना पसंद कर रहे हैं आज के युवा?

शादी और परिवार बनाना एक जरूरी कदम माना जाता रहा है। खासकर भारतीय समाज शादी के महत्व पर जोर देता आया है

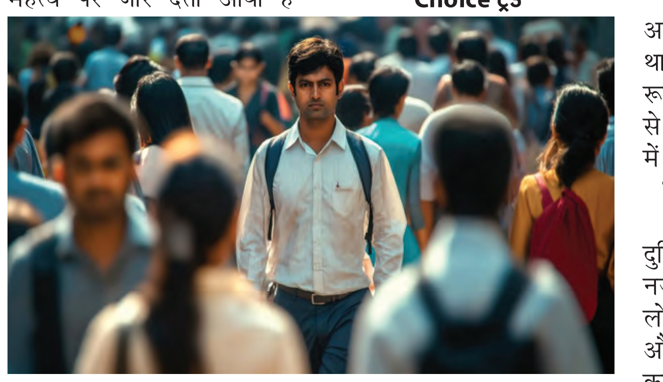

लेकिन आज की पीढ़ी में एक नया चलन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे 'सिंगल बाय च्वाइस' कहा जाता है। इसका मतलब है कि कुछ लोग जानबूझकर सिंगल रहने का फैसला लेते हैं। वह शादी न करके अकेले रहने को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाते हैं।

आजकल कई युवा का ये सवाल होता कि शादी करना जरूरी है क्या? बॉलीवुड में तो कई सेलेब्स हैं जिन्होंने इस ट्रेंड को बहुत पहले ही अपना लिया था, जैसे सलमान खान, तब्बू, तुषार कपूर या एकता कपूर। लेकिन अब आज की पीढ़ी अपनी खुशी, करियर और स्वतंत्रता को ज्यादा महत्व दे रही है। हालांकि यह जरूरी नहीं कि हर कोई इस ट्रेंड को अपनाए, लेकिन यह जरूर दर्शाता है कि समाज में रिश्तों और जीवन के फैसलों को लेकर सोच बदल रही है।

क्यों बढ़ रहा है Single by Choice ट्रेंड

आज के युवाओं की प्राथमिकताएं पहले से काफी अलग हो चुकी हैं। कई कारण हैं जिनकी वजह से लोग सिंगल रहना पसंद कर रहे हैं।

करियर पर ज्यादा फोकस

आज के समय में कई युवा अपने करियर और प्रोफेशनल ग्रोथ को प्राथमिकता देते हैं। वे मानते हैं कि शादी या रिलेशनशिप की जिम्मेदारियां कभी-कभी उनके लक्ष्यों में बाधा बन सकती हैं। इसलिए वे पहले अपने करियर को मजबूत बनाना चाहते हैं।

व्यक्तिगत आजादी की चाह

आज की पीढ़ी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को काफी महत्व देती है। सिंगल रहने से उन्हें अपने फैसले खुद लेने की आज़ादी मिलती है। अपने समय का बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा अपनी पसंद के अनुसार लाइफस्टाइल मिलती है।

आर्थिक स्वतंत्रता

पहले के समय में शादी को आर्थिक सुरक्षा से भी जोड़ा जाता था, लेकिन अब कई युवा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं। इस वजह से वे जीवन के फैसले खुद लेने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं।

बदलता डिजिटल लाइफस्टाइल

सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया ने भी रिश्तों को देखने का नजरिया बदल दिया है। आज लोग ज्यादा ग्लोबल एक्सपोजर और नए अनुभव चाहते हैं, जिसके कारण पारंपरिक रिश्तों के प्रति सोच में बदलाव आ रहा है।

रिश्तों के प्रति बदली सोच

कई युवा मानते हैं कि शादी तभी करनी चाहिए जब वे इसके लिए पूरी तरह तैयार हों। इसलिए वे किसी सामाजिक दबाव की वजह से शादी करने की बजाय अपनी पसंद और समय के अनुसार फैसला लेना चाहते हैं।

समाज पर असर

शादी न करके सिंगल रहने के इस ट्रेंड के बढ़ने से समाज में भी कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जैसे, शादी की उम्र बढ़ सकती है। छोटे परिवारों का चलन बढ़ सकता है।व्यक्तिगत जीवनशैली ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि हर व्यक्ति की सोच और प्राथमिकताएं अलग होती हैं।

जब बच्चे संभालने लगें मां-बाप की जिम्मेदारी जानिए रिवर्स पेरेंटिंग के नुकसान

तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और डिजिटल युग में पेरेंटिंग के तरीके भी बदल रहे हैं। इन्हीं में से एक नया ट्रेंड है रिवर्स पेरेंटिंग, जिसे चीन से लेकर अमेरिका जैसे देशों के अभिभावक अपना रहे हैं। रिवर्स पेरेंटिंग शब्द सुनने में भले ही नया लगे, लेकिन इसका असर कई परिवारों में साफ दिखाई दे रहा है। रिवर्स पेरेंटिंग एक उभरता हुआ ट्रेंड है, जो आधुनिक समाज और बदलती पारिवारिक संरचना का परिणाम है।

रिवर्स पेरेंटिंग क्या है?

रिवर्स पेरेंटिंग वह स्थिति है जब बच्चा अपने माता-पिता को गाइड करने, समझाने या फैसले लेने में अग्रणी भूमिका निभाने लगता है। यह दो तरह से हो सकता है, इमोशनल रोल रिवर्सल - जब बच्चा माता-पिता की भावनात्मक जिम्मेदारी उठाने लगे।

डिजिटल या लाइफस्टाइल गाइडेंस – बच्चा टेक्नोलॉजी, सोशल मीडिया, ऑनलाइन बैंकिंग जैसी चीजों में माता-पिता को सिखाए।

ध्यान रखें कि हर स्थिति नकारात्मक नहीं होती, लेकिन जब बच्चा समय से पहले माता-पिता की भूमिका निभाने लगे, तो यह मानसिक दबाव पैदा कर सकता है।

रिवर्स पेरेंटिंग कैसे होती है?

बच्चा माता-पिता के झगड़े सुलझाए

आर्थिक फैसलों में सलाह दे

डिजिटल दुनिया में मार्गदर्शन करे

माता-पिता के इमोशनल सपोर्ट सिस्टम की भूमिका निभाए

अगर यह जिम्मेदारी संतुलित हो तो ठीक है, लेकिन जब बच्चा अपने बचपन की कीमत पर यह सब करे, तो समस्या बन जाती है।

रिवर्स पेरेंटिंग के फायदे

जिम्मेदारी की भावना

जब बच्चे बड़ों की भूमिका में आते हैं या जिम्मेदारी निभाते हैं तो बच्चों में जल्दी मैच्योरिटी आती है।

मजबूत भावनात्म बॉन्ड

एक दूसरे की जिम्मेदारी समझने पर माता-पिता और बच्चे के बीच समझ बढ़ सकती है।

डिजिटल गैप कम होना

बच्चे टेक्नोलॉजी सिखाकर परिवार को अपडेट रखते हैं। माता-पिता बच्चों से डिजिटली कनेक्ट कर पाते हैं और दूरी कम कर सकते हैं।

रिवर्स पेरेंटिंग के नुकसान

मानसिक दबाव

कम उम्र में ज्यादा जिम्मेदारी तनाव बढ़ा सकती है।

बचपन का खोना

खेलने-कूदने की उम्र में जिम्मेदारियां उठाना भावनात्मक विकास को प्रभावित कर सकता है।

भूमिका की कंफ्यूजन

जिम्मेदारी और स्थिति में बदलाव से परिवार में अधिकार और जिम्मेदारी की सीमाएं धुंधली हो सकती हैं।

रिवर्स पेरेंटिंग कितनी सही है?

यह पूरी तरह स्थिति पर निर्भर करता है। संतुलन और संवाद ही इसका समाधान है।अगर बच्चा माता-पिता को टेक्नोलॉजी सिखा रहा है, तो यह सकारात्मक है। लेकिन अगर बच्चा माता-पिता की भावनात्मक समस्याओं का बोझ उठाए, तो यह हानिकारक हो

क्या हैं ओवर-स्किनकेयर सिंड्रोम के खतरे

आज महिलाएं त्वचा की देखभाल को लेकर बेहद जागरूक हैं। सुबह क्लींजिंग, दिन में मॉइश्चराइजिंग और रात में स्किन को रिपेयर होने में मदद करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। लेकिन कई बार स्किन केयर के नाम पर प्रोडक्ट्स का अधिक इस्तेमाल किया जाने लगता है। विशेषज्ञ इसे 'ओवर-स्किनकेयर' कहते हैं, जो त्वचा के लिए नुकसादायक है।

क्या है यह सिंड्रोम

ओवर-स्किनकेयर सिंड्रोम में महिलाएं त्वचा को लेकर जरूरत से ज्यादा सतर्क हो जाती हैं और अपनी स्किन टाइप को समझे बिना ट्रेंडी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने लगती हैं। बार-बार स्क्रब और एक्सफोलिएशन से त्वचा की प्राकृतिक परत कमजोर हो जाती है। नतीजा- जलन, लालिमा, खुजली, दाने या अचानक ब्रेकआउट।

सोशल मीडिया भी एक वजह

सोशल मीडिया पर दिखने वाले 'ओवरनाइट' और 'इंस्टेंट ग्लो' वीडियो आपको नए-नए सीरम और क्रीम आजमाने के लिए प्रेरित करते हैं।

गलत तकनीक अपनाना

ट्रेटिनॉइन, विटामिन सी और ग्लाइकोलिक एसिड जैसे शक्तिशाली इंग्रीडिएंट्स लाभकारी तो होते हैं, लेकिन इन्हें एक साथ और बार-बार इस्तेमाल करना त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। वहीं, बार-बार चेहरा धोना, जोर से स्क्रब करना या केमिकल पील और मास्क का अधिक उपयोग प्राकृतिक ऑयल को खत्म करता है। परिणामस्वरूप त्वचा की ऊपरी परत कमजोर हो जाती है और रूखी, बेजान व संवेदनशील नजर आने लगती है।

स्किन टाइप को न समझना

हर त्वचा की जरूरत अलग होती है, इसलिए सेंसिटिव, ऑयली या ड्राय स्किन के लिए अलग-अलग प्रोडक्ट्स बनाए जाते हैं। बिना जानकारी के गलत प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल त्वचा में जलन, पिंपल्स या रूखापन बढ़ा देता है।

बेसिक रूटीन की जरूरत

जैसे घर में जरूरत से ज्यादा सामान अव्यवस्था पैदा करता है, वैसे ही त्वचा पर ढेर सारे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नुकसानदेह साबित होते हैं। इसलिए कम ही सही, लेकिन प्राकृतिक प्रॉडक्ट चुनें।

सैंडविच मेथड का इस्तेमाल

अगर आपको लग रहा है कि आप ओवर-स्किनकेयर सिंड्रोम की ओर बढ़ रही हैं तो अपने स्किन केयर रूटीन को सरल बनाएं। ऐसे में सैंडविच मेथड (मॉइश्चराइजर–रेटिनॉइड–मॉइश्चराइजर) बेहद फायदेमंद साबित होगा। यह तरीका रेटिनॉइड की प्रभावशीलता बनाए रखते हुए त्वचा में होने वाली जलन को कम करता है, क्योंकि मॉइश्चराइजर त्वचा पर एक सुरक्षा परत बना देता है। साथ ही किसी भी नए प्रोडक्ट को अपनाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

डेटिंग की दुनिया का डरावना ट्रेंड अल्पाइन डिवोर्स, क्यों हो रहा है वायरल

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों के नए-नए शब्द और ट्रेंड सामने आ रहे हैं। जैसे घोस्टिंग, ब्रेडक्रम्पिंग, सिचुएशनशिप आदि। इसी कड़ी में एक नया और चौंकाने वाला शब्द तेजी से चर्चा में आया है, अल्पाइन डिवोर्स ।

यह शब्द सुनने में जितना सामान्य लगता है, इसके पीछे की कहानी उतनी ही खतरनाक और विचलित करने वाली है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस ट्रेंड ने रिश्तों, भरोसे और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ये सिर्फ सिर्फ एक इंटरनेट ट्रेंड नहीं, बल्कि आधुनिक रिश्तों के बदलते स्वरूप और उनमें बढ़ती असुरक्षा की झलक भी है। आइए जानते हैं अल्पाइन डिवोर्स क्या है, यह क्यों वायरल हो रहा है और इसके संभावित फायदे-नुकसान क्या हो सकते हैं।

अल्पाइन डिवोर्स क्या है?

अल्पाइन डिवोर्स एक वायरल डेटिंग टर्म है जिसका इस्तेमाल उस स्थिति के लिए किया जा रहा है जब कोई व्यक्ति अपने पार्टनर को पहाड़, जंगल या सुनसान इलाके में छोड़कर रिश्ता खत्म कर देता है।अक्सर यह घटना किसी हाइकिंग या एडवेंचर ट्रिप के दौरान होती है, जहां एक साथी दूसरे को अचानक अकेला छोड़ देता है। यह शब्द किसी कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया पर इस्तेमाल होने वाला एक प्रतीकात्मक शब्द है। कई मामलों में इसे एक खतरनाक और भावनात्मक रूप से आहत करने वाला व्यवहार माना जा रहा है।

अल्पाइन डिवोर्स ट्रेंड कैसे वायरल हुआ?

यह शब्द सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक और X पर वायरल हुआ। एक महिला द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में बताया गया कि उसका पार्टनर उसे पहाड़ों पर हाइकिंग के दौरान अकेला छोड़कर चला गया। वीडियो को लाखों व्यूज़ मिले और लोगों ने इसी तरह के अनुभव साझा करने शुरू कर दिए। इसके बाद यह शब्द तेजी से इंटरनेट पर ट्रेंड करने लगा।

शादी के बाद काम पर लौटीं रश्मिका मंदाना, शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग

विजय देवकरोंडा से शादी के बाद रश्मिका मंदाना अब काम पर लौट आई हैं। उन्हें हाल ही में फिल्म के सेट पर देखा गया। रश्मिका ने फिल्म 'मैसा' (Mysaa) की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म के निर्देशक रविन्द्र पुले ने यह जानकारी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की है।

डायरेक्टर ने शेयर की सेट से झलक

रश्मिका मंदाना कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। इनमें फिल्म 'मैसा' भी शामिल है। रश्मिका मंदाना ने शादी के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डायरेक्टर रविंद्र पुले ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सेट से फोटो शेयर करते हुए रश्मिका को टैग किया है। साथ ही कैप्शन लिखा है, 'मैसा'। शुरुआत हो गई है'।

उदयपुर में हुई रश्मिका विजय की शादी

निर्देशक रविंद्र पुले ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें जंगलनुमा एरिया नजर आ रहा है। कास्ट और क्रू के सदस्य दिख रहे हैं। हालांकि, रश्मिका मंदाना नजर नहीं आ रही हैं। रविंद्र ने एक अन्य फोटो भी साझा की है, जिसमें वे खुद सेट पर दिख रहे हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी 2026 को विजय देवरकोंडा से उदयपुर में शादी रचाई।

रश्मिका की आगामी फिल्में

रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें 'कॉकटेल 2', 'रणबाली', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' और 'मैसा' के नाम शामिल हैं। फिल्म 'रणबाली' में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा। बात करें फिल्म 'मैसा' की तो इसमें रश्मिका बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी। 27 जून 2025 को इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें रश्मिका को दमदार अंदाज में देखा गया था।

'ये मेरे घर के कल्चर में था'; अक्षय कुमार ने शेयर कीं बचपन की यादें

सुनाया पिता से जुड़ा यह दिलचस्प किस्सा

अभिनेता अक्षय कुमार फैमिली ड्रामा और कॉमेडी फिल्मों के अलावा एक्शन मूवीज में भी खूब पसंद किए जाते हैं। वे मार्शल आर्ट में पारंगत हैं। खिलाड़ी कुमार का कहना है कि उनके घर का माहौल ऐसा था, जहां उन्हें शुरू से इसकी ट्रेनिंग मिली। अभिनेता ने बचपन की कुछ यादें साझा करते हुए कहा कि उनके पिता उन्हें पेशवर पहलवानों से कुश्ती कराते थे।

'घर में आम थीं कुश्ती और दंगल की बातें'

अभिनेता अक्षय कुमार काफी साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। हाल ही में समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ एक बातचीत में उन्होंने अपने पिता के साथ बिताए बचपन के कुछ पसंदीदा पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि जब वे छोटे थे, तब उनके पिता एक काम जरूर करते थे और वह था कि वे उन्हें पेशेवर पहलवानों से कुश्ती लड़वाते थे। उन्होंने बताया कि उनके घर में कुश्ती और दंगल की बातें आम थीं।

अक्षय बोले- 'आज वही काम आया'

अक्षय कुमार का कहना है, 'मेरे घर के कल्चर में यह था। मेरे पापा जो पहलवान थे, तो मेरे कल्चर में थे मार्शल आर्ट की बात करना, कुश्ती की बात करना, कुश्ती करना आम था। मेरे पिताजी पेशेवर पहलवानों को जानते थे। मुझे लड़वाते थे और आज वही मेरे काम में आया'। अक्षय कुमार ने माता-पिता को सलाह दी कि वे अपने बच्चों की प्रतिभा को कैसे निखारें। खिलाड़ी ने कहा कि माता-पिता को उन चीजों पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें उनके बच्चे दिलचस्पी लेते हैं। उन्हीं पर काम करना चाहिए।

अक्षय का कहना है कि, 'पता करिए कि आपका बच्चा किस चीज में इंटरेस्ट रखता है। कभी-कभी होता है बच्चे की दिलचस्पी पढ़ाई-लिखाई में नहीं है, लेकिन किसी और चीज में है। कोशिश करिए उसको इतना समझाइए कि बेटा एक एजुकेशन पूरी कर ले, उसके बाद मैं तेरे साथ ही हूं। उसको लेकिन छोड़िए मत जो वो चाहता है करना'। अक्षय कुमार इन दिनों शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' को होस्ट कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आएंगे।

सलमान के पिता सलीम खान अस्पताल से डिस्चार्ज 1 महीने से लीलावती हॉस्पिटल में एडमिट थे

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के पिता और स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान को आज मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। 90 साल के सलीम खान को ब्रेन हेमरेज के कारण 17 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

करीब एक महीने तक चले इलाज के बाद अब उनकी तबीयत में काफी सुधार है और डॉक्टर्स ने उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक उनका डिस्चार्ज प्रोसीजर पूरा हो चुका है, लेकिन वे अभी हॉस्पिटल में ही हैं।

एक महीने से लीलावती अस्पताल में थे भर्ती

सलीम खान सीनियर कंसल्टेंट डॉ. जलील पारकर की देखरेख में थे। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, बढ़ती उम्र की वजह से उन्हें कुछ कॉम्प्लिकेशंस हो रहे थे। जांच में मामूली ब्रेन हैमरेज की बात सामने आई थी, जिसके बाद न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे ने उनकी एक छोटी सर्जरी (DSA प्रोसीजर) की थी। उनकी उम्र को देखते हुए रिकवरी में थोड़ा समय लगा, लेकिन अब वे पूरी तरह स्टेबल हैं।

शुरुआती इलाज में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रहे सलीम

इलाज के शुरुआती दौर में सलीम खान को कुछ समय के लिए वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। डॉ. जलील पारकर ने बताया था कि हैमरेज के बाद छोटा प्रोसीजर जरूरी था जो सफल रहा। हाल ही में एक इफ्तार पार्टी के दौरान अरबाज खान ने पैपराजजी से बात करते हुए बताया था कि पिता की सेहत अब काफी बेहतर है और वे सुधार कर रहे हैं।

हाल जानने पहुंचे थे शाहरुख और आमिर खान

सलीम खान के अस्पताल में रहने के दौरान पूरा खान परिवार उनके साथ खड़ा रहा। बेटे सलमान खान, अरबाज खान और सोहेल खान लगातार अस्पताल के पहुंचते रहे। शाहरुख खान और आमिर खान भी सलीम खान का हाल जानने अस्पताल पहुंचे थे। इसके अलावा, सलीम खान के पुराने साथी और दिग्गज लेखक जावेद अख्तर ने भी अस्पताल जाकर अपने दोस्त की सेहत की जानकारी ली थी।

एक्टिंग से शुरू हुआ था करियर

सलीम खान ने 60 के दशक में बतौर अभिनेता अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 'तीसरी मंजिल' जैसी फिल्मों में छोटे रोल किए, लेकिन बाद में उन्होंने राइटिंग को अपना पेशा बनाया। 60 के दशक के अंत में उनकी मुलाकात जावेद अख्तर से हुई और 'सलीम-जावेद' की आइकॉनिक जोड़ी बनी।

रजनीकांत ने सपोर्ट करने वालों को कहा शुक्रिया, अभिनेता पर की गई अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है मामला

पिछले दिनों तमिलनाडु के राजनीतिक रणनीतिकार आधव अर्जुन ने रजनीकांत के राजनीति करियर को लेकर चुभने वाली बात कही। उन्हें लेकर कहा था कि डीएमके परिवार ने रजनीकांत को कई धमकियां दीं, उन्हें राजनीति में आने से रोक दिया। आगे चलकर अभिनेता ने रेड जायंट द्वारा प्रोड्यूस की गई एक फिल्म में काम किया।' बता दें कि कुछ साल पहले तक रजनीकांत भी राजनीतिक रूप से सक्रिय हुए थे लेकिन वह अपने करियर को आगे नहीं बढ़ा पाए। इसी बात को लेकर आधव अर्जुन ने तंज कसा था। लेकिन इस टिप्पणी को रजनीकांत और उनके फैंस ने अपमानजनक माना। कई लोगों ने

रजनीकांत को सपोर्ट किया।

राजनीति से जुड़े लोगों को कहा शुक्रिया

रजनीकांत ने मंगलवार को एक एक्स (ट्विटर) पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैं उन सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने उनकी अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा की। मेरे समर्थन में अपनी आवाज उठाई। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता एडप्पादी पलानीस्वामी, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, तमिलनाडु के मंत्री रघुपति, थोल. थिरुमावलवन, एस.पी. वेलुमणि और मेरे दोस्त अन्नामलाई, अर्जुनमूर्ति, अंबुमणि रामदास, जी.के. वासन, जॉन पांडियन, पुगाझेंधी और विभिन्न पार्टियों के कई अन्य राजनीतिक नेता। मैं इन सभी का आभार व्यक्त करता हूं।'

फैंस के लिए लिखा खास संदेश

रजनीकांत पोस्ट में आगे लिखते हैं, 'मैं अमीर, जी. धनंजयन और फिल्म जगत के मेरे दोस्तों का भी तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। साथ ही नकीरन गोपाल, रंगराज पांडे (चाणक्य) और मीडिया के सदस्यों का भी। सबसे बढ़कर मेरे प्रशंसकों का जिन्हें मैं देवताओं की तरह पूजता हूं। आप सबने मुझे संभाला और मेरा हौसला बढ़ाया है।' पिछले साल रजनीकांत फिल्म 'कुली' रिलीज हुई, इसमें आमिर खान भी नजर आए थे। इस साल रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' रिलीज होगी, इस फिल्म में वह एक्शन जॉनर में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट भी दर्शकों ने पसंद किया था, बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा कलेक्शन किया था।

ऋतिक रोशन और प्राइम वीडियो की नई फिल्म का ऐलान

कॉमेडी फिल्म मेस में चोरों और सनकी मकान मालिक की कहानी

ऋतिक रोशन के प्रोडक्शन हाउस 'एचआरएक्स फिल्म्स' और ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने नई कॉमेडी फिल्म 'मेस' बनाने का ऐलान किया है। इस फिल्म का निर्देशन 'लूटकेस' और 'क्रू' जैसी फिल्में बना चुके राजेश ए. कृष्णन करेंगे। यह फिल्म एक ऐसी रात की कहानी है जहां चोर एक सनकी आदमी के घर में फंस जाते हैं।

इसमें चोरों का एक गैंग एक ऐसे आदमी के घर में चोरी करने के इरादे से घुसता है जिसे ओसीडी है। यानी वह सफाई और चीजों को व्यवस्थित रखने के मामले में काफी सनकी है। घर में घुसने के बाद चोरों के लिए वहां से जिंदा और सुरक्षित निकलना ही सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है।

ऋतिक और ईशान रोशन करेंगे प्रोड्यूस

इस फिल्म को ऋतिक रोशन और उनके भाई ईशान रोशन अपने बैनर 'एचआरएक्स फिल्म्स' के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं। एचआरएक्स फिल्म्स और प्राइम वीडियो के बीच यह दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है। इससे पहले दोनों ने मिलकर थ्रिलर सीरीज 'स्टॉर्म' का ऐलान किया था।

फिल्म की स्क्रिप्ट को राजेश कृष्णन और कपिल सावंत ने अमेरिकी लेखक पॉल सोटर की एक ओरिजिनल कहानी के आधार पर तैयार किया है।

ऋतिक रोशन ने कहा- राजेश कृष्णन का विजन शानदार

ऋतिक रोशन ने इस पार्टनरशिप पर खुशी जताते हुए कहा, प्राइम वीडियो के साथ हमारी साझेदारी हमें साहसी और नई तरह की कहानियां कहने का मौका दे रही है। राजेश कृष्णन कॉमेडी के साथ बेहतरीन नैरेटिव बुनने की काबिलियत रखते हैं।

'मेस' के लिए उनका विजन शुरुआत से ही असाधारण रहा है। वहीं प्राइम वीडियो इंडिया के हेड निखिल मधोक ने कहा कि फिल्म की कहानी और इसके मजेदार किरदार दर्शकों को अंत तक बांधे रखेंगे।

डायरेक्टर राजेश कृष्णन का ट्रैक रिकॉर्ड

राजेश ए. कृष्णन को फिल्म इंडस्ट्री में उनके अलग और कॉमिक स्टाइल के लिए जाना जाता है। उन्होंने साल 2019 में 'लूटकेस' फिल्म से बतौर डायरेक्टर बॉलीवुड में कदम रखा था। हाल ही में आई उनकी फिल्म 'क्रू' ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। वे मशहूर वेब सीरीज 'ट्रिपलिंग' के पहले सीजन को भी डायरेक्ट कर चुके हैं। राजेश ने बताया कि 'मेस' की दुनिया कॉमेडी और अफरा-तफरी का एक अनोखा मेल है, जो दर्शकों को अपनी सीट से चिपकने पर मजबूर कर देगी।

विजय के लिए घरवालों से भिड़ गई थीं रश्मिका परिवार ने दी थी इंडस्ट्री से दूर रहने की सलाह

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में अपने परिवारवालों की मौजूदगी में शादी के बंधन में बंध चुके हैं। मगर एक वक्त ऐसा था जब रश्मिका के परिवार वाले उन्हें विजय के नजदीक नहीं देखना चाहते थे। साथ ही रश्मिका को विजय की को-स्टार बनने से भी मना कर दिया था।

विजय से दूर रहने की दी थी सलाह

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद प्यार दिया था। कपल की पहली फिल्म 'गीता गोविंदम' (2018) सिनेमाघरों में काफी पॉपुलर हुई थी। मगर इसके बाद उन्हें परिवार विजय के साथ काम करने से मना कर दिया था। फिल्म के प्री रिलीज इवेंट में रश्मिका ने बताया था कि 'मेरे परिवार वाले मेरे फिल्म इंडस्ट्री में आने को लेकर काफी नाराज थे। उन्हें यह लगता था कि फिल्मी दुनिया लड़कियों के लिए सेफ नहीं है। विजय के साथ 'गीता गोविंदम' करने के बाद भी परिवार चाहता था कि मैं 'डियर कॉमरेड' में एक्टिंग न करूं। मगर मैंने लड़ाई की और फिर फिल्म पूरी की।'

रश्मिका के लिए नहीं था आसान

विजय ने भी इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि 'मैं जानता हूं कि इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देना रश्मिका के लिए कितना मुश्किल रहा होगा। इस फिल्म से उनके जीवन पर काफी असर पड़ा था। फिर भी उन्होंने इसमें काम किया था और लिली के किरदार के लिए अपनी जान लगा दी थी। इस बात के लिए मैं रश्मिका का धन्यवाद करता हूं। फिल्म में उन्होंने बहुत ही अच्छा काम किया है।

रश्मिका की फिल्में होंगी रिलीज

रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें 'कॉकटेल 2', 'रणबाली', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' और 'मैसा' के नाम शामिल हैं। फिल्म 'रणबाली' में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा। बात करें फिल्म 'मैसा' की तो इसमें रश्मिका बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी। 27 जून 2025 को इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें रश्मिका को दमदार अंदाज में देखा गया था।

ऑस्कर के 'इन मेमोरियम' में धर्मेंद्र को नहीं मिली जगह

हेमा मालिनी बोलीं- धरमजी को इन अवॉर्ड्स की परवाह नहीं थी, दर्शकों का प्यार पुरस्कार था

हॉलीवुड के प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह अकादमी पुरस्कार के 'इन मेमोरियम' सेगमेंट को लेकर इस साल सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। इस सेगमेंट में उन कलाकारों को श्रद्धांजलि दी जाती है, जिनका हाल ही में निधन हुआ हो। हालांकि इस बार दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र का नाम इसमें शामिल नहीं किया गया, जिससे उनके फैंस नाराज हो गए।

ऑस्कर समारोह के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि भारतीय सिनेमा के इतने बड़े स्टार को इस सेगमेंट में क्यों नहीं याद किया गया। धर्मेंद्र ने हिंदी सिनेमा में छह दशक से ज्यादा समय तक काम किया और कई यादगार फिल्में दीं। ऐसे में फैंस का कहना था कि उन्हें इस सम्मान में जरूर शामिल किया जाना चाहिए था।

अब इस पूरे मामले पर धर्मेंद्र की पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हेमा मालिनी ने कहा कि धर्मेंद्र को अपने करियर में अवॉर्ड्स से ज्यादा दर्शकों के

प्यार की परवाह थी।

हेमा ने कहा, "धरम जी को अपने लंबे करियर में बहुत ज्यादा अवॉर्ड्स नहीं मिले। फिर भी उन्होंने कभी इसकी शिकायत नहीं की। वे हमेशा कहते थे कि दर्शकों का प्यार ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि उन्हें ऑस्कर या किसी दूसरे अवॉर्ड की ज्यादा चिंता होती।"

उन्होंने यह भी कहा कि लोग धर्मेंद्र को आज भी बहुत प्यार करते हैं और यही उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। हेमा मालिनी के मुताबिक, किसी कलाकार के लिए दर्शकों का सम्मान और स्नेह किसी भी अवॉर्ड से बड़ा होता है। इस बीच कई फैंस ने सोशल मीडिया पर यह भी बताया कि ब्रिटेन के प्रतिष्ठित ब्रिटिश एकेडमी फिल्म पुरस्कार में 'इन मेमोरियम' सेगमेंट के दौरान धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि दी गई थी। इसे लेकर हेमा मालिनी ने खुशी भी जताई थी। धर्मेंद्र हिंदी सिनेमा के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में रोमांस, एक्शन और कॉमेडी जैसी कई शैलियों में काम किया और दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। फिलहाल ऑस्कर के 'इन मेमोरियम' सेगमेंट में उनका नाम शामिल न होने को लेकर चर्चा जारी है, लेकिन हेमा मालिनी का मानना है कि धर्मेंद्र के लिए दर्शकों का प्यार ही सबसे बड़ा पुरस्कार था।

'सरके चुनर' गाना यूट्यूब से हटाया गया : लिरिक्स और विजुअल्स से अश्लीलता फैलाने का आरोप

अरमान मलिक-हरभजन सिंह ने भी विरोध जताया

अपकमिंग फिल्म 'केडीः द डेविल' का नया गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' रिलीज होते ही विवाद में फंस गया है। आम लोगों के विरोध और कानूनी शिकायतों के बाद यूट्यूब से हटा दिया गया है।

संजय दत्त और नोरा फतेही पर फिल्माए गए इस गाने पर अश्लीलता फैलाने का आरोप है। अश्लील लिरिक्स और विजुअल्स को लेकर सोशल मीडिया पर भी गाने का भारी विरोध किया जा रहा है। वहीं ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (AICWA) ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) के चेयरमैन प्रसून जोशी को आधिकारिक पत्र लिखकर गाने के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। AICWA का कहना है कि इस तरह का अश्लील और डबल मीनिंग कंटेंट भारतीय सिनेमा के लिए स्वीकार्य नहीं है।

यूट्यूब से हटा गाने का वीडियो

जैसे ही यह गाना स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुआ, यूजर्स ने इसके बोल और विजुअल्स को 'फूहड़' और 'डबल मीनिंग' बताया। विवाद इतना बढ़ा कि रिलीज के महज एक दिन बाद ही

मेकर्स ने इसे हटा लिया। अब यूट्यूब पर गाने के लिंक को क्लिक करने पर वीडियो उपलब्ध नहीं है, यह वीडियो प्राइवेट है का मैसेज दिखाई दे रहा है। नोरा फतेही ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से इस गाने के वीडियो को डिलीट कर दिया है।

इस गाने को लेकर सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री और खेल जगत की हस्तियों ने भी नाराजगी जताई है। सिंगर अरमान मलिक ने सोशल मीडिया पर इस गाने की आलोचना करते हुए इसे गीत-लेखन के क्षेत्र में "गिरावट की नई मिसाल" बताया। वहीं, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी गाने के कंटेंट का कड़ा विरोध किया है। लोगों का कहना है कि नोरा के डांस स्टेप्स और एक्सप्रेशंस काफी वल्गर हैं, जिसका युवाओं पर गलत असर पड़ेगा।

गाने के खिलाफ कानूनी शिकंजा भी कसता जा रहा है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आपत्तिजनक बोल के इस्तेमाल को लेकर फिल्म के मेकर्स को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा, सोशल एक्टिविस्ट और एडवोकेट ने दिल्ली पुलिस की साइबर सेल में इस गाने के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह गाना समाज में अश्लीलता को बढ़ावा देता है। शिकायतकर्ता ने लिरिसिस्ट रकीब आलम, डायरेक्टर प्रेम और कंपोजर अर्जुन जान्या के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

फिल्म 'केडी' का आइटम नंबर है सरके चुनर

यह गाना फिल्म 'केडीः द डेविल' का एक आइटम नंबर है। इसमें नोरा फतेही ने घाघरा-चोली पहनकर डांस किया है। गाने का हुक स्टेप, जिसमें नोरा अपने पल्लू का इस्तेमाल करती हैं, रिलीज के साथ ही चर्चा में आ गया था। हालांकि, फिल्म के मेकर्स, संजय दत्त या नोरा फतेही की तरफ से अभी तक इस विवाद पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह में गैस संकट बरकरार

होटलों में मेन्यू हुआ छोटा, ऑनलाइन डिलीवरी पर असर, कर्मचारियों को दी गई छुट्टी

गिरिडीह, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी रांची सहित पूरे प्रदेश में गैस की कमी बरकरार है। अलग-अलग जिलों में गैस एजेंसियों पर लोगों की लाइन सुबह से ही लग जा रही है।

गैस की किल्लत का असर घरों पर तो पड़ ही रहा है, वहीं फुड व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी प्रभावित कर रहा है। लगभग सभी शहरों में होटल और रेस्टोरेंट कारोबार को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

स्थिति यह है कि करीब 80% बड़े होटल अब इंडक्शन और लकड़ी-कोयले के चूल्हों पर शिफ्ट हो चुके हैं। वहीं छोटे होटलों में गैस नहीं मिलने के कारण होटलों में सन्नाटा पसरा है। मेन्यू में भारी कटौती की गई है। कई जगह चाइनीज और तवा रोटी जैसे आइटम बंद कर दिए गए हैं। होटल संचालकों का कहना है कि यदि जल्द आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो कई प्रतिष्ठान बंद होने की कगार पर पहुंच जाएंगे।

गैस संकट का असर रोजगार पर भी दिखने लगा है। काम कम होने के कारण करीब 20% कर्मचारियों को छुट्टी दे दी गई है। रांची के स्टेशन रोड समेत अन्य इलाकों के होटलों में खाने के दाम

15% तक बढ़ चुके हैं। संचालकों के अनुसार, लागत बढ़ने और सीमित मेन्यू के कारण ग्राहकों की संख्या भी घट रही है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यही हाल रहा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। बात लौह नगरी जमशेदपुर की करें तो यहां भी गैस संकट का असर साफ दिख रहा है। कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से कई कैंटीनें बंद हो गई हैं। गोलमुरी की एक प्रमुख कैंटीन पिछले चार दिनों से बंद है।

यहां रोज 400-500 लोग भोजन करते थे। वहीं बिष्टुपुर की कैंटीन में रोटी, चाय और कॉफी जैसे आइटम हटा दिए गए हैं। संचालकों का कहना है कि लकड़ी पर बड़े पैमाने पर खाना बनाना संभव नहीं है, जिससे संचालन मुश्किल हो गया है।

एलपीजी संकट का असर ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवाओं पर भी पड़ा है। रेस्टोरेंट और क्लाउड किचन का मेन्यू सीमित होने से ऑर्डर 50 से 60% तक घट गए हैं।

गिग वर्कर्स के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जहां पहले उन्हें दिनभर में 30 ऑर्डर मिलते थे, वहीं अब यह घटकर 5 से 10 रह गए हैं। अधिक गैस खपत वाले व्यंजन मेन्यू से हटाए जा चुके हैं।

गिरिडीह में घरेलू गैस सिलेंडर की भारी किल्लत से लोग परेशान हैं। गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन कई उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। लोग दो-दो दिन लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं।

ओटीपी नहीं मिलने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उपभोक्ताओं ने एजेंसियों की व्यवस्था सुधारने और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि आपूर्ति सुचारू हो सके और आम जनता को राहत मिल सके।

धनबाद के झरिया स्थित बस्ताकोला में रसोई गैस की किल्लत को लेकर उपभोक्ताओं का गुस्सा सड़क पर देखने को मिला। चौधरी गैस एजेंसी के बाहर सुबह से ही लोगों की लंबी कतार लगी रही, लेकिन घंटों इंतजार के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज लोगों ने धनबाद-झरिया मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि एजेंसी द्वारा गैस की कालाबाजारी की जा रही है।

उन्हें पिछले दो-तीन दिनों से बार-बार बुलाने के बावजूद सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है।

एसयूवी सवार ने बाइक सवार को उड़ाया

7 फीट हवा में उछले, ट्रॉमा सेंटर में इलाज जारी सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

बीकानेर, 17 मार्च (एजेंसियां)। बीकानेर में तेज रफ्तार एसयूवी ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। कोतवाली थाना क्षेत्र में राजीव मार्ग के पास 14 मार्च को हुए एक सड़क हादसे का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें एक तेज रफ्तार कार बाइक सवार को जोरदार टक्कर मारती नजर आ रही है। बाइक सवार नवल किशोर पारीक (44) ने मामले में मंगलवार को एफआईआर दर्ज करवाई है। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

वीडियो में दिख रहा है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि नवल किशोर पारीक (44) 7 फीट हवा में उछले। उन्हें तुरंत ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, कार की टक्कर से घायल को कई फ्रैक्चर हुए हैं और उसका इलाज जारी है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने घायल को संभालते हुए अस्पताल पहुंचाया।

भारतमाला मुआवजा घोटाला निलंबित एसडीएम गिरफ्तार

24 करोड़ की संपत्ति अटैच, अधिग्रहित जमीन को दोबारा अधिग्रहण दिखाकर मुआवजा बांटा था

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत माला परियोजना के मुआवजा घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने उसे 30 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। एक दिन पहले सोमवार (16 मार्च) को ईडी ने निर्भय की 23.35 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियों को अटैच किया है।

जांच में पाया गया कि निभर्य साहू ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अधीनस्थ पटवारी, राजस्व निरीक्षक और अन्य सहयोगियों के साथ मिलीभगत कर घोटाले को अंजाम दिया था।

इस दौरान अभनपुर तहसील के ग्राम नायकबांधा, उगेटरा, उरला, भेलवाडीह और टोकरो की प्रभावित भूमि को बैकडेट में कई खंडों में विभाजित किया। इसके माध्यम से वास्तविक मुआवजे से कई गुना अधिक राशि का वितरण किया गया।

इतना ही नहीं, पहले से अधिग्रहित भूमि को भी दोबारा अधिग्रहण दिखाकर मुआवजा

आरोपी निर्भय साहू

वितरित किया गया, जिससे शासन को करोड़ों का नुकसान हुआ।

बताया जा रहा है कि आरोपी की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से निरस्त हो चुकी थी और उसके खिलाफ विशेष न्यायालय से स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी था। इसके बावजूद निलंबित एसडीएम लगातार लंबे समय से फरार चल रहा था।

इस घाटाले में सोमवार (16 मार्च) को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 23.35 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियों को अटैच किया है। ईडी की रायपुर जोनल ऑफिस की जांच में सामने आया है कि, रायपुर-विशाखापट्टनम नेशनल हाईवे के लिए भूमि अधिग्रहण में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया। इस मामले की शुरुआती जांच ईओडब्ल्यू/एसीबी की तरफ से दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी।

जांच में खुलासा हुआ है कि, जमीन दलालों, निजी व्यक्तियों और कुछ सरकारी अधिकारियों ने मिलकर साजिश रची। जमीनों को फर्जी तरीके से छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर और राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर वास्तविक मुआवजे से कई गुना अधिक रकम हासिल की गई।

ईडी के मुताबिक, आरोपियों ने जमीन मालिकों के नाम पर कई बैंक खाते खुलवाए। मुआवजे की राशि इन खातों में जमा कराई गई, फिर पहले से साइन किए गए चेक और बैंक दस्तावेजों के जरिए बड़ी रकम आरोपियों के खातों में ट्रांसफर कर ली गई। जमीन मालिकों को केवल मामूली हिस्सा ही दिया गया।

जांच में सामने आया है कि आरोपी हरमीत सिंह खनुजा और उसके सहयोगियों ने करीब 27.05 करोड़ रुपए का गबन किया।

सीएम बोले-ऐसा कोई सगा नहीं जिसे कांग्रेसियों ने ठगा नहीं

विधानसभा में अवैध प्लॉटिंग, 'जी राम जी' पर हंगामा, भूपेश ने मनरेगा को बताया बेहतर

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के 12वें दिन सदन में अवैध प्लॉटिंग और 'जी राम जी' के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने मनरेगा को बेहतर बताया। जवाब में सत्ता पक्ष से अजय चंद्राकर ने कहा सदन विपक्ष की राजनीति का अड्डा नहीं है। जिसके बाद विपक्ष ने कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया।

वहीं, सदन में बजट अनुदान मांग पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कांग्रेस के 5 साल में ये बात फेमस थी कि कोई ऐसा सगा नहीं जिसे कांग्रेसियों ने ठगा नहीं। इसके साथ ही सीएम ने नक्सलवाद, पेपर लीक, गौठान, शराब, रेत माफिया समेत कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाए।

कांग्रेस विधायक अंबिका मरकाम ने राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा से पूछा- 2024 से लेकर 31 जनवरी 2026 तक कितनी शिकायतें मिलीं? उन्होंने अवैध प्लाटिंग को लेकर खसरों की जांच और कार्रवाई की जानकारी मांगी।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा- धमतरी में 3 शिकायतों की जानकारी मिली है। कांकेर में 5 शिकायत मिली, कुल 175 खसरा में 8 की जांच हुई। जांच और कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। अब 3 पटवारी का इंक्रीमेंट रोका गया है। कई अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस दिया गया, अवैध प्लाटिंग को रोकने पर पूरा जोर है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल- ये सवाल प्रत्येक सत्र में आता है। प्रदेश में कितने अवैध कॉलोनी बनी। कितने लोगों के ऊपर कार्रवाई हुई है। पटवारी पर कार्रवाई को कितने दिन हो गए।

मंत्री टंक राम वर्मा- अधिकारियों को अधिकार दिया गया है कार्रवाई करने का। तीनों पटवारी के वेतन वृद्धि को रोका गया है। 67 लोगों को नोटिस दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल- कितने लोगों के ऊपर अब तक प्रदेश भर में कार्रवाई हुई।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर - आपने कहा अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई नहीं करने का कारण एसआईआर को बताया, लेकिन ये कॉलोनी कब बनी और कार्रवाई कब करेंगे बताइए।

भूपेश बघेल - 25 मिनट हो गए में मंत्री जवाब नहीं दे पा रहे। धमतरी का पूछो तो कांकेर का जवाब देंगे और कांकेर का पूछो तो धमतरी का। क्या विधानसभा की समिति से जांच कराएंगे?

इसके बाद कांग्रेस विधायक चातुरी नंद ने महासमुंद वनमंडल के सरायपाली वन परिक्षेत्र के जंगलबेड़ा गांव में नर्सरी और वृक्षारोपण को लेकर सवाल पूछा। चातुरी नंद ने मूल प्रश्न बदलने का आरोप लगाया।

आसंदी से सभापति ने कहा- प्रश्न अनिश्चितकाल के संदर्भ में था, क्योंकि अवधि उल्लेखित नहीं थी, इसलिए अवधि तय की गई, वरना प्रश्न नहीं लिया जा सकता था। जी राम जी के विरोध में कांग्रेस ने शून्यकाल में सदन में स्थगन प्रस्ताव लाया।

चास नगर निगम की डिप्टी मेयर बनीं पूजा कुमारी

19 मतों से हुईं निर्वाचित, कहा- बेहतर योजनाएं बना उनके अनुरूप कार्य किया जाएगा

बोकारो, 17 मार्च (एजेंसियां)। चास नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को उपमेयर पद के लिए चुनाव हुआ, जिसमें वार्ड 22 की पार्षद पूजा कुमारी और वार्ड 15 के पार्षद अमर स्वर्णकार उम्मीदवार थे। कुल 35 वार्ड पार्षदों ने मतदान किया, जिसमें से दो मत रद्द हो गए।

वैध 33 मतों में से पूजा कुमारी को 19 और अमर स्वर्णकार को 14 वोट मिले। इस प्रकार, पूजा कुमारी चास नगर निगम की डिप्टी मेयर निर्वाचित हुईं।

पूजा कुमारी ने नगर निगम के विकास के लिए बेहतर योजनाएं बनाने और उनके अनुरूप कार्य करने की बात कही। उन्होंने सभी पार्षदों के सहयोग से चास नगर निगम को एक अग्रणी नगर निगम बनाने का प्रयास करने का संकल्प लिया।

इससे पूर्व नवनिर्वाचित मेयर और वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। बोकारो डीसी अजय नाथ झा ने मेयर भोलू पासवान को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बोकारो एसपी, चास एसडीएम सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और पार्षद उपस्थित थे। भोलू पासवान ने दूसरी बार चास नगर निगम के मेयर का पद संभाला है।

शपथ ग्रहण के बाद मेयर भोलू पासवान ने जनता के भरोसे पर खरा उतरने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि चास नगर निगम क्षेत्र में पानी, बिजली, सड़क और साफ-सफाई जैसी कई समस्याएं हैं। इन मुद्दों के समाधान के लिए उपमेयर और पार्षदों के साथ मिलकर रणनीति बनाई जाएगी और कार्य किया जाएगा।

मेयर भोलू पासवान ने शहर की ट्रैफिक समस्या पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने दिन के समय शहर में बड़ी गाड़ियों के प्रवेश पर रोक लगाने की योजना बनाने की बात कही। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि लंबे समय तक चुनाव न होने के कारण हुई किसी भी अनियमितता या घोटाले की जांच कराई जाएगी।

गोड्डा में ट्रिपल मर्डर

कुल्हाड़ी से काटकर पूरे परिवार को किया खत्म, मासूम को भी नहीं बख्शा

गोड्डा, 17 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा जिले में डायन बिसाही के शक में असमाजिक तत्वों ने मंगलवार को एक ही परिवार के तीन सदस्यों को धारदार हथियार से हत्या कर दी। इससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। यह वारदात गोड्डा जिले के देवदांड थाना क्षेत्र के डांगा टोला में हुई।

मिली जानकारी के मुताबिक ग्रामीणों को अहले सुबह घटना की जानकारी मिली। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय दरबारी मुर्मू, उनकी 45 वर्षीय पत्नी मक्कू बास्की और उनके 12 वर्षीय बेटे जीतनारायण मुर्मू के रूप में हुई है। परिवार में उनकी एक विवाहित बेटी सुनीता मुर्मू भी हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर सभी बिन्दुओं पर तत्काल जांच शुरू कर दी । गोड्डा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी, देवदांड के थाना प्रभारी अमित मालवी और पौड़याहाट थाना प्रभारी महावीर पंडित पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ की।

पुलिस ने तीनों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी के मुताबिक प्रथम दृष्टया यह मामला अंधविश्वास से जुड़ा होता है। पुलिस सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि घटना की सूचना मिलते ही एक विशेष टीम गठित की गई है, जो मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है।

गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी

चिकन बिरयानी परोसी, हिंदू संगठन बोले- हड्डियां नदी में फेंकीं, 14 गिरफ्तार

वाराणसी, 17 मार्च (एजेंसियां)। काशी में गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी की गई। सोमवार को हुई इस पार्टी में आयोजकों ने रोजेदारों को फल और मेवे के साथ चिकन बिरयानी भी परोसी। साथ ही इफ्तार पार्टी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। जल्द ही वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने लगा।

वीडियो में चिकन बिरयानी की बात सामने आते ही भाजपा और हिंदूवादी संगठन भड़क गए। भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया। इसके 8 घंटे के भीतर पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

काशी में गंगा नदी पर सोमवार शाम एक युवक ने रोजा इफ्तार का कार्यक्रम रखा। उसने रोजेदारों को गंगा घाट पर बुलाया। यहां एक बड़ी नाव पहले से बुक की गई थी। इसके बाद सभी लोग अस्सी घाट से नमो घाट तक नाव से गए। वहां नाव पर मौजूद रोजेदारों ने पहले नमाज पढ़ी। फिर खजूर और फल खाकर रोजा खोला।

एक अन्य वीडियो में नाव पर बैठे लोग बड़े भगोने से कुछ निकालकर खाते दिखे। भाजयुमो महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने आरोप लगाया कि इन लोगों ने चिकन बिरयानी खाई। साथ ही उसकी हड्डियां गंगा में फेंक दीं।

एनसीईआरटी ने 8वीं की किताब से विवादित नक्शा हटाया

जैसलमेर-बीकानेर को मराठा एम्पायर बताया था, पूर्व राजपरिवार के सदस्य बोले- ये हमारी पहचान का प्रश्न था

जैसलमेर, 17 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 8वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की किताब में छपे नक्शे को अब एनसीईआरटी ने हटाने का फैसला लिया है। इसमें बीकानेर, बूंदी और जैसलमेर को मराठा एम्पायर के रूप में दिखाया था।

इसे लेकर जैसलमेर पूर्व राजपरिवार के सदस्य विक्रम सिंह नाचना, उदयपुर पूर्व राजपरिवार सदस्य विश्वराज सिंह और राजसमंद एमपी महिला कुमारी ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद अब इस मैप को किताब से हटाया जाएगा। अगले एडिशन में बुक में ये नक्शा नहीं दिखाई देगा।

इसके बाद जैसलमेर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य विक्रम सिंह नाचना ने कहा- ये हमारी पहचान का प्रश्न था। आगे से एनसीईआरटी ऐसे किसी भी तथ्य को छापने से पहले एक्सपर्ट की

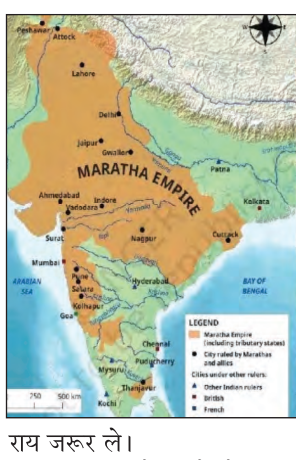

राय जरूर ले।

विवाद सामने आने के बाद एनसीईआरटी ने मामले की समीक्षा की और स्वीकार किया कि नक्शे में ऐतिहासिक तथ्यात्मक त्रुटि थी। इसके बाद संबंधित सामग्री को पुस्तक से हटा दिया गया। विशेषज्ञों का कहना था कि जैसलमेर रियासत कभी भी सीधे तौर पर मराठा शासन के अधीन नहीं रही, बल्कि वह एक स्वतंत्र रियासत के रूप में अस्तित्व में थी।

पूर्व राजपरिवार से जुड़े सदस्यों और इतिहास के जानकारों ने इसे इतिहास के साथ छेड़छाड़ बताया था। उनका कहना था कि इस तरह की गलत जानकारी से विद्यार्थियों के बीच भ्रम फैलता है और स्थानीय इतिहास की गलत व्याख्या होती है।

पूर्व राजपरिवार सदस्य विक्रम सिंह नाचना ने कहा- यह केवल एक नक्शे का मामला नहीं था, बल्कि हमारे इतिहास और पहचान का प्रश्न था। हमने शुरू से ही कहा था कि जैसलमेर को मराठा साम्राज्य का हिस्सा दिखाना पूरी तरह गलत है। अब एनसीईआरटी ने इसे हटाकर सही कदम उठाया है।

हम चाहते हैं कि भविष्य में पाठ्य पुस्तकों में किसी भी ऐतिहासिक तथ्य को शामिल करने से पहले विशेषज्ञों से गहन समीक्षा कराई जाए, ताकि इस तरह की गलतियां दोबारा न हों।

श्री कृष्णा गौशाला बेंगलुरु चारा गोदाम में आगजनी

बेंगलुरु, 17 मार्च (एजेंसियां)। श्री कृष्णा गोशाला आश्रम होसुर बन्डे में सुबह 11.43 मिनट पर दो टीन शेड चारा गोदाम में रखा हुआ सुखा चारा में आगजनी हुई, जिसमे गौ माता के लिए रखा चारा जलकर खाक हो गया, स्थानीय पुलिस फायर ब्रिगेड की तीन दमकल की गाड़ी ने बड़ी मुस्किल से 4 घंटे बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह का पुलिस तहकीकात कर रही है, स्थानीय सभी गौ सेवक, स्वयंसेवक, राष्टीय प्रजा प्रभुत्व के कुँवर राकेश देशरला सहित अन्य सभी सदस्यों ने गौ सेवा घर्म के काम के लिए तत्पर रहें। गौशाला के स्वामी पुखराज महाराज ने बताया कि सुबह सीसी टीवी कैमरा बंद कर पीछे से आग लगाकर अंजाम दिया, आग केसे लगी इसकी पुलिस जांच कर रही है, अंदेशा है कुछ असमाजिक तत्वों ने अंजाम दिया है।

कार में 75 लाख रुपये कैश बरामद

ओडिशा से आ रहे थे पैसे, महासमुंद में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

महासमुंद, 17 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस की टीम ने एक कार से 75 लाख रुपये बरामद किया है। गाड़ी ओड़िशा के कांटाबांजी से रायपुर की तरफ आ रही थी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक गाड़ी में भारी मात्रा में कैश सप्लाई किया जा रहा है। गाड़ी में दो लोग सवार थे। पुलिस ने जब दोनों से कैश के बारे में पूछा गया तो वह कोई डॉक्यूमेंट नहीं दिखा पाए। पुलिस ने पूरे पैसे जब्त कर लिए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पूछताछ में कार ड्राइवर ने बताया कि ये पैसे रायपुर के सोना चांदी व्यापारियों के हैं। कुछ 60 व्यापारियों को ये पैसे देने थे। लेकिन वैध डॉक्यूमेंट नहीं होने के कारण कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, कार, मोबाइल और नकदी सहित कुल 85 लाख 10 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है। कार सवार दोनों युवकों को हिरासत में लिया है। अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम इसकी जांच करेगी।

करंट लगने से युवक की मौत

गिरिडीह, 17 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के ताराटांड़ थाना क्षेत्र के फुलची गांव में करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान आनंद कुमार वर्मा (35 वर्ष), पिता रामचंद्र महतो, निवासी फुलची के रूप में की गई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, आनंद कुमार वर्मा अपने नए बन रहे घर में बिजली से जुड़ा काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक वह करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों ने बिना देर किए उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के चाचा अयोध्या प्रसाद ने बताया कि घर निर्माण के दौरान आनंद खुद ही बिजली का काम कर रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। आनंद कुमार वर्मा की शादी करीब 11 साल पहले हुई थी और उनके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनमें दो पुत्र और एक पुत्री शामिल हैं।

सूरजपुर में हाथी की मौत, केंद्र ने राज्य-सरकार से मांगी रिपोर्ट

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के करंजवार में 13 मार्च की सुबह खेत में 15 साल के हाथी की मौत के मामले में केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। वन्यजीव एक्टिविस्ट अजय दुबे की शिकायत के बाद पर्यावरण, वन-जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (प्रोजेक्ट एलीफेंट डिवीजन) ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जानकारी तलब की है।

मंत्रालय ने प्रमुख मुख्य वन संरक्षक को पत्र जारी कर जल्द से जल्द जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को गांव से करीब 200 मीटर दूर एक खेत में हाथी का शव मिला था। हाथी की सूंड पर काले निशान पाए जाने से करंट लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का अब तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है।

हाथी की मौत के कारणों की पुष्टि नहीं हो पाई है। आसपास करंट लगाए जाने के कोई स्पष्ट संकेत भी नहीं मिले हैं, जिस स्थान पर हाथी का शव मिला, वहां कोई संदिग्ध परिस्थिति नजर नहीं आई। ऐसे में मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। हाथी की सूंड के पास हल्का काला निशान जरूर दिखाई दिया है, लेकिन केवल देखने के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि यह निशान करंट लगने से ही हुआ है। सूरजपुर जिला सहित पूरे सरगुजा संभाग में पिछले सात सालों में अलग-अलग कारणों से 63 हाथियों की मौत दर्ज की गई है।

ईरान वॉर के बीच दो दिन 7.5% भाग गया अडानी का यह स्टॉक, आखिर क्या है वजह?

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। जहां एक ओर ईरान-इजराइल के बीच जंग छिड़ी है। वहीं, दूसरी ओर भारतीय शेयर बाजार में भंयकर उठापटक जारी है। दलाल स्ट्रीट युद्ध शुरू होने के बाद से ही ज्यादातर लाल ही बंद हुआ है। ऐसे में देश की बड़ी दिग्गज कंपनियों को तगड़ा डेंट लगा है।

मगर इसी बीच गौतम अडानी की एक कंपनी भी है, जिसने बीते दो दिनों में निवेशकों को 7.5 फीसदी से ज्यादा का शानदार रिटर्न दिया है। आइए उसके बारे में डिटेल से जानते हैं। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर के शेयरों में मंगलवार को 2% से अधिक की बढ़ोतरी हुई, जिससे हाल के प्रॉफिट में और इजाफा हुआ। कंपनी को एक बड़े ऑर्डर मिलने से निवेशकों मन में उसको लेकर पॉजिटिव सेंटीमेंट बना, जिसका असर शेयरों में रैली के तौर पर साफ देखा जा रहा है।

क्यों भाग रहा है शेयर

अडानी पावर के लिए महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी से लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) की घोषणा के बाद पिछले सत्र में 5% से अधिक की तेजी के बाद अडानी समूह के शेयर 157.50 रुपये पर पहुंच गए, जो तीन महीनों में इसका उच्चतम स्तर है। इसके साथ ही, पिछले दो कारोबारी सत्रों में शेयर में 7.5% की बढ़ोतरी हुई है।

सेंटीमेंट में हुआ सुधार

अडानी पावर ने बताया कि उसे एमएसईडीसीएल से अपने आगामी अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट से 1,600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए एलओए प्राप्त हो गया है। यह आपूर्ति प्रस्तावित 25 वर्षीय विद्युत आपूर्ति समझौते के तहत होगी और परिचालन वित्त वर्ष 2031 से शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने आगे कहा कि 15 मार्च को जारी अपने नियामक दस्तावेज के अनुसार, पहले वर्ष का निर्धारित टैरिफ 5.30 रुपये प्रति किलोवाट घंटा है।

अडानी पावर के सीईओ एसबी ख्यालिया ने कहा कि भारत में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है, ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लॉन्गटर्म और विश्वसनीय कैपेसिटी वृद्धि महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी सेक्शन 301 से हिल गया दुनिया का बाजार?

भारतीय निर्यात पर भी छाया संकट, भारतीय निर्यात पर भी छाया संकट

नई दिल्ली,17 मार्च(एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर साइन होने वाली है। लेकिन इससे पहले ही अमेरिका का 'सेक्शन 301' सामने आ गया है। अमेरिका ने ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत ट्रेड इन्वेस्टिगेशन शुरू की है। इस कदम से भारत जैसे देशों के निर्यात पर भारी टैरिफ, सख्त अनुपालन जांच और आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की गहरी निगरानी का खतरा मंडरा रहा है।

क्या है सेक्शन 301 कानून?

सेक्शन 301 एक अमेरिकी कानून है जिसका उपयोग अन्य देशों की अनुचित व्यापार प्रथाओं को चुनौती देने के लिए किया जाता है। इसके तहत यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव यह जांच करता है कि क्या किसी विदेशी देश की नीतियां भेदभावपूर्ण हैं या अमेरिकी कॉमर्स को बाधित कर रही हैं। इसमें इन चीजों पर एक्शन लिया जाता है: सुनवाई के बाद यूएसटीआर सबूतों की समीक्षा करेगा और निर्णय लेगा कि क्या भारत या अन्य देशों पर व्यापार प्रतिबंध या ऊंचे टैरिफ लगाए जाने चाहिए। अगर यूएसटीआर इन प्रथाओं को अनुचित पाता है, तो भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा करना महंगा और जटिल हो सकता है।

60 देशों पर जांच की आंच

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने धारा 301 के तहत 12 मार्च को एक जांच शुरू की जिसमें भारत और चीन सहित 60 देश शामिल हैं। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन अर्थव्यवस्थाओं की नीतियां और कार्यप्रणालियां (विशेषकर जबरन श्रम से बने सामान के आयात पर प्रतिबंध लागू न करने से जुड़ी) क्या अनुचित या भेदभावपूर्ण हैं और क्या वे अमेरिकी व्यापार को प्रभावित करती हैं। अमेरिका के धारा 301 के तहत शुरू की गई दो जांच के बारे में भारत ने भी अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। इस बारे में एक अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय इसके कानूनी प्रभाव का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा, 'इन जांच में समय लगता है। मेरा मानना है कि जब भविष्य में व्यापार समझौता का अंतिम रूप तय होकर इस पर हस्ताक्षर होने के साथ ही ये जांच स्वतः समाप्त हो जाएंगी।'

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 568 अंक चढ़ा, निफ्टी 23500 के पार

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। धातु और ऑटो शेयरों में तेजी और वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुझान के चलते बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गई और ये लगभग एक प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। रुपया 12 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 92.40 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 567.99 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 76,070.84 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 801.41 अंक या 1.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 76,304.26 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 172.35 अंक या 0.74 प्रतिशत चढ़कर 23,581.15 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, इटरनल के शेयरों में सबसे अधिक 5.70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और मारुति भी प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थे एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी 1.63 प्रतिशत बढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक मामूली रूप से ऊपर बंद हुआ। जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक नीचे बंद हुए। यूरोप के बाजारों में तेजी देखी गई। सोमवार को अमेरिकी बाजार भी तेजी के साथ बंद हुआ। रिसर्च एनालिस्ट और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद ने कहा कि लगातार दूसरे सत्र में भारतीय शेयर बाजारों में सुधार जारी रहा, जिसका कारण अस्थिरता में कमी और चुनिंदा क्षेत्रों में मजबूती थी, हालांकि बाजार के व्यवहार को प्रभावित करने वाला अंतर्निहित सतर्कता का माहौल बना हुआ है। एक प्रमुख सकारात्मक पहलू भारत के वीआईएक्स में आई तेज गिरावट थी, जो 8 प्रतिशत गिरकर 20 से नीचे के स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर देखा जाए तो ऑटोमोबाइल क्षेत्र में तेजी का नेतृत्व रहा, निफ्टी ऑटो इंडेक्स में 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 2.44 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 102.7 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 9,365.52 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ईपीएफओ 3.0 को लेकर आया बड़ा अपडेट

अब सिर्फ इतने दिन में निकाल सकते हैं पैसा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने लोकसभा में ईपीएफओ 3.0 को लेकर अहम जानकारी साझा की है। इस नए सिस्टम के तहत क्लेम निपटान को तेज किया गया है, पेंशन भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है और प्रक्रियाओं को काफी आसान कर दिया गया है। श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बताया कि ईपीएफओ 3.0 के जरिए सेवाओं को डिजिटल बनाया जा रहा है, जिससे लोगों को कम समय में ज्यादा सुविधा मिल सके।सरकार के अनुसार, सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट सिस्टम अब पूरी तरह लागू हो चुका है।

1 जनवरी 2025 से ईपीएफओ के सभी दफ्तर इस सिस्टम पर काम कर रहे हैं। इससे हर महीने 70 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को समय पर और बिना गलती के पेंशन मिल रही है।

ऑटो मोड में सेटल हो रहे क्लेम

क्लेम निपटान के मामले में भी बड़ा सुधार देखने को मिला है। 25 फरवरी 2026 तक 5 लाख रुपये तक के 3.52 करोड़ से ज्यादा क्लेम ऑटो मोड में निपटाए गए हैं। चालू वित्त वर्ष में कुल एडवांस क्लेम में से 71.37% क्लेम बिना मैनुअल के पूरे किए गए, जिनमें करीब 51,620 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

खुद से ट्रांसफर हो रहा पैसा

नौकरी बदलने वाले कर्मचारियों के लिए ईपीएफ अकाउंट ट्रांसफर की प्रक्रिया भी अब काफी आसान हो गई है। 25 फरवरी 2026 तक 70.54 लाख से ज्यादा ट्रांसफर क्लेम अपने आप शुरू हुए, जिसमें कर्मचारी या नियोक्ता की भूमिका नहीं रही।

केवाईसी पूरा होने पर अब पुराने या नए नियोक्ता की मंजूरी भी जरूरी नहीं है। इसके अलावा 21.39 लाख से अधिक कर्मचारियों ने बिना नियोक्ता की मदद के ट्रांसफर क्लेम जमा किए।

3 दिन में सेटल हो रहा क्लेम

ईपीएफओ 3.0 एक बड़ा डिजिटल सुधार है, जिसका उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल बनाना और कागजी काम को कम करना है। अब अधिकतर सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। सबसे अहम बात यह है कि पहले जहां क्लेम निपटाने में 20 दिन तक का समय लगता था, अब वही काम 3 दिन से भी कम समय में पूरा हो रहा है।

चांदी आज 5 हजार बढ़कर 2.54 लाख पर पहुंची

सोना 300 बढ़कर 1.56 लाख का हुआ, इस साल कीमत 23 हजार बढ़ चुकी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दामों में आज यानी 17 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 300 रुपए बढ़कर 1.56 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी 5 हजार रुपए बढ़कर 2.54 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, 29 जनवरी को सोने की कीमत 1.76 लाख रुपए और चांदी के दाम 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थे। इसके बाद से इनकी कीमत में काफी गिरावट आ चुकी है।

इसलिए इनकी खरीदारी देखने को मिल रही है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.56 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 23 हजार बढ़ चुकी है। वहीं चांदी भी इस दौरान 24 हजार रुपए महंगी हुई है।

गैस की कमी से दवाओं पर भी गंभीर संकट, 10 दिन में प्रोडक्शन रोक सकती हैं 200 कंपनियां

नई दिल्ली,17 मार्च(एजेंसियां)। गैस संकट का असर अब दवा उद्योग पर भी दिखने लगा है। प्रोपेन गैस का इस्तेमाल रिएक्टर्स और स्टीम जेनरेशन में होता है। लेकिन इसकी भारी कमी के कारण **गुजरात, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश** की कई कंपनियों को अपना उत्पादन बंद करना पड़ सकता है। इससे पैरासिटामोल, विटामिन और हॉरमोंस जैसी जरूरी मेडिसिन का प्रोडक्शन प्रभावित हुआ है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि बॉयलर ऑपरेशन पर काफी असर पड़ा है और इससे उत्पादन में कमी हो सकती है। इससे आने वाले कुछ दिनों में देश में दवाओं की कमी हो सकती है।

भारत में कई एपीआई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं जो कई जरूरी दवाएं बनाती हैं। इनमें पैरासिटामोल, मेटफॉर्मिन, मेट्रोनिडाजोल, डाइक्लोफैनेक और निमेसुलाइड, सिप्रोफ्लोक्सेसिन, फॉलिक एसिड और विटामिन सी शामिल हैं। फार्मेक्सिल के पूर्व चेयरमैन दिनेश दुआ का कहना है कि करीब 200 मैन्युफैक्चरर्स अगले 7 से 10 दिन में अपना प्रोडक्शन बंद कर सकते हैं। इससे जरूरी दवाओं के उत्पादन पर असर हो सकता है।

प्रोपेन का यूज कहां होता है?

भारत में दवा उद्योग में बॉयलर में मुख्य रूप से फ्यूल के रूप में प्रोपेन का इस्तेमाल होता है। इंडस्ट्री के एक एक्सपर्ट ने कहा कि ईरान युद्ध के कारण एलएनजी आयात के रास्ते बंद हो गए हैं। इससे सप्लाई में काफी गिरावट आई है और गैस की कीमत में भारी बढ़ोतरी से कंपनियों को

उत्पादन जारी रखना मुश्किल हो रहा है। भारत ग्लोबल मार्केट्स में एपीआई का एक प्रमुख सप्लायर है लेकिन इस संकट के कारण उसकी पोजीशन को खतरा हो सकता है। एक्सपर्ट ने कहा कि गैस संकट के कारण देश में दवाओं का कमी हो सकता है। पैरासिटामोल, सिरिंजेज और दस्तानों की सप्लाई टाइट हो सकती है। बल्क ड्रग बनाने वाली कंपनियों ने भी एलपीजी की कमी पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इससे कई जीवन रक्षक दवाओं खासकर इंजेक्टेबल दवाओं का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इंडस्ट्री स्टरलाइजेशन, ग्रेनुलेशन प्रोसेस और बॉयलर ऑपरेशंस में एलपीजी का इस्तेमाल होता है। सरकार ने घरों में एलपीजी की सप्लाई को प्राथमिकता दी है और जमाखोरी तथा कालाबाजारी को रोकने के लिए कदम उठाए हैं। इंडस्ट्री उसी तरह की छूट चाहती है जिस तरह कोरोना काल में दी गई थी। तब दवा कंपनियों को आवश्यक वस्तु की सूची के तहत मैन्युफैक्चरिंग की अनुमति दी गई थी। प्रोडक्शन के प्रभावित होने से घरेलू मरीजों और इंटरनेशनल फार्मा सप्लाई चेन पर व्यापक असर होगा।

क्या टलेगी दिग्गज आईपीओ की लिस्टिंग?

ग्लोबल टेंशन ने बढ़ाई कंपनियों की धड़कनें, दांव पर लगे हैं 70,000 करोड़

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते जियो पॉलिटिकल टेंशन का असर भारत की आईपीओ पाइपलाइन पर पड़ रहा है।

इस साल जियो प्लेटफॉर्म्स, फ्लिपकार्ट इंटरनेट, ज़ेप्टो, फोनपे और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट जैसी कंपनियों के लगभग 70,000 करोड़ रुपए के मेगा आईपीओ बाज़ार में आने की उम्मीद है। यह जोखिम ऐसे समय में सामने आया है, जब लिस्टिंग के लिहाज से दो रिकॉर्ड-तोड़ सालों के बाद, 2026 की शुरुआत में ही भारत का प्राइमरी मार्केट सुस्त रहा है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, 2026 की पहली तिमाही में कंपनियों ने आईपीओ के जरिए लगभग 16,000 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि पिछले साल इसी दौरान यह आंकड़ा 19,000 करोड़ रुपए था।

लिस्टिंग का प्रदर्शन भी कमजोर रहा है। पिछले नौ मेनबोर्ड आईपीओ में से सात की शुरुआत नेगेटिव लिस्टिंग गेन के साथ हुई, जो इक्विटी मार्केट में हालिया गिरावट के बीच निवेशकों के सतर्क रवैये की ओर इशारा कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ईरान संघर्ष समेत बढ़ते जियो

पॉलिटिकल जोखिम, ग्लोबल मार्केट्स में अस्थिरता बढ़ा रहे हैं और कंपनियों को अपने पब्लिक ऑफरिंग के समय पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। इसका एक हालिया उदाहरण फ़ोनपे है, जिसने जियो पॉलिटिकल अनिश्चितता और बाजार की अस्थिरता का हवाला देते हुए अपने आईपीओ की योजनाओं को टालने का फ़ैसला किया। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, निवेशक कंपनी के पहले से तय 15 अरब डॉलर के वैल्यूएशन से कम की डिमांड कर रहे थे।

इससे पता चलता है कि अस्थिर बाजार, कीमतों को लेकर बनी उम्मीदों पर कितना दबाव डाल सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अगर अगले कुछ महीनों में हालात स्थिर नहीं होते हैं, तो आने वाले महीनों में होने वाली कई बड़ी लिस्टिंग के लिए भी इसी तरह की वैल्यूएशन संबंधी चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

तेल 200 पहुंचा तो इंडियन इकॉनमी को हो सकता है भारी नुकसान, महंगाई बेकाबू होने का खतरा

नई दिल्लीः पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। हाल में इसकी कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थी। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका और इजरायल ने उसके खिलाफ हमले नहीं रोके तो क्रूड की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। इसका भारतीय इकॉनमी पर व्यापक असर हो सकता है क्योंकि हम दुनिया के टॉप तेल आयातकों में से एक हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी तेल आयात करता है। इसमें से अधिकांश तेल पश्चिम एशिया से आता है। लेकिन वहां से सप्लाई बाधित होने के कारण देश की इकॉनमी पर व्यापक असर पड़ सकता है।

कंसल्टेंसी फर्म वुड मैकेंज़ी का कहना है कि होर्मुज की खाड़ी में लंबे समय तक संकट रहता है तो रोजाना 5 मिलियन बैरल कच्चे तेल की सप्लाई बाधित हो सकती है। यह टोटल ग्लोबल सप्लाई का करीब 15 फीसदी है। इससे कच्चे तेल की कीमत 150 से 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। नुवामा वेल्थ का अनुमान है कि चार से आठ हफ्ते में कच्चा तेल 110 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। आईएमएफ के पूर्व चीफ इकनॉमिस्ट ओलीवियर ब्लांचार्ड ने कहा कि अगर होर्मुज की खाड़ी से शिपिंग में दिक्कत बनी रही तो तेल 200 डॉलर तक पहुंच सकता है।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि सप्लाई बाधित होने के कारण तेल की कीमत में तेजी आती है। 2008 में यह 147 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। भारत के लिए कच्चे तेल की कीमत में तेजी का मतलब है चालू खाते के घाटे में उछाल, रुपये की कीमत में गिरावट और मंहगाई का दबाव। चूंकि क्रूड की खरीदारी डॉलर में होती है तो कीमत बढ़ने से आयात बिल बढ़ जाएगी, चालू खाते के घाटे में उछाल आएगी और रुपये पर दबाव बढ़ेगा। कच्चे तेल की कीमत में 10 फीसदी बढ़ोतरी से महंगाई में 40 से 50 बेसिस पॉइंट की तेजी आएगी। एनालिस्ट्स का कहना है कि अगर कच्चा तेल 130 डॉलर प्रति बैरल भी जाता है तो इससे जीडीपी ग्रोथ स्लो हो सकता है। देश के नीति-निर्माताओं के सामने भी बड़ा धर्मसंकट है। अगर फ्यूल की कीमत बढ़ती है तो इससे महंगाई बढ़ेगी और जनाक्रोश बढ़ेगा। दूसरी ओर, अगर सरकार टैक्स में कटौती करती है या सब्सिडी देती है तो इससे सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ेगा। अगर कच्चे तेल में लंबे समय तक तेजी रहती है तो सरकार को इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर जाने वाला पैसा हायर एनर्जी बिल को मैनेज करने में लगाना होगा।

तेल कंपनियों की मुश्किल

कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सरकारी

ऑयल मार्केट कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 20 फीसदी गिरावट आई है। एचएसबीसी ने तीनों ऑयल कंपनियों के मार्जिन पर रिस्क को देखते हुए उन्हें बाय से होल्ड में डाल दिया। कच्चे तेल की कीमत में तेजी से पेंट, एविएशन, ऑटो और फर्टिलाइजर्स सेक्टर पर भी व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। इन सेक्टरों में क्रूड से जुड़े प्रोडक्ट्स कच्चे माल के रूप में यूज किए जाते हैं। एनालिस्ट्स का कहना है कि तेल के अलावा नेचुरल गैस की सप्लाई में दिक्कत भी भारत को बहुत भारी पड़ सकती है। भारत को सबसे ज्यादा गैस सप्लाई करने वाले देश कतर ने एलएनजी का प्रोडक्शन रोक दिया है। भारत की 40 से 50% सप्लाई इसी देश से आती है। इससे पेट्रोनेट एलएनजी, गेल इंडिया और गुजरात गैस की दिक्कत बढ़ सकती है। एलएनजी की कीमत शॉर्ट टर्म में 14 से 18 डॉलर और लॉन्ग टर्म में 30 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच सकती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
मीन....	06-15	बजे
मेष.....	07-52	बजे
वृष....	09-36	बजे
मिथुन..	11-37	बजे
कर्क...	13-49	बजे
सिंह---	16-01	बजे
कन्या--	18-08	बजे
तुला----	20-13	बजे
वृश्चिक..	22-23	बजे
धनु.....	00-36	बजे
मकर...	02-43	बजे
कुंभ....	04-33	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत

महावीर निर्वाण संवत् -2551

सूर्योदय 06-25
सूर्यास्त. 18 -23

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष. - 426874

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले

मास - चैत्र कृष्ण पक्ष बुधवार 18 March 2026

तिथि - चतुर्दशी 08-25 तक उपरान्त अमावस्या

नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 05-21 रात तक उप उभाद्रपद

योग - शुभ 04-01 तक उप शुक्ल

करण - शकुनि 08-25 तक उप चतुष्पाद

पंचक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-24 से 13-55 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-25 - 07-53	शुभ
अमृत	07-53 - 09-24	शुभ
काल	09-24 - 10-54	अशुभ
शुभ	10-54 - 12-24	शुभ
रोग	12-24 - 13-55	अशुभ
उत्पात	13-55 - 15-25	अशुभ
चंचल	15-25 - 16-55	शुभ
लाभ	16-55 - 18-23	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-23 - 19-55	अशुभ
शुभ	19-55 - 21-25	शुभ
अमृत	21-25 - 22-54	शुभ
चंचल	22-54 - 00-24	शुभ
रोग	00-24 - 01-54	अशुभ
काल	01-54 - 03-23	अशुभ
लाभ	03-23 - 04-53	शुभ
उत्पात	04-53 - 06-25	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है । यह एक पदोन्नति , वेतन वृद्धि , एक नई जिम्मेदारी , एक नया इच्छित स्थान , एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

ऊर्जा और मौलिकता आपके करियर के प्रयासों में सहायक होंगे। आप अवसरों को जल्दी पहचान लेते हैं, लेकिन बहस में जल्दबाज़ी करने से बचें। तार्किक सोच कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद करती है। शिक्षा के क्षेत्र में, स्थिर रहें और दूसरों की आलोचना करने से बचें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन आपके लिए काफी हद तक उत्तम रहेगा । कुछ मुश्किल कार्य जो की आपने समय पर छोड़ दिए थे उन्हें पूरा करने का भी ये उचित समय है । आज के दिन आप अपने सारे रुके हुए कार्य अपनी उम्मीद से ज्यादा पूरा कर पायेंगे और सारा काम का भोज आज खत्म हो सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बेणेश्वर धाम से सीएम का बड़ा सियासी दांव

80 नेताओं से बंद कमरे में चर्चा; पंचायत चुनाव का बनाया रोडमैप

बांसवाड़ा, 17 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेणेश्वर धाम में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के मंच से वागड़ की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने आगामी पंचायत चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को एकजुटता का मंत्र दिया।

कार्यक्रम के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और उदयपुर ग्रामीण के 78 भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से बंद कमरे में चर्चा की। इनमें मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष, महामंत्री सहित 50 प्रतिनिधि बांसवाड़ा डूंगरपुर क्षेत्र से थे।

आने वाले चुनावों में वागड़ क्षेत्र निभाएगा निर्णायक भूमिका

उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में वागड़ क्षेत्र निर्णायक भूमिका निभाएगा। कार्यकर्ताओं को कहा कि सरकार बनाने वाले कार्यकर्ता हैं और वे पार्टी की रीढ हैं। बेणेश्वर को डवलप करने का कार्य जो सरकार ने हाथ में लिया है। उसका रोडमैप बनाकर कार्यकर्ता घर-घर पहुंचे और राज्य आमजन के बीच बेणेश्वर सहित सरकार की योजनाओं के बारे में बताएं। यदि

राज्य सरकार के स्तर पर योजनाओं को लेकर कोई समस्या है तो उन्हें बताएं।

इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, सहकारिता मंत्री गौतम दक, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, जनजातीय मंत्री बाबूलाल खराड़ी, गढ़ी विधायक कैलाश मीणा, सागवाड़ा विधायक शंकरलाल देचा, एसटी मोर्चा के अध्यक्ष एवं जहाजपुर विधायक गोपीचंद आदि मौजूद रहे।

1902 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सलूम्बर और सिरोही जिलों के लिए 1902 करोड़ रुपए की लागत के 326 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मानगढ़, बेणेश्वर धाम और त्रिपुरासुंदरी के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

बीएपी और कांग्रेस पर कसा तीखा तंज

सीएम ने बीएपी और कांग्रेस पर नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग वागड़ क्षेत्र के युवाओं को भड़का कर उन्हें गलत दिशा में ले जाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग जीतकर नेता बने, वे क्षेत्र में विकास कार्य नहीं करा पाए और अब अपने कामों के लिए जयपुर में चक्कर काट रहे है।

वागड़ के विकास के लिए पूर्ववर्ती सरकार ने 70 साल इंतजार कराया। बेणेश्वर धाम विकास के लिए 100 करोड का बजट दिया है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुए पेपर लीक मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय किया।

पार्टी कहेगी तो सत्ता की राजनीति से संन्यास लेकर समाजसेवा करूंगा : किरोड़ीलाल मीणा

अलवर, 17 मार्च (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के समय पेपर लीक, जल जीवन मिशन सहित कई घोटालों पर वर्तमान भजन लाल सरकार की ओर से की गई कार्रवाई को कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा 'संतोषजनक' मानते हैं।

किरोड़ी लाल ने कहा पेपर लीक में अब भी बड़ी मछलियां पकड़ से दूर हैं, तो उन्होंने कहा कि कार्रवाई काफी हुई है, लेकिन अब भी कई बड़े आरोपी पकड़ में नहीं आए हैं। मीणा ने कई सवालों का जवाब बेबाकी से दिया।

अभियान सतत प्रक्रिया है। इसे बंद नहीं किया गया है। अभी सीजन नहीं है, इसलिए कार्रवाई कम हो रही है। हमारे अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मैं भी कई बार खुद जांच करने जाता हूं।

पेपर लीक, जेजेएम घोटाले पर वर्तमान सरकार की कार्रवाई संतोषजनक। सरकार ने काफी कार्रवाई की है, लेकिन बड़ी मछलियां अब भी पकड़ से दूर हैं। उम्मीद है कि सरकार उन पर भी कार्रवाई करेगी।

वर्तमान में भी हमारी पार्टी के मंत्री और विधायक अच्छे हैं। प्रश्नों का सदन में जिम्मेदारी से जवाब देते हैं। हां, कई वरिष्ठ अभी सदन में नहीं हैं। उनका लंबा अनुभव था। कई बार उनकी कमी खलती है।

विपक्ष वैसी भूमिका नहीं निभा पा रहा है, जैसी उसे निभानी चाहिए। जनता से जुड़े मुद्दों पर कई बार विपक्ष के नेता मौन हो जाते हैं। जनहित के लिए सड़क पर उतरकर विपक्ष ने अभी तक कोई बड़ा आंदोलन नहीं किया।

ऐसा नहीं है। जब मुझे लगता है कि काम ठीक नहीं हो रहा है या कार्रवाई में विलंब होने की वजह से आमजन को राहत नहीं मिल रही है, तब सीएम व अन्य नेताओं का उनकी ओर ध्यान आकर्षित करता हूं।

कुछ ऐसे मुद्दे थे, जिनका समाधान उनके स्तर पर ही हो सकता है। वे वरिष्ठ नेता हैं, इसलिए उनसे मिलने गया था। मैंने ही वक्त लिया था। उनके साथ बैठा और कई मुद्दों पर चर्चा की है।

वसुंधरा राजे दो बार सीएम रही हैं। नेता प्रतिपक्ष सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं। उनका सक्रिय होना अच्छी बात है और इसका जनता को फायदा मिलेगा।

भाजपा ने 75 साल की उम्र तय कर रखी है। अब मैं 73 का हो चुका हूं। पार्टी कहेगी तो सत्ता की राजनीति से संन्यास लेकर समाजसेवा करूंगा।

नई पीढ़ी सुविधा की राजनीतिक नहीं करे। शुचिता की राजनीति करे। जनता के बीच रहकर जन समस्याओं को दूर करने का काम करे। राजनीति मूल्य आधारित होनी चाहिए।

अवैध गैस रिफिलिंग पर बड़ी कार्रवाई

56 सिलेंडर और उपकरण जब्त

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर शहर में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर गठित तीन विशेष प्रवर्तन दलों ने शहर के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर कुल 56 घरेलू और व्यवसायिक गैस सिलेंडर तथा रिफिलिंग में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए हैं। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित टीमों ने कार्रवाई के दौरान 4 इलेक्ट्रॉनिक मोटर, 4 कांटे और 3 रेगुलेटर (रबर पाइप सहित) भी जब्त किए। संबंधित आरोपियों के खिलाफ पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस की सूचना पर ब्रह्मपुरी क्षेत्र में छापेमारी के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग का मामला सामने आया।

पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा दांव बदल डाली ये टीम- नए नेताओं को कमान

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए कांग्रेस ने अपनी सांगठनिक मशीनरी को धार देना शुरू कर दिया है। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने अलवर, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, ब्यावर और जोधपुर जिलों के विभिन्न शहरों के लिए नए नगर अध्यक्षों की घोषणा की। पार्टी का मुख्य फोकस उन क्षेत्रों पर है जहां पिछले चुनावों में प्रदर्शन कमजोर रहा था या जहां नए राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं।

डोटासरा द्वारा जारी सूची में राज्य के प्रमुख राजनीतिक गढ़ों को कवर किया गया है - अलवरः यहाँ संगठन को और अधिक आक्रामक बनाने के लिए अनुभवी चेहरों को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

भीलवाड़ाः भीलवाड़ा शहर और

आसपास के निकायों के लिए नई नियुक्तियां की गई हैं।

जोधपुरः पूर्व मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र और मारवाड़ की राजनीति के केंद्र जोधपुर में संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की कोशिश की गई है। डीडवाना-कुचामन और ब्यावरः ये नवगठित जिलों के अंतर्गत आने वाले महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहाँ कांग्रेस अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद प्रदेश में 15 अप्रैल 2026 तक पंचायत चुनाव संपन्न कराने की हलचल तेज है।

रणनीतिः इन नगर अध्यक्षों की नियुक्ति का सीधा संबंध पंचायत और निकाय चुनावों की माइक्रो-प्लानिंग से है। नगर अध्यक्ष न केवल शहरी वोट बैंक को संभालेंगे, बल्कि आसपास की ग्राम पंचायतों में पार्टी के प्रचार और उम्मीदवार चयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दो बच्चों का कानूनः राज्य सरकार द्वारा पंचायत चुनाव लड़ने के लिए 'दो बच्चों की बाध्यता' को समाप्त करने के बाद अब उम्मीदवारों की संख्या बढ़ने वाली है। ऐसे में डोटासरा की यह नई टीम योग्य और जिताऊ चेहरों की स्क्रीनिंग में मदद करेगी। पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वे केवल उन नेताओं को आगे ला रहे हैं जो धरातल पर सक्रिय हैं। इन 13 नियुक्तियों में स्थानीय विधायकों और जिलाध्यक्षों की राय को भी तवज्जो दी गई है ताकि चुनाव के समय पार्टी में कोई 'अंतर्कलह' न हो। कांग्रेस का लक्ष्य बीजेपी के 'एक राज्य, एक चुनाव' के नैरेटिव के खिलाफ अपनी जमीनी पकड़ साबित करना है।

पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह की 'दूसरी शादी' पर बवाल!

पहली पत्नी की मौत पर सीबीआई जांच की मांग हुई तेज

जोधपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मारवाड़ की राजनीति और सामाजिक गलियारों में इन दिनों एक ही नाम चर्चा का केंद्र बना हुआ है पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह जसोल। उनकी कथित दूसरी शादी की खबरों ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे चारण समाज को झकझोर कर रख दिया है। जोधपुर के नागौरी गेट स्थित चारण छात्रावास में मारवाड़ प्रांतीय चारण सभा की एक आपात और गर्मागरम बैठक हुई, जिसमें समाज ने मानवेंद्र सिंह के खिलाफ 'आर-पार' की जंग का ऐलान कर दिया है।

अखिल भारतीय चारण गढ़वी महासभा के अध्यक्ष सीडी देवल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में समाज के प्रबुद्धजनों ने एक स्वर में मानवेंद्र सिंह के कथित कदम की निंदा की। सभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया कि समाज अब से जसोल के किसी भी सार्वजनिक या निजी कार्यक्रम में शामिल नहीं होगा। इतना ही नहीं, जिस लड़की और परिवार के साथ उनके विवाह की चर्चा है, समाज ने उनका भी पूर्ण बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। सीडी देवल ने स्पष्ट कहा कि यह कदम हमारी सामाजिक मर्यादाओं के विरुद्ध है और इसे कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस विवाद ने दो साल पुराने उस जख्म को भी हरा कर दिया है, जिसने पूरे मारवाड़ को रुलाया था। 30 जनवरी 2024 को अलवर के पास एक सड़क हादसे में मानवेंद्र सिंह की पत्नी चित्रा सिंह की दर्दनाक मौत हो गई थी। अब चारण समाज ने इस हादसे पर गंभीर संदेह जताते हुए इसकी सीबीआई जांच की मांग उठाई है। समाज का कहना है कि परिस्थितियों को देखते हुए इस मामले की तह तक जाना जरूरी है ताकि सच सामने आ सके।

सामाजिक बहिष्कार के साथ-साथ अब यह मामला राजनीतिक रूप भी ले चुका है। चारण सभा ने भारतीय जनता पार्टी के आलाकमान से मांग की है कि मानवेंद्र सिंह जसोल को तुरंत पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

बारात में डीजे पर नाचने को लेकर विवाद, युवक की बेरहमी से हत्या

सवाई माधोपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। शहर के सीमेंट फैक्ट्री इलाके में एक शादी समारोह में उस समय मातम पसर गया, जब डीजे पर नाचने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी झड़प में बदल गया। बारात में शामिल कोटा निवासी 28 वर्षीय युवक विशाल पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मानटाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता के अनुसार रात करीब साढ़े दस बजे बारात संजय कलोशिया के घर आई थी। इसी दौरान डीजे पर नाचने को लेकर कुछ युवकों में कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ा कि गुस्साए युवकों ने विशाल पर चाकू से वार कर दिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक विशाल, कोटा के शकरपुरा थाना क्षेत्र की काली बस्ती का रहने वाला था। पिता रघुवीर चंद ने मानटाउन थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना की खबर फैलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। शादी की खुशियां मातम में बदल गईं और लोग स्तब्ध रह गए कि महज डीजे पर नाचने की बात इतनी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है।

5 बच्चों के पिता ने 21 साल की प्रेमिका का गला काटकर खुद की नसें काटी, पता चल गई थी शादीशुदा होने की बात

भरतपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। भरतपुर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र में युवती की गला काटकर हत्या करने के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अतिरिक्त सेशन न्यायाधीश (महिला उत्पीड़न प्रकरण) न्यायालय ने आरोपी सोनू प्रसाद शर्मा पुत्र पप्पू शर्मा निवासी नौनेरा, थाना जुरहरा जिला डीग को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

मामले में परिवादी और पीड़ित पक्ष की ओर से अधिवक्ता विवेक हथैनी ने पैरवी की। पूरे प्रकरण में कुल 15 गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जिनके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। अधिवक्ता के अनुसार यह घटना 20 मार्च 2024 की है। उस समय मथुरा गेट थाना क्षेत्र के पटपरा मोहल्ला में जगन सिंह के मकान में सोनू शर्मा किराये के कमरे में रहता था।

बताया गया कि सोनू ने सहयोग क्षेत्र की रहने वाली 21 वर्षीय पूनम शर्मा को झूठे प्रेम जाल में फंसा लिया था। दोनों के बीच लंबे समय से बातचीत और मुलाकात का सिलसिला चल रहा था। युवती को यह जानकारी नहीं थी कि सोनू पहले से शादीशुदा है और उसके पांच बच्चे भी हैं। आरोपी ने यह बात काफी समय तक उससे छिपाकर रखी।

कुछ समय बाद किसी माध्यम से पूनम को सोनू की शादी और उसके बच्चों के बारे में पता चल गया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद होने लगा। इस बात को लेकर दोनों के रिश्ते में तनाव बढ़ गया। बताया गया कि घटना वाले दिन सोनू ने पूनम को अपने किराये के कमरे पर बुलाया था। वहां दोनों के बीच बातचीत के दौरान कहासुनी बढ़ गई और विवाद गहरा गया।

इसी दौरान आरोपी ने गुस्से में आकर धारदार हथियार से पूनम की गर्दन पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वार इतना गंभीर था कि युवती की जान नहीं बच सकी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपने हाथ की नसें काटकर आत्महत्या करने का प्रयास भी किया।

हाईकोर्ट से डी.डी. कुमावत को बड़ी राहत, आरसीए कन्वीनर पद से हटाने की याचिका खारिज

जोधपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े एक महत्वपूर्ण विवाद में राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने एड-हॉक कार्यकारिणी समिति के कन्वीनर डी.डी. कुमावत को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उन्हें पद से हटाने की मांग को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने अपने निर्णय में कहा कि जब किसी व्यक्ति के खिलाफ तय किए गए आपराधिक आरोप ही अदालत द्वारा निरस्त कर दिए गए हों, तो उनके आधार पर अयोग्यता नहीं मानी जा सकती। हाईकोर्ट के निर्णय के बाद डी.डी. कुमावत ने दोबारा आरसीए कन्वीनर के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। इस दौरान उनके समर्थक और आरसीए से जुड़े कई लोग कार्यालय पहुंचे। समर्थकों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की।

इतनी हिमाकत ! प्रधानमंत्री की 'योजना' में मांग रहा था घूस, रंगे हाथों एसीबी के हत्थे चढ़ा

झुंझुनू, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए जिला उद्योग केंद्र के सहायक (असिस्टेंट) नीरज कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत एक बेरोजगार युवा के आवेदन को मंजूर करने की एवज में रिश्वत की मांग की थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ झुंझुनूं एसीबी की इस कार्रवाई से पूरे महकमे में हड़कंप मच गया है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम केंद्र सरकार की एक ऐसी पहल है जिससे युवाओं को अपना खुद का स्टार्टअप या उद्योग शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है।

भ्रष्टाचार की जड़ः आरोपी नीरज कुमार ने इसी योजना के तहत परिवादी के आवेदन को आगे बढ़ाने और उसे तकनीकी रूप से मंजूर करवाने के लिए अवैध राशि की मांग की। जब परिवादी रिश्वत की राशि देने पहुँचा, तो एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को 2500 रुपये की नकदी के साथ रंगे हाथों दबोच लिया।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र पूनिया के निर्देशन में इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

ट्रेन में प्रसव पीड़ा, जीआरपी ने महिला को पहुंचाया अस्पताल, कांस्टेबल ने खून देकर बचाई जान

सवाईमाधोपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए रेलवे पुलिस ने एक गर्भवती महिला और उसके नवजात की जान बचा ली। ट्रेन में सफर के दौरान अचानक प्रसव पीड़ा शुरू होने पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन मौके पर मौजूद जीआरपी टीम ने तुरंत मदद करते हुए महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया। हालात गंभीर होने पर एक कांस्टेबल ने आगे बढ़कर रक्तदान किया, जिससे मां और बच्चे की जान बच सकी।

जीआरपी थानाधिकारी हरिमन मीणा ने बताया कि रविवार रात को आरती देवी नामक महिला ट्रेन से जयपुर से मुंबई जा रही थी। यात्रा के दौरान अचानक उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। हालात गंभीर देख महिला को सवाईमाधोपुर रेलवे स्टेशन पर उतारा गया और एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया।

चलती ट्रेन में अचानक प्रसव पीड़ा शुरू होते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। महिला दर्द से कराह रही थी और आसपास मौजूद लोग मदद के लिए जुट गए। इसी बीच सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस टीम हरकत में आई और तुरंत स्थिति संभालते हुए महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की, जहां समय रहते इलाज मिलने से बड़ा हादसा टल गया। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ी। इस पर जीआरपी कांस्टेबल दाताराम ने तुरंत रक्तदान किया, जिससे महिला का इलाज सुचारू रूप से हो सका। समय पर रक्त मिलने से महिला सुरक्षित प्रसव कर सकी और रात 9 बजकर10 मिनट पर एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया।

कांस्टेबल दाताराम के इस सराहनीय कदम की अस्पताल स्टाफ और आमजन ने प्रशंसा की। पुलिस की इस मानवीय पहल ने एक बार फिर साबित किया कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत पड़ने पर समाज के लिए जीवनरक्षक भूमिका भी निभाती है।

राजस्थान में इससे पहले भी चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा के मामले सामने आ चुके है। पिछले साल 8 दिसंबर को जयपुर से अलवर जा रही भुज-बरेली ट्रेन में नवजात की किलकारी गूंजी थी। दौसा रेलवे स्टेशन से पहले ही एक गर्भवती महिला को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो डिब्बे में मौजूद यात्रियों ने तुरंत मदद की थी।

आधी रात टोल प्लाजा पर बदमाशों का तांडव

जमकर तोड़फोड़, कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

टोंक, 17 मार्च (एजेंसियां)। टोंक जिले के उनियारा क्षेत्र के नेशनल हाईवे 148डी स्थित पलाई टोल प्लाजा पर अज्ञात बदमाशों द्वारा देर रात जमकर उत्पात मचाने और तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और टोल कर्मचारियों में दहशत का माहौल बन गया। बदमाशों की यह पूरी करतूत टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

टोल कर्मचारी के अनुसार घटना रात करीब 12 बजे की है, जब तीन गाड़ियां टोल प्लाजा की लेन नंबर 2 पर आकर रुकीं। गाड़ियों से उतरे युवकों ने बिना किसी बातचीत या विवाद के सीधे टोल बूथों पर हमला बोल दिया। हमलावरों के हाथों में हथियार भी बताए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में भय और बढ़ गया। पुलिस मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बदमाशों ने बिना किसी उकसावे के अचानक तोड़फोड़ शुरू कर दी। हालात इतने बिगड़ गए कि वहां मौजूद कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए मौके से भागने को मजबूर हो गए। हमले के दौरान टोल बूथ, कंप्यूटर सिस्टम और अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है।

20 मार्च को चलेगी तूफानी हवा

होगी ओलावृष्टि, ओरेंज अलर्ट जारी

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने 18 से 20 मार्च के बीच पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा, तूफानी हवाओं और ओलावृष्टि की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम अस्थिर रहेगा।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 18 मार्च को जयपुर, बीकानेर और शेखावटी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और तेज़ हवाओं के साथ मेघगर्जन होने की संभावना है।
अन्य कुछ हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। 19 और 20 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ का असर और बढ़ जाएगा। इस दौरान जयपुर, बीकानेर, अलवर, भरतपुर, उदयपुर और कोटा संभाग के कई हिस्सों में मेघगर्जन और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है।

किसानों और आमजन के लिए मौसम सुझाव

मौसम विभाग ने किसानों से कहा है कि वे खुले में रखी फसलें, कृषि उपकरण और पशुधन को सुरक्षित स्थान पर रखें। विशेषकर गेहूं और सरसों की फसल को कवर करके रखें ताकि तेज हवाओं और बारिश से नुकसान न हो। आमजन से अपील की गई है कि वे अनावश्यक बाहर निकलने से बचें और भारी बारिश या तूफानी हवाओं के समय सतर्क रहें।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में आने वाले बदलाव के चलते प्रदेश में अस्थिर परिस्थितियाँ बन सकती हैं। विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि तेज हवाओं और कहीं-कहीं ओलावृष्टि के कारण स्थानीय स्तर पर सड़क यातायात में बाधा और बिजली कटौती जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं।

भयावह स्कूल बस हादसा

36 बच्चे घायल, ओवरटेक की गलती ने मचा दी अफरा-तफरी!

सीकर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सीकर में मंगलवार को दादिया थाना क्षेत्र में निजी स्कूल की दो बसों के बीच भीषण टक्कर हुई। यह हादसा दुर्गापुरा नाड़ी जोहड़ी के पास हुआ। हादसे में करीब 36 बच्चे घायल हुए हैं, जिनमें अधिकांश प्राथमिक कक्षा के छात्र बताए जा रहे हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दूसरी बस के चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे बस में बैठे बच्चे आगे की सीटों से टकरा गए। इसके कारण कई बच्चों के सिर और चेहरे पर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायल बच्चों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया।

जीवन रेड्डी का विधायक संजय पर निशाना, पार्टी निष्ठा पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी. जीवन रेड्डी ने मंगलवार को जगतियाल के विधायक संजय पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी राजनीतिक निष्ठा पर सवाल उठाए। उन्होंने संजय पर कांग्रेस पार्टी के आंतरिक मामलों में दखल देने का आरोप लगाया। मीडिया से बातचीत में रेड्डी ने कहा कि चार दशक पुराने राजनीतिक संबंधों में आई दरार बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने आरोप लगाया कि संजय एक ओर सहयोग की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर पार्टी के आंतरिक मामलों और उम्मीदवार चयन में हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्य के विकास के लिए सरकार के साथ सहयोग करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन क्या कांग्रेस के आंतरिक मामलों में दखल देना और हमारे अधिकारों का हनन करना उचित है? रेड्डी ने यह भी सवाल उठाया कि बीआरएस से जुड़े होने का दावा करने वाले संजय कांग्रेस नेताओं के साथ काम करने का प्रस्ताव कैसे दे सकते हैं। उन्होंने विधायक पर नगरपालिका में विवाद पैदा करने और पार्टी कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाने का भी आरोप लगाया।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.-23-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26, दि.13-03-2026

PUB/2116

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, चीफ वर्कशाप मैनेजर/लालागुडा द्वारा निविदा सं.-23-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26, बंद तिथि 04-04-2026 के 11.00 बजे के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बिड्डर्स या बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को यह अनुमति है कि, इस निविदा से जुडे निविदा दस्तावेज मूल्य तथा अग्रधन का भुगतान, केवल आनलाइन पेमेन्ट पध्दति संबध्द आईआरइपीएस पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैन्किंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि माध्यम से ही करना चाहिए। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैन्कर्स चेक, डिपाजिट रिसीप्ट्स, एफडीआर आदि से जुडे मैन्युएल पेमेन्ट्स अमान्य हैं।

क्रम सं.-1, निविदा सं.--23-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26, दि.13-03-2026, कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकन्दराबाद पर कोचेस में एयर ब्रेक इक्वीपमेन्ट की स्ट्रिप्पीन्ग & फिटमेन्ट कार्य। अनुमानित मूल्य रु.6,06,32,102.83 (रु.छह करोड छह लाख बत्तीस हजार एकसौ दो और तिरासी पैसे मात्र), अग्रधन रु.4,53,200.00 (रु.चार लाख तिरपन हजार दो सौ मात्र), कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथिः 04-04-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकन्दराबाद-500017

चीफ वर्कशाप मैनेजर, सीडब्ल्यूएस, लालागुडा, सिकंदराबाद

निविदा सं.-बीजेडए-जीएसयु-इलेक-36-2025-26, दि.12-03-2026 (ireps.gov.in द्वारा)

PUB/2117

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाकरण की खुली निविदा/एकल पैकेट में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-बीजेडए-जीएसयु-इलेक-36-2025-26, दि.12-03-2026 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-ताडेपल्लीगुडेम तथा गुनाडाला रेलवे स्टेशनों पर शेष बचे हुए कार्यों हेतु बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान (फेज-॥)।

निविदा मूल्य रु.3,64,73,342.12 (रु.तीन करोड चौंसठ लाख तिरहत्तर हजार तीन सौ बयालीस एवं बारह पैसे मात्र), अग्रधन रु.3,32,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समयः06-04-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइट**:https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

अग्रधन का भुगतान केवल आनलाइन के आईआरइपीएस पर उपलब्ध नेट बैन्किंग/पेमेन्ट गेटवे फैसिलीटीज द्वारा ही करना चाहिए (अथवा) बिड्स सेक्युरिटी या बोली सुरक्षा के प्रति पीएफए/सीओएन./एससी के पक्ष में बैंक गारण्टी प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकारों को, अपने आफर्स आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि के दौरान निविदा बंद करने की पंद्रह दिन की पहले की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

विभागीय बिजली अभियंता, गति शक्ति, विजयवाडा

निविदा संख्याः बीजेडए-जीएसयु-इलेक-38 -2025-26, दि.12-03-2026 (ireps.gov.in द्वारा)

PUB/2118

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, विजयवाडा द्वारा निविदाकरण की खुली निविदा/एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-बीजेडए-जीएसयु-इलेक-38-2025-26, दि.12-03-2026 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-विजयवाडा डिवीजन के अमृत भारत स्टेशनों (टीइएल (3), जीएएलए (2), एनएस (2) & एमटीएम (2) पर यात्रियों की सुविधा हेतु तत्संबंधित डिजाईन, मैन्युफैक्चर, आपूर्ति, 09 संख्याक एस्केलेटर्स का इन्स्टालेशन व कमीशनिंग कार्य।

निविदा मूल्य रु.8,25,77,295.00 अग्रधन रु.5,62,900.00 कार्य पूरा करने की अवधिः270 दिन, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, बंद करने की तिथि व समयः06-04-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइट**:https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

अग्रधन का भुगतान केवल आनलाइन के आईआरइपीएस पर उपलब्ध नेट बैन्किंग/पेमेन्ट गेटवे फैसिलीटीज द्वारा ही करना चाहिए (अथवा) बिड्स सेक्युरिटी या बोली सुरक्षा के प्रति पीएफए/सीओएन./एससी के पक्ष में बैंक गारण्टी प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकारों को, अपने आफर्स आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि के दौरान निविदा बंद करने की पंद्रह दिन की पहले की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

विभागीय बिजली अभियंता, गति शक्ति, विजयवाडा

अभिनेत्री रेणु देसाई पर अभद्र टिप्पणी करना पड़ा भारी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर मशहूर अभिनेत्री रेणु देसाई के खिलाफ अपमानजनक और अनुचित टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी एक सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है, जिसकी पहचान कोटिपल्ली वेंकन्ना के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी वेंकन्ना इंस्टाग्राम का उपयोग कर रहा था, उसी दौरान उसकी नज़र अभिनेत्री रेणु देसाई की एक पोस्ट पर पड़ी। उसने उस पोस्ट पर अभिनेत्री के प्रति बेहद आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी कर दी। मामला संज्ञान में आने के बाद साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने आरोपी का पता लगाया और उसे हिरासत में ले लिया। साइबराबाद पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभिनेत्री के बारे में अनुचित टिप्पणी करने के आरोप में वेंकन्ना के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

निविदा सूचना संख्याः एनडी/इ-51, 52 & 53/2025-26, दि.12-03-2026

PUB/2119

निम्न ई-निविदाओं हेतु www.ireps.gov.in पर आफर्स आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा संख्याः एनडी/इ-51/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के एमयुइ-पीबीएन सेक्शन में सीआरयु, पीएयु, एमक्यूएल, एलबीजी & पीबीएन के इन्टरमीडिएट ब्लाक सिग्नलिंग (आइबीएस) झोपडियों (हट्स) के लिए, एटी आपूर्ति का प्रावधान- बिजली व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.28,08,745.15, बोली सुरक्षा रु.56,200.00 आफर वैधः 60 दिनों तक, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, विवरणः नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत **वेबसाइट**:www.ireps.gov.in पर उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 03-04-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.2, एनडी/इ-52/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन-03 कोचेस द्वारा लालवाडी पिट लाइन नं.1 का विस्तार कार्य-बिजली व्यवस्थाएं।

अनुमानित मूल्य रु.94,84,305.00. बोली सुरक्षा रु.1,89,700.00 आफर वैधः 60 दिनों तक, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, विवरणः नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 03-04-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.3, एनडी/इ-53/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन पर मौजूदा एर्थ पिट्स का यथावत रुप से सुधार करते हुए सभी इलेक्ट्रिकल एस्सेट्स के प्रति उचित एर्थिन्ग व्यवस्था का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य रु.50,77,422.00. बोली सुरक्षा रु.1,01,600.00 आफर वैधः 60 दिनों तक, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, विवरणः नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत **वेबसाइट:www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 03-04-2026 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, अधिक जानकारी जैसे योग्यता मानदंड, खास शर्तें आदि हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है कि इस आफर की प्रस्तुति के पहले, आनलाइन पर यदि कोई शुध्दिपत्र प्रकाशित हुवा है, की पुष्टि करें।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नांदेड

निविदा सूचना संख्याः 23 से 24 __डीआरएम _डब्ल्यू_ एचवायबी_ 26, दि.12-03-2026

PUB/2120

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से दि.06-04-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः 23 __डीआरएम _डब्ल्यू_ एचवायबी 26, कार्य विवरणः हैदराबादः सिकंदराबाद-ढोंने सेक्शनः- युलिन्डाकोण्डा स्टेशन पर प्रस्तावित पीक्यूआरएस डिपो सहित मौजूदा पुल सं.472 का प्रस्तावित विस्तार कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.90,80,206.00, अग्रधन रु.1,81,600.00

निविदा संख्याः 24 __डीआरएम _डब्ल्यू_ एचवायबी_ 26, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः (1) एसएसइ/पीवे/एमबीएनआर क्षेत्राधिकारः विभिन्न यार्ड्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार कार्य व उन्नयन करना। (2) एसएसइ/पीवे/जीडब्ल्यूडी क्षेत्राधिकारः विभिन्न यार्ड्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार कार्य व उन्नयन करना। (3) एसएसइ/पीवे/केआरएनटी क्षेत्राधिकारः विभिन्न यार्ड्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार कार्य व उन्नयन करना।

अनुमानित मूल्य रु. 6,77,53,050.00, अग्रधन रु.4,88,800.00

A2683

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/हैदराबाद

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्स:https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

महिला कल्याण पर आरोपों को लेकर सीतक्का का केटीआर पर हमला

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने महिला कल्याण के मुद्दे पर राज्य सरकार के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर बीआरएस विधायक केटी रामाराव पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केटीआर सरकार के खिलाफ निराधार और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। मंगलवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सीतक्का ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है और विपक्ष से अपील की कि वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए इस प्रयास में सहयोग करे। सीतक्का ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अब तक राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों को 57,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की जा रही हर योजना का मजाक उड़ाना विपक्ष के लिए उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया, बीते दस वर्षों तक सत्ता में रही बीआरएस वह काम क्यों नहीं कर पाई, जो हम वर्तमान में कर रहे हैं?

डायग्नोस्टिक किट निर्माण में तेलंगाना की विशेष पहचान : मंत्री

ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के डायग्नोस्टिक किट लॉन्च

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि दवा-प्रतिरोधी क्षय रोग (टीबी) के उन्नत डायग्नोस्टिक किट निर्माण में तेलंगाना ने वैश्विक स्तर पर एक विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरी है, क्योंकि यह सामान्य उपचारों से ठीक नहीं होती। ऐसे में समय पर पहचान और उपचार बेहद आवश्यक है। मंत्री ने मंगलवार को विधानसभा समिति कक्ष में हैदराबाद के जीनोम वैली में निर्मित ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी डायग्नोस्टिक किट का शुभारंभ किया। ये किट फ्रांसीसी कंपनी बायोमेरीयू द्वारा तैयार किए जा रहे हैं, जो भारत में टीबी नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करेंगे। इस कार्यक्रम में बेंगलुरू स्थित फ्रांस के महावाणिज्य दूत मार्क लैमी, भारतीय फ्रांसीसी दूतावास के स्वास्थ्य सलाहकार चार्ल्स माही, तथा बायोमेरीयू के कार्यकारी अध्यक्ष अलेक्जेंडर मेरियू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। तेलंगाना लाइफ साइंसेज के निदेशक सर्वेश सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद थे। इस अवसर पर इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भारत-फ्रांस व्यापार संबंधों पर एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की, जिसमें तेलंगाना के विकास में फ्रांसीसी कंपनियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया गया।

गुंतकल-बल्लारी रेलखंड का सुरक्षा निरीक्षण, महाप्रबंधक ने दिए दिशा-निर्देश

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को गुंतकल मंडल के गुंटकल-बल्लारी रेलखंड का सुरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ गुंतकल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक चंद्रशेखर गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। महाप्रबंधक ने गुंतकल से रियर विंडो निरीक्षण की शुरूआत करते हुए रेल पटरियों, मोड़ों, लेवल क्रॉसिंग, सिग्नलिंग प्रणाली और पुलों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने इस रेलखंड में यातायात घनत्व और ट्रैक पर दबाव की स्थिति की जानकारी ली तथा परिचालन संबंधी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। महाप्रबंधक ने निर्देश दिया कि ट्रैक मेंटेनेंस कार्यों से पहले इंजीनियरिंग, सिग्नल और ऑपरेशन विभागों के साथ समन्वय कर अग्रिम योजना बनाई जाए, ताकि रखरखाव के दौरान ट्रेनों की समयपालन सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने उन्हें इस रेलखंड के संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की जानकारी दी तथा ट्रैक सुदृढ़ीकरण और सेक्शनल स्पीड बढ़ाने की योजनाओं से अवगत कराया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रेन संचालन में अधिक सतर्क रहने तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने गति प्रतिबंधों की कड़ाई से निगरानी और ट्रेनों के समय पर संचालन सुनिश्चित करने पर बल दिया।

बलिमेला शहीदों के परिजनों को मकान पट्टे सौंपे

ग्रेहाउंड्स कर्मियों को विशेष ऑपरेशन पदक

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने मंगलवार को बलिमेला जलाशय हमले में शहीद हुए पुलिस कर्मियों के परिवारों को मकान पट्टे सौंपे, जिससे उनकी 18 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा समाप्त हुई। 29 जून 2008 की इस दुखद घटना को याद करते हुए डीजीपी ने कहा कि माओवादियों द्वारा किए गए हमले में 38 पुलिसकर्मियों (जिनमें 32 ग्रेहाउंड कमांडो शामिल थे) की जान गई थी। यह हमला तब हुआ था जब ग्रेहाउंड बल के जवानों को ले जा रही नाव पर गोलीबारी और ग्रेनेड से हमला किया गया, जिससे वह बलिमेला जलाशय में डूब गई। हैदराबाद स्थित डीजीपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 33 पात्र लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए गए।

भूमि आवंटन का यह मामला कानूनी और सर्वेक्षण संबंधी समस्याओं के कारण वर्षों से लंबित था, जिसे मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हस्तक्षेप के बाद सुलझाया गया। सरकार ने वर्ष 2013 में ही भूखंड आवंटित किए थे, लेकिन अतिक्रमण और अन्य प्रक्रियात्मक अड़चनों के चलते यह कार्य लंबित रहा। पिछले वर्ष अक्टूबर में संशोधित आदेश जारी होने के बाद पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो सकी। डीजीपी ने शहीदों के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए इसे उनके बलिदान का सम्मान बताया।

इस अवसर पर अतिरिक्त डीजीपी (ग्रेहाउंड्स) अनिल कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी लंबित तकनीकी समस्याओं के समाधान पर संतोष व्यक्त किया। ग्रेहाउंड्स के चार कर्मियों को वर्ष 2024 के लिए प्रतिष्ठित केंद्रीय गृह मंत्री विशेष ऑपरेशन पदक (दक्षता पदक) के लिए चुना गया है।

डीजीपी शिवधर रेड्डी ने ग्रुप कमांडर जाजाला राघवेंद्र रेड्डी, सीनियर कमांडो टिप्पानी राकेश, उदुतनुरी मल्लैया और जूनियर कमांडो गंटा साई कुमार को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए बधाई दी।

सीताफलमंडी स्थित सीरवी समाज एवं प्रवासी महिलाओं द्वारा आयोजित गणगौर उत्सव गणगौर के रंग-गौरा ईसरजी के संग कार्यक्रम में पुजा-अर्चना कर उपस्थित मंजू आगलेचा, गवरी सोयल, किरन काग, नीतू गेहलोत, शोभा सोयल, रेणुका काग, हांजाबाई गेहलोत, सुशीला परमार, डगरी राठौड़, प्यारी सोयल, संतोष प्रजापत, तुलसी कुमावत, दुर्गा गेहलोत, पुष्पा सोयल व अन्य।

नहर में नहाने गए कर्मचारी की डूबने से मौत

करीमनगर, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर कस्बे के बाहरी इलाके में स्थित काकतीय नहर में रविवार को लापता हुए एक सरकारी कर्मचारी का शव पुलिस ने बरामद कर लिया है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय रचाकोंडा लाचैया के रूप में हुई है, जो राजन्ना-सिरसिल्ला जिले के एलंथकुंटा में पशु चिकित्सा सहायक के पद पर कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, लाचैया रविवार को कोथापल्ली मंडल के चिंथकुंटा गांव के पास नहर में स्नान करने गए थे। इसी दौरान पानी के तेज बहाव के कारण वे संतुलन खो बैठे और गहरे पानी में बह गए। घटना स्थल पर लाचैया के कपड़े और साइकिल लावारिस हालत में मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

पारिवारिक कलह का खूनी अंत

जगतियाल, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जगतियाल जिले के कोरुतला मंडल अंतर्गत मदपुर गांव में सोमवार की रात एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने मामूली विवाद के बाद अपनी चार महीने की गर्भवती पत्नी की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी हरिबाबू और उसकी पत्नी वैष्णवी के बीच सोमवार रात किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई थी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आपा खो चुके हरिबाबू ने वैष्णवी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर चोटें आने और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण वैष्णवी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि हरिबाबू और वैष्णवी ने लंबे प्रेम संबंध के बाद दो साल पहले ही विवाह किया था। मृतका चार महीने की गर्भवती थी।

मिधानि को नैडकैप से मान्यता

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मिधानि की हीट ट्रीटमेंट सुविधा को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एयरोस्पेस और रक्षा ठेकेदार प्रत्यायन कार्यक्रम नेडकैप मान्यता से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता गुणवत्ता, प्रक्रिया नियंत्रण और वैश्विक एयरोस्पेस उद्योग की आवश्यकताओं के अनुपालन के उच्चतम मानकों के प्रति मिधानि की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नैडकैप मान्यता प्राप्त करने से विश्व-स्तरीय धातुकर्म प्रसंस्करण के साथ महत्वपूर्ण एयरोस्पेस और रक्षा कार्यक्रमों को सहयोग देने की मिधानि की क्षमता और भी सुदृढ़ होगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्या-सी/सी/210/जेटीबीएस/2026, दि.10-03-2026

PUB/2121

आपके परिसरों से अनारक्षित टिकट्स जारी करने का सुनहरा अवसर

दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे सिकंदराबाद डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर जन-साधारण टिकट बुकिन्ग सेवकों (जेटीबीएस) की नियुक्ति हेतु आमंत्रित आवेदन

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे** द्वारा कम्प्युटरीकृत अनारक्षित टिकेटिंग सिस्टम (युटीएस) के माध्यम से अनारक्षित/साधारण टिकेट्स जारी करने के लिए, तत्संबंधित परिसरों के यशस्वी आवेदकों से, दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद डिवीजन के **109** स्थानों पर **128** जन साधारण टिकेट बुकिन्ग सेवकों **(जेटीबीएस)** की नियुक्ति संबध्द संविदा प्रदान के तहत आवेदन आमंत्रित हैं।

आवेदन प्रपत्र, योग्यता मानदंड तथा अन्य विवरण **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07-04-2026 के 12.00 बजे तक है।

यथावत रुप से भरे हुए मुहरबन्द आवेदनों को, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, सिकन्दराबाद डिवीजन, पहला तल, संचालन भवन, सिकंदराबाद-500071 पर, दि. 07-04-2026 के 12.00 बजे या इससे पूर्व प्रस्तुत/सुपुर्द करना चाहिए। यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी छुट्टी घोषित होने पर, उसका अगला कार्यदिवस अंतिम तिथि होगा। देरी से प्राप्त/लंबित आवेदन अस्वीकार्य होंगे।

आवेदनों को दि. 07-04-2026 के 12.30 बजे खोला जायेगा।

तथापि, उपरोक्त नुसार, रेलवे प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, किसी भी या सभी आवेदनों को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। इस मामले में रेल प्रशासन का निर्णय ही अंतिम माना जायेगा।

अधिक जानकारी हेतु कृपया किसी भी कार्यालयीन दिनों में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

हमारा **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

A2688

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्या-सी/सी/210/एसटीबीए/2026, दि.10-03-2026

PUB/2122

दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे सिकंदराबाद डिवीजन के विविध स्थानों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेन्ट्स (एसटीबीएज) की भर्ती हेतु निविदाओं का आमंत्रण कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा तीन (3) वर्षों की अवधि हेतु कमीशन आधार पर अनारक्षित टिकेटिंग सिस्टम (युटीएस) के माध्यम से अनारक्षित/साधारण टिकटों को जारी करने हेतु 51 (इक्कावन) एनएसजी-4, 5 & 6 कैटगिरी स्टेशनों पर, स्टेशन टिकट बुकिंग एजेन्ट्स (एसटीबीएज) की भर्ती करने के लिए मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1. कार्य विवरणः तीन वर्षों की अवधि हेतु मौजूदा काउन्टर से अनारक्षित टिकटों को जारी करने के लिए, कमीशन आधार पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेन्ट्स की भर्ती। निविदा अवधिः तीन (3) वर्ष, एनएसजी-4 हेतु अग्रधनःरु.10,000.00, एनएसजी-5 हेतु अग्रधनः रु.5,000.00, एनएसजी-6 हेतु अग्रधनः रु.2000.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

आवेदन प्रपत्र, योग्यता मानदंड तथा अन्य विवरण **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07-04-2026 के 15.00 बजे तक है।

निविदाओं को दि. 07-04-2026 के 15.30 बजे खोला जायेगा।

मुहरबन्द निविदा प्रपत्रों को, टेन्डर हाल, हैदराबाद डिवीजन कम्पाउण्ड, सिकंदराबाद-500071 पर रखे हुए मुहरबन्द निविदा पेटी में, अग्रधन सहित दि. 07-04-2026 के 15.00 बजे या इससे पहले डालना चाहिए। यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी छुट्टी घोषित होने पर, उसका अगला कार्यदिवस अंतिम तिथि होगा। देरी से प्राप्त/लंबित आवेदन अस्वीकार्य होंगे। तथापि, रेलवे प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, किसी भी या सभी आवेदनों को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। इस मामले में रेल प्रशासन का निर्णय ही अंतिम होगा।

अधिक जानकारी हेतु कृपया किसी भी कार्यालयीन दिनों में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

हमारा **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

A2689

'आपका भविष्य हिंदी में- हिंदी का भविष्य आप में' पर सेमीनार संपन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय हैदराबाद तथा वीरनारी चाकली ऐलम्मा महिला विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 16 मार्च को 'आपका भविष्य हिंदी में- हिंदी का भविष्य आप में' विषय पर रोजगार उन्मुख सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न रोजगार अवसरों के प्रति जागरूक करना तथा हिंदी की बढ़ती उपयोगिता को रेखांकित करना था। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सूर्या धनंजय, कुल सचिव प्रो.बी. विजयलक्ष्मी, प्राचार्य डॉ. लोक पावनी तथा हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संतोष राठौड़, उप मंडल प्रमुख हैदराबाद सी.बी. विवेकानंद उपस्थित थे।

इस अवसर पर पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय हैदराबाद द्वारा राजभाषा प्रोत्साहन के अंतर्गत एम.ए. हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री के ज्योति को बैंक की ओर से 5000/- की एकमुश्त छात्रवृत्ति प्रदान किया गया।

कुलपति ने शिक्षा एवं भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा जीवन के हर क्षेत्र में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । कुल सचिव एवं प्राचार्य ने पंजाब नैशनल बैंक के कार्यक्रम की सराहना की। पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय हैदराबाद के उप मंडल प्रमुख सी.बी. विवेकानंद ने पीएनबी के प्रोत्साहन योजनाओं के विषय में छात्राओं को संक्षिप्त जानकारी दी।

सुश्री श्वेता कुमारी, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के माध्यम से उपलब्ध रोजगार के विविध अवसरों की जानकारी दी और उन्हें अपने कौशल और प्रतिभा के साथ हिंदी को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. SANDT_WAT_26_S_AFDAS

कार्य का नाम : (1) नवीनतम RDSO विनिर्देश के अनुसार वाल्टियर मण्डल में 74 जगहों पर संस्थापित स्वचालित अग्नि पहचान एवं अलार्म सिस्टम (AFDAS) का उन्नयन, (2) विशाखापट्टनम के 06 कन्ट्रोल बोर्ड पर विभिन्न स्टेशन यार्ड डिस्प्ले सिस्टम के क्षतिग्रस्त CPUs एवं VDUs का प्रतिस्थापन एवं वाल्टियर मण्डल के 35 स्टेशनों में डेटालॉगर के क्षतिग्रस्त प्रिन्टरों का प्रतिस्थापन।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 6,88,10,006.00, EMD : ₹ 4,94,100/-, पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 19.03.2026

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 02.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर

PR-1236/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ईशान कर सकते हैं एसआरएच की कप्तानी

कमिंस बैक इंजरी के कारण शुरुआती मैचों से बाहर

खेल डेस्क, 17 मार्च (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल 2026 की शुरुआत में टीम की कप्तानी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कमिंस अभी बैक इंजरी से उबर रहे हैं और यह साफ नहीं है कि वे कब टीम से जुड़ेंगे।

कमिंस को यह चोट 2025-26 एशेज सीरीज से पहले लगी थी। शुरुआत में माना जा रहा था कि वे पूरी सीरीज मिस करेंगे, लेकिन उन्होंने एक टेस्ट खेला और फिर दोबारा टीम से बाहर हो गए।

हालांकि, ईशान को शुरुआती मैचों की कप्तानी सौंपे जाने को लेकर फ्रेंचाइजी की ओर से अभी कुछ नहीं कहा गया है।

ईशान किशन के पक्ष में गया कप्तानी का अनुभव

ईशान किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया है।

कप्तानी के साथ-साथ ईशान बल्ले से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने उस टूर्नामेंट में 197.33 की स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 517 रन बनाए थे। इसी अनुभव के दम पर वे कप्तानी की रेस में अभिषेक शर्मा से आगे हैं।

हालांकि,पिछले आईपीएल सीजन में ईशान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने टीम के लिए पहले मैच में शतक लगाया था और सीजन के आखिर में नाबाद 94 रन की पारी भी खेली थी,लेकिन बीच में वे लगातार रन नहीं बना पाए थे।

वर्ल्ड कप और न्यूजीलैंड सीरीज में मचाया धमाल

पिछले आईपीएल सीजन में ईशान थोड़े इनकंसिस्टेंट थे, लेकिन पिछले एक महीने में उन्होंने अपनी फॉर्म से सभी आलोचकों को जवाब दिया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार खेल के बाद उनकी टीम इंडिया के टी-20 स्क्वॉड में वापसी हुई। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज और 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 532 रन बनाए। वर्ल्ड कप जीतने में भी ईशान ने अहम भूमिका निभाई,जहां उनका स्ट्राइक रेट 207 का रहा।

नहीं बदलेगी अभिषेक-ट्रैविस हेड की ओपनिंग जोड़ी

ईशान किशन की कप्तानी मिलने के बाद टीम के बैटिंग ऑर्डर को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप में ईशान ने नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए दिखाया है कि वे वहां काफी सहज हैं। ऐसे में एसआरएच को अपनी हिट ओपनिंग जोड़ी अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड के साथ छेड़छाड़ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ईशान तीसरे नंबर पर आकर मिडिल ऑर्डर को मजबूती दे सकते हैं।

गेंदबाजी यूनिट को संभालना होगी बड़ी चुनौती

पैट कमिंस के बिना हैदराबाद की बॉलिंग यूनिट थोड़ी कमजोर नजर आ रही है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईशान के लिए सबसे बड़ी चुनौती गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना होगी। हालांकि टीम के पास कुछ अच्छे विकल्प हैं, लेकिन कमिंस जैसा लीडर मैदान पर न होना टीम के लिए एक कमी साबित हो सकता है।

आईपीएल 2026 के लिए साढ़े तीन घंटे वाला नियम

नहीं मानी बीसीसीआई की बात, तो पड़ेगा काफी भारी

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने से पहले बीसीसीआई ने एक बड़ा कदम उठाया है और सभी 10 टीमों को एक सख्त चेतावनी भेजी है. बोर्ड ने प्रैक्टिस सेशन और वार्म-अप मैचों के लिए नए नियम बनाए हैं, ताकि सभी टीमों को बराबर की तैयारी का मौका मिले और मैच पिच की क्वालिटी बनी रहे. खास बात यह है कि फ्लडलाइट्स के नीचे होने वाले प्रैक्टिस मैचों के लिए बीसीसीआई की ओर से टाइम भी फिक्स किया गया है. अगर कोई टीम इस नियम को नहीं मानती, तो उसे काफी भारी पड़ सकता है, क्योंकि बीसीसीआई इन गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करवाएगी.

आईपीएल 2026 के लिए साढ़े तीन घंटे वाला नियम

दरअसल, बीसीसीआई का फोकस फेयरनेस और पिच प्रोटेक्शन पर है. नियमों के मुताबिक, फ्रेंचाइजी ज्यादा से ज्यादा दो प्रैक्टिस मैच ही खेल सकती हैं, लेकिन इसके लिए पहले बीसीसीआई से परमिशन लेनी होगी. हालांकि, ये मुकाबले मैच पिच पर नहीं होंगे. अगर प्रैक्टिस मैच फ्लडलाइट्स के नीचे होगा, तो पूरा मैच साढ़े तीन घंटे से ज्यादा नहीं चलेगा. इसका मकसद स्क्वायर पर ज्यादा वियर एंड टियर से बचना है.

नेट्स और पिच के इस्तेमाल के लिए नियम

कोई भी टीम विरोधी टीम की ओर से इस्तेमाल की गई नेट्स या पिच का इस्तेमाल नहीं कर सकती है. हर टीम को पूरी तरह फ्रेश नेट्स और पिच उपलब्ध कराई जाएंगी.

इसके अलावा, अगर एक टीम पहले प्रैक्टिस कर रही है, तो दूसरी टीम उनकी नेट्स या रेंज-हिटिंग विकेट का इस्तेमाल नहीं कर पाएगी.

इतना ही नहीं, किसी भी फ्रेंचाइजी के पहले होम मैच से चार दिन पहले मेन स्क्वायर पर कोई प्रैक्टिस सेशन या मैच नहीं होगा. अगर जरूरत पड़े, तो वैकल्पिक ग्राउंड मुफ्त में दिए जा सकते हैं. इसके साथ-साथ अगर दो टीमों के बीच शेड्यूल में टकराव हो, तो मेहमान टीम को प्राथमिकता मिलेगी.

इन नियमों से किसको फायदा होगा?

ये नियम इसलिए लाए गए हैं ताकि कोई टीम पिच की स्थिति से फायदा न उठा सके और सभी को एक समान तैयारी का मौका मिले. पिछले सीजन में कुछ टीमों की ओर से पिच के ज्यादा इस्तेमाल की शिकायतें आई थीं, जिससे मैचों की क्वालिटी प्रभावित हुई थी. अब बीसीसीआई ने इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं. ऐसे में मेहमान टीम को बराबरी का मौका मिलेगा और होम टीम होम कंडीशन का ज्यादा फायदा नहीं उठा सकेगी.

ओडीआई वर्ल्ड कप 2027 से बाहर होगी 2 बार की चैंपियन?

पाकिस्तान की हार ने बिगाड़ा समीकरण

खेल डेस्क, 17 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को घरेलू मैदान पर 2-1 से हराकर न सिर्फ ऐतिहासिक सीरीज जीती, बल्कि 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप की क्वालिफिकेशन रेस में भी बड़ा बदलाव ला दिया है. ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में तीसरे और आखिरी वनडे में बांग्लादेश ने 290 रनों का टारगेट बचाकर 11 रनों से जीत हासिल की, जिससे बांग्लादेश की रैंकिंग में सुधार होने वाला है. वह फिलहाल 10वें स्थान पर है. लेकिन बांग्लादेश का ये अच्छा प्रदर्शन 2 बार की चैंपियन टीम के लिए बड़ी टेंशन बन गया है.

पाकिस्तान की हार ने इस टीम की बढ़ाई टेंशन

पाकिस्तान की इस हार के बाद वेस्टइंडीज की सीधी क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को झटका लगा. दरअसल, आईसीसी की नई रैंकिंग में बांग्लादेश 10वें से सीधे 9वें स्थान पर पहुंच जाएगा. वहीं, वेस्टइंडीज 9वें से 10वें स्थान पर खिसकने वाला है. पाकिस्तान सीरीज हार के बावजूद 4 स्थान पर बरकरार रहेगा, लेकिन पॉइंट्स में थोड़ी कमी आई. लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आईसीसी रैंकिंग का असर वनडे वर्ल्ड कप 2027 क्वालिफिकेशन पर कैसे पड़ेगा?

दरअसल, 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा. इसमें कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी, साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे मेजबान के दौरे पर पहले से क्वालिफाई हैं. वहीं, बाकी 8 स्पॉट आईसीसी ओडीआई टीम रैंकिंग के टॉप-8 टीमों को मिलेंगे. 9वीं रैंक वाली टीम भी सीधे क्वालिफाई कर सकती है, क्योंकि साउथ अफ्रीका की टीम टॉप-8 में है, ऐसे में उसकी जगह 9वें नंबर की टीम क्वालिफाई करेगी. लेकिन 10वें या उससे नीचे रहने वाली टीमों को क्वालिफायर खेलने पड़ेंगे.

वेस्टइंडीज को सुधारनी होगी रैंकिंग

वेस्टइंडीज के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि वह बिना कोई मैच खेले ही रैंकिंग में नीचे खिसकने वाली है. उनकी अगली ओडीआई सीरीज सितंबर-अक्टूबर में भारत के खिलाफ हो सकती है, लेकिन अगर वह पॉइंट्स नहीं जोड़ पाए, तो क्वालिफायर खेलने की नौबत आ सकती है. वेस्ट इंडीज, जो दो बार (1975 और 1979) वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी है, पिछले एडिशन में भी क्वालिफाई नहीं कर पाई थी. 2023 वर्ल्ड कप के दौरान भी उसने क्वालिफायर खेला था, जहां उसे हार का सामना करना पड़ा था.

दूसरी तरफ, बांग्लादेश ने इस जीत से 2027 वर्ल्ड कप में सीधी एंट्री की अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है. उन्हें अब दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें और ऊपर ले जा सकता है.

विमेंस वनडे रैंकिंग में मंधाना नंबर-1 पर कायम

हरमनप्रीत नंबर-7 पर पहुंचीं, सोफी डिवाइन को 2 स्थान का नुकसान

दुबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। महिला वनडे रैंकिंग में भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं।

मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में हरमनप्रीत को जहां एक स्थान का फायदा हुआ, वहीं न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन दो पायदान नीचे खिसककर 9वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मेडि ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 94 रन की शानदार पारी खेलकर बड़ा फायदा उठाया। उनकी टीम ने यह मैच 200 रन से जीता और सीरीज 3-0 से अपने नाम की। ग्रीन 5 स्थान की छलांग लगाकर 17वें नंबर पर पहुंच गई हैं, उनके 610 रेटिंग पॉइंट्स करियर के सर्वश्रेष्ठ हैं। अमेलिया केर ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अंतिम वनडे में 80 रन बनाए और 5 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे बल्लेबाजी रैंकिंग में 21वें से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

अन्य खिलाड़ियों में इसाबेल गेज 61वें स्थान पर पहुंचीं, जबकि रोजमेरी मेयर और ब्री इलिंग ने गेंदबाजी रैंकिंग में क्रमशः 58वां और 79वां स्थान हासिल किया।

रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। अमेलिया केर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 78 रन की पारी खेलकर 694 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, जो उनका करियर बेस्ट है। जॉर्जिया प्लिमर 50वें से 41वें स्थान पर पहुंचीं। गेंदबाजी में जेस केर 11 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि सोफी डिवाइन 104वें से 79वें स्थान पर आ गई हैं।

क्या फीफा विश्वकप में नहीं खेलेंगे नेमार?

दो दोस्ताना मैचों के लिए ब्राजील टीम में नहीं किए गए शामिल

साओ पाउलो, 17 मार्च (एजेंसियां)। स्टार स्ट्राइकर नेमार को इस महीने अमेरिका में होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की फुटबॉल टीम में नहीं चुना गया है, जिससे उनके विश्व कप में खेलने को लेकर संदेह पैदा हो गया है। ब्राजील के पूर्व कप्तान 34 वर्षीय नेमार अक्टूबर 2023 में चोटिल होने के बाद से पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ब्राजील 26 मार्च को बोस्टन में फ्रांस के खिलाफ और चार दिन बाद ऑरलैंडो में क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा यह एक ऐसी टीम है जिसमें उन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जो पूरी तरह से फिट हैं।' ब्राजीली लीग में सैंटोस और कोरिनथियंस के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में नेमार का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

नेमार ने साओ पाउलो में एक कार्यक्रम में मीडिया से कहा कि दो मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की टीम में शामिल न होने से वह दुखी और निराश हैं, लेकिन उन्हें अभी उम्मीद है कि वह विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा ध्यान हर अभ्यास सत्र और हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम अपना लक्ष्य हासिल करेंगे। अभी अंतिम टीम का चयन होना बाकी है।'

साल के अंत में लेंगे संन्यास?

नेमार का करियर चोटों की वजह से प्रभावित रहा है। चोट से परेशान नेमार फुटबॉल को अलविदा कहने की सोच रहे हैं। उन्होंने हाल ही में ब्राजील के एक डिजिटल चैनल पर फुटबॉल से संन्यास लेने की संभावना जताई थी। नेमार के इस बयान से फैंस को तगड़ा झटका लगा था। नेमार ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि अब से क्या होगा। मुझे अगले साल के बारे में भी नहीं पता। हो सकता है कि जब दिसंबर आए तो मैं फुटबॉल से संन्यास लेना चाहूं। मैं अब साल दर साल जी रहा हूं। यह विश्व कप का साल है। इसलिए बहुत जरूरी है। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के साथ-साथ मेरे लिए भी।'

3 ओवर में बनाने थे 49 रन, फिर 23 साल के बल्लेबाज ने ऐसे पलटा मैच, टीम को दिलाया सेमीफाइनल का टिकट

इस्लामाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट नेशनल टी20 कप 2026 में एक रोमांचक मैच देखने को मिला. टूर्नामेंट के 20वें मैच में सियालकोट रीजन ने मुल्तान रीजन के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. ये मैच पेशावर के इमरान खान क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया, जहां की मुश्किल पिच पर दोनों टीमों के बीच शानदार टक्कर देखने को मिली. लेकिन युवा बल्लेबाज हसन नवाज की धमाकेदार पारी ने सब कुछ बदल दिया.

हसन नवाज ने खेली यादगार पारी

इस मैच में मुल्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 163 रन बनाए और ऑलआउट हो गई. यह स्कोर इस पिच पर काफी मजबूत लग रहा था, लेकिन सियालकोट के बल्लेबाजों ने हार नहीं मानी. चेज के दौरान टीम को मुश्किल हालात का सामना भी करना पड़ा. मिर्जा ताहिर बेग और ख्वाजा अरहम ने शुरुआत में उपयोगी पारी खेली, लेकिन असली तूफान हसन नवाज ने लाया. युवा बल्लेबाज ने नाबाद 80 रन बनाए, वो भी महज 40 गेंदों में, जो इस जीत के हीरो भी बने. इसमें उन्होंने 5 चौके और 6 छक्के लगाए, उनका स्ट्राइक रेट भी 200 का रहा.

खास बात यह कि मैच के आखिरी 3 ओवर में सियालकोट रीजन को जीत के लिए 49 रन चाहिए थे, और हसन ने अकेले दम पर यह टारगेट हासिल कर लिया. आखिरी 18 गेंदों पर 49 रन बनाने के लिए उन्होंने सिर्फ 17 गेंदें लीं और टीम को जीत दिलाई. ये मैच आखिरी तक चला और टीम के आखिरी ओवर में 13 रन बनाकर बाजी मारी. हसन नवाज ने पूरी पारी के दौरान एक छोर को संभाले रखा और उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने मुश्किल पिच पर भी बड़े शॉट्स लगाए और सियालकोट को सेमीफाइनल की टिकट दिलाया.

कौन हैं युवा बल्लेबाज हसन नवाज?

हसन नवाज टॉप ऑर्डर बल्लेबाज हैं और साथ में स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं. घरेलू क्रिकेट में उनके आंकड़े काफी शानदार हैं, जिसके चलते पिछले साल ही उन्हें पाकिस्तान टीम के लिए डेब्यू करने का मौका मिला था. वह अभी तक 4 वनडे और 25 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं. उन्होंने टी20 में पाकिस्तान के लिए शतक भी ठोक रखा है. हालांकि, नवंबर 2025 से बाद से नवाज को पाकिस्तान की टीम में जगह नहीं मिली है.

काबुल में एयरस्ट्राइक पर छलका राशिद खान का दर्द

पीड़ितों के प्रति सोशल मीडिया पर जताया दुख

काबुल, 17 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने फिर से अफगानिस्तान पर हमला किया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरस्ट्राइक में अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भारी नुकसान हुआ, जिसमें लगभग 400 लोगों की मौत की खबर सामने आई है. यह भी बताया जा रहा है कि अस्पतालों को तबाह कर दिया गया है और 250 से ज्यादा लोग चोटिल हो गए हैं. अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद खान ने अब पाकिस्तान की काबुल पर एयरस्ट्राइक को लेकर गुस्सा दिखाया है.

राशिद खान ने एयरस्ट्राइक पर दुख जताया

एयरस्ट्राइक की खबर से राशिद खान दुखी नजर आए. उन्होंने जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक जताया. उन्होंने कहा, 'पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक से काबुल में नागरिकों के निधन को लेकर बहुत दुखी हूं. लोगों के घर, स्कूल और अस्पतालों पर जानबूझकर या गलती से हमला करना बहुत ज्यादा गलत है. खासकर रमजान के महीने में इस तरह की हरकत काफी दुख पहुंचा रही है.'

राशिद खान ने आगे कहा, 'यह सिर्फ नफरत बढ़ाएगा. मैं यूएन और मानवाधिकार एजेंसियों से अनुरोध करता हूं कि वो इस मामले की जांच करें और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएं. मैं इस मुश्किल समय में अपने अफगानी लोगों के साथ खड़ा हूं. हम इस दुख के समय से बाहर निकलेंगे और एक देश के रूप में फिर आगे बढ़ेंगे. हम हमेशा से ऐसा करते आए हैं.'

मोहम्मद नबी ने भी जताया शोक

मोहम्मद नबी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए पाकिस्तान के एयरस्ट्राइक की आलोचना की. उन्होंने कहा, 'काबुल में आज रात एक अस्पताल में लोगों की उम्मीद मिट गई. इलाज के लिए अस्पताल आए युवकों को पाकिस्तान मिलेट्री ने बम धमाके से मार दिया. मां गेट पर अपने बच्चों का इंतजार कर रही थीं. रमदान की 28वीं रात को उन लोगों की जिंदगी छिन गई.'

आईपीएल 2026 से पहले सीएसके में बड़ा बदलाव

इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी को मिली खास जिम्मेदारी

चेन्नई, 17 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने वाली है. टूर्नामेंट के आयोजन में अब कुछ ही दिन बाकी हैं. इसके पहले चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है. उनके कोचिंग स्टाफ में इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी जेम्स फोस्टर की एंट्री हुई है. चेन्नई सुपर किंग्स ने आधिकारिक रूप से ऐलान करते हुए बताया कि जेम्स आईपीएल 2026 में उनके फील्डिंग कोच की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे. जेम्स ने इंग्लैंड के लिए कुल 23 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं.

सीएसके ने आधिकारिक रूप से ऐलान किया है कि इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज जेम्स फोस्टर आईपीएल 2026 में उनके फील्डिंग कोच रहेंगे. उन्होंने इंग्लैंड के लिए 2001 से लेकर 2009 तक क्रिकेट खेला. इस दौरान वो 7 टेस्ट, 11 वनडे और 5 टी20आई मैचों का हिस्सा रहे. रिटायरमेंट के बाद उन्होंने इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम के साथ कोचिंग स्टाफ के सदस्य के रूप में काम किया. हाल ही में वो आईएलटी20 विजेता टीम डेजर्ट वाइपर्स के सपोर्ट स्टाफ का भी हिस्सा थे.

सीएसके ने सोशल मीडिया पर जेम्स फोस्टर की तस्वीर डालते हुए लिखा, 'जेम्स फोस्टर का स्वागत कीजिए. इंग्लैंड के इस पूर्व विकेटकीपर और कोच को दुनिया भर की टीमों के साथ काम करने का अनुभव है.

केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर लगाए कई गंभीर आरोप

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर विधानसभा में किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला।

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि राज्यपाल का भाषण सरकार की नीतियों और प्रतिबद्धताओं का प्रतिबिंब होता है, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे मात्र औपचारिकता बना दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद पहले ही अभिभाषण में छह गारंटियों को कानूनी दर्जा देने की बात कही गई थी और इस संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा फाइल पर हस्ताक्षर भी किए गए थे। केटीआर ने सवाल उठाया कि वह फाइल अब कहां है और इसकी जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित फाइल का कोई मूल्य नहीं है, तो सरकार की घोषणाओं पर जनता कैसे विश्वास करे।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 100 दिनों के भीतर वादे पूरे करने की बात कही थी, लेकिन दो वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी किसी एक परिवार को 2.5 लाख का लाभ मिलने का प्रमाण नहीं दिखाया गया है। केटीआर ने मंत्रियों के परस्पर विरोधी बयानों की भी आलोचना करते हुए विधानसभा में जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

ड्रग्स मामले में घिरे पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी
बीआरएस ने थमाया 'कारण बताओ' नोटिस

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति ने नशीले पदार्थों के सेवन के गंभीर आरोपों में घिरे पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। हैदराबाद के निकट एक निजी समारोह में कथित तौर पर ड्रग्स के सेवन की मीडिया रिपोर्टों के बाद, पार्टी ने उन्हें 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए, बीआरएस महासचिव सोम भरत कुमार ने यह नोटिस जारी किया। नोटिस में रोहित रेड्डी से सात दिनों के भीतर लिखित जवाब देने को कहा गया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि जब तक इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक रोहित रेड्डी पार्टी के किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकेंगे। महासचिव भरत कुमार ने कहा कि इस घटना से जुड़ी खबरों ने न केवल पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि जनता के बीच भी चिंता पैदा की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस एक जिम्मेदार राजनीतिक दल है जो कानून और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों, विशेषकर नशीली दवाओं के सेवन का कड़ा विरोध करता है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक उत्तर नहीं मिलता है, तो पूर्व विधायक के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में इस मामले ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है।

सेवानिवृत्ति लाभों में देरी पर बीआरएस हमलावर

विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश, पेंशनभोगियों की आर्थिक बदहाली पर चर्चा की मांग

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मंगलवार को विधानसभा में राज्य सरकार के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभों के भुगतान में हो रही अत्यधिक देरी का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया। पार्टी ने इस विषय पर सदन की कार्यवाही रोककर चर्चा करने के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया।

बीआरएसएलपी के उपनेता टी. हरीश राव ने इस दौरान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी लंबित ग्रेच्युटी, जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ) और अन्य महत्वपूर्ण लाभ समय पर नहीं मिल पा रहे हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि इन लाभों के रुकने से हजारों पेंशनभोगियों को गंभीर आर्थिक तंगी और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बीआरएस सदस्यों ने सदन में मांग की कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर तुरंत चर्चा करे। पार्टी ने सरकार से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि लंबित बकाया राशि के भुगतान के लिए बजट में क्या प्रावधान किए गए हैं और यह भुगतान कब तक सुनिश्चित किया जाएगा। विधानसभा में इस मुद्दे को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस की स्थिति बनी रही।

बीएचईएल

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
रामचन्द्रपुरम, हैदराबाद – 502032
मानव संसाधन प्रबंधन

विज्ञापन संख्या: PTMC/2026/01

बीएचईएल, एचपीईपी, हैदराबाद, पार्ट टाइम मेडिकल कंसल्टेंट्स (पी टी एम सी) की नियुक्ति के निम्नलिखित पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है:

पद	सुपर स्पेशलिस्ट (ऑंकोलोजी)	सुपर स्पेशलिस्ट (कार्डिओलोजी)	स्पेशलिस्ट (रेडिओलोजी)	एम बी बी एस (1 वर्ष के अनुभव के साथ)
रिक्ति	1	2	2	3

यह नियुक्ति पूरी तरह से एक वर्ष की अस्थायी अवधि के लिए है (आवश्यकता और प्रदर्शन के आधार पर इसे बढ़ाया जा सकता है)। पारिश्रमिक पद और योग्यता के अनुसार प्रति घंटा के आधार पर होगा।

इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार आवेदन पत्र जमा करने और पूरी जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट https://hpep.bhel.com एवं https://careers.bhel.in पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देख सकते हैं।

डॉक्टर बनकर मरीजों को लूटने वाले दंपत्ति गिरफ्तार

बुजुर्ग महिला मरीजों को निशाना बनाते थे आरोपी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पुलिस ने अस्पतालों में मेडिकल प्रोफेशनल बनकर चोरी करने वाले एक शातिर दंपति को गिरफ्तार किया है। कमिश्नर टास्क फोर्स, सिकंदराबाद जोन की टीम और मलकाजगिरि कमिश्नरेट की मार्केट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 25 वर्षीय जी. शिरीषा और उसके पति 30 वर्षीय एडुलापल्ली साई कुमार गौड़ के रूप में हुई है। शिरीषा फार्मेसी की छात्रा है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी अस्पतालों में डॉक्टर बनकर घुसते थे और मरीजों को बेहोश कर उनके गहने लूट लेते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी खास तौर पर बुजुर्ग महिला मरीजों को निशाना बनाते थे। शिरीषा अपने मेडिकल ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए मरीजों को डायजेपाम नामक नींद की दवा इंजेक्शन के जरिए देती थी, जिससे मरीज बेहोश हो जाते थे। इसके बाद आरोपी उनके सोने के आभूषण लेकर फरार हो जाते थे। बीते 11 मार्च को शिरीषा ने सिकंदराबाद के यशोदा अस्पताल में इसी तरीके से वारदात को अंजाम दिया। इससे पहले भी चंदानगर स्थित सिटीजन स्पेशियलिटी अस्पताल में दोनों ने इसी तरह की चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 11 तोला सोना, दो मोबाइल फोन और एक मारुति सुजुकी बलेनो कार बरामद की है। दोनों आरोपी पहले से दर्ज मामलों में फरार चल रहे थे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई सिकंदराबाद टास्क फोर्स और मार्केट पुलिस स्टेशन की टीम ने संयुक्त रूप से की।

सीएम ने नंदिनी सिधा रेड्डी को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलने पर हर्ष जताया

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के प्रसिद्ध कवि एवं लेखक नंदिनी सिधा रेड्डी को वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलने पर हर्ष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सिधा रेड्डी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे एक महान मानवतावादी लेखक हैं, जिन्होंने अपनी काव्य कृति अनिमेषा के माध्यम से कोविड-19 महामारी के दौरान मानव जीवन की पीड़ा और रिश्तों के विघटन को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान सिधा रेड्डी ने अपनी रचनाओं से जनभावनाओं को जागृत कर महत्वपूर्ण योगदान दिया और आधुनिक तेलंगाना साहित्य को समृद्ध किया।

विधानसभा में विपक्ष के सभी स्थगन प्रस्ताव खारिज

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में मंगलवार को विपक्ष का भारी हंगामा देखने को मिला। विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने विभिन्न जनहितैषी मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों द्वारा लाए गए सभी स्थगन प्रस्तावों को खारिज कर दिया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई।

मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले लाभों में देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। बीआरएसएलपी के उपनेता टी. हरीश राव ने सदन में कहा कि ग्रेच्युटी और सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) जैसे लाभ न मिलने से हजारों पेंशनभोगी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बीआरएस सदस्यों ने सरकार से मांग की कि वह इन बकाया भुगतानों के लिए बजट आवंटन की स्थिति स्पष्ट करे।

सीपीआई विधायक कुनामनेनी सांबासिवा राव ने भी इसी मुद्दे पर चर्चा की मांग का समर्थन किया। दूसरी ओर, भाजपा विधायक पायल शंकर ने तेलंगाना में फसल बीमा योजना के लागू न होने पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना के अभाव में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। विपक्ष के कड़े रुख और चर्चा की मांग के बीच अध्यक्ष ने कार्यवाही स्थगित करने का निर्णय लिया।

नौ करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर : भट्टी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि धान पर दिए जा रहे बोनस से किसानों को प्रति किसान लगभग 25,000 रुपये का अतिरिक्त लाभ मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि किसानों की मेहनत को सम्मान देते हुए महीन धान की खेती करने वाले किसानों के खातों में 500 प्रति क्विंटल का बोनस सीधे जमा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'रैतू भरोसा' योजना के तहत मात्र नौ दिनों में 9,000 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ब्याज मुक्त ऋण योजनाओं के तहत हर वर्ष 20,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि दी जा रही है और अब तक 57,000 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक प्रगति से परिवार और राज्य दोनों का विकास होता है। भट्टी

विक्रमार्क ने बीआरएस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की जनता महिलाओं के प्रति उनके रवैये से भली-भांति परिचित है। उन्होंने के.टी. रामाराव पर बिना पूरी जानकारी के बयान देने का आरोप लगाया और कहा कि यदि वे वास्तव में महिलाओं के विकास के प्रति गंभीर होते, तो अपने मंत्रिमंडल में उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व देते।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाधाओं के बावजूद महिलाओं को ब्याज मुक्त ऋण देना जारी रखेगी और एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उपमुख्यमंत्री ने पूर्व सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि दस वर्षों में डबल बेडरूम आवास का वादा पूरा नहीं किया गया। इसके विपरीत वर्तमान सरकार ने प्रत्येक मकान के लिए 5 लाख स्वीकृत कर निर्माण कार्य शुरू किया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 4.5 लाख मकानों (प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3,500) का निर्माण किया जा रहा है और 'इंदिरम्मा आवास योजना' के तहत 22,500 करोड़ रुपये एकमुश्त आवंटित किए गए हैं, जिसे देश के इतिहास में एक रिकॉर्ड बताया जा रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि वर्तमान सरकार चुनाव के दौरान किए गए 'छह गारंटी' वादों को पूरा कर रही है, जबकि पिछली सरकार दस वर्षों में डबल बेडरूम मकान, प्रत्येक परिवार को नौकरी, दलित मुख्यमंत्री और भूमिहीन गरीबों को भूमि देने जैसे वादों को पूरा करने में विफल रही।

तेलंगाना में 18,000 करोड़ के सड़क घोटाले का आरोप

बीआरएस ने की न्यायिक जांच की मांग

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत सड़क परियोजनाओं के क्रियान्वयन में 18,000 करोड़ रुपये के विशाल घोटाले का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने निविदाओं (टेंडर) को तत्काल रद्द करने और उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से इस पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। विधानसभा में मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान हरीश राव ने पूर्व मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी के साथ मिलकर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

राव ने दावा किया कि सड़क एवं भवन विभाग के तहत 12,000 करोड़ और पंचायत राज विभाग के तहत 6,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें नियमों को ताक पर रखकर चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 10 प्रतिशत अग्रिम राशि जारी करने की जो नई योजना बनाई है, उससे करीब 1,800 करोड़ रुपये का सीधा दुरूपयोग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

बीआरएस नेता ने तकनीकी खामियों को उजागर करते हुए कहा कि पहले जो निविदाएं अनुमानित लागत से कम दरों पर दी जाती थीं, उन्हें अब 15-20 प्रतिशत अधिक (प्रीमियम) पर आवंटित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निविदा समिति को दरकिनार कर और पांच प्रतिशत की प्रीमियम सीमा को हटाकर ठेकेदारों के एक 'सिंडिकेट' को बढ़ावा दिया गया है। हरीश राव ने चेतावनी दी कि बीआरएस इस मुद्दे को केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) और आरबीआई तक ले जाएगी और सत्ता में लौटने पर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग पर पुलिस का डंडा, 38 सिलेंडर जब्त

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति प्राधिकरण ने मंगलवार को बालानगर और उसके आसपास के इलाकों में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के अवैध व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सहायक आपूर्ति अधिकारी (एएसओ) जी. कल्याण के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर कुल 38 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए।

प्राधिकरण को सूचना मिली थी कि व्यावसायिक सिलेंडरों की किल्लत और ऊंची कीमतों के बीच कई होटल और ढाबा संचालक सब्सिडी वाले घरेलू गैस सिलेंडरों की हेराफेरी कर रहे हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने चिंतल, शाहपुरनगर, सुराराम और गजुलाराम जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्थित टिफिन केंद्रों, सड़क किनारे के ढाबों और फास्ट फूड कॉर्नरों की सघन तलाशी ली। जांच के दौरान पाया गया कि कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करते हुए खाना पकाने के लिए घरेलू सिलेंडरों का उपयोग कर रहे थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग कानूनी रूप से अपराध है और इससे राजस्व की हानि के साथ-साथ सुरक्षा का खतरा भी बना रहता है। विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

व्यावसायिक सिलेंडरों का भारी संकट

बंद होने के कगार पर छोटे भोजनालय

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में जारी युद्ध के कारण व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत ने हैदराबाद के खाद्य व्यवसाय को बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले कुछ दिनों से शहर के छोटे और मध्यम आकार के भोजनालयों के साथ-साथ सड़क किनारे लगने वाली खाने की 'बंडियों' पर ताले लटकने लगे हैं। व्यावसायिक सिलेंडरों की कमी से न केवल व्यापार ठप हो रहा है, बल्कि इससे जुड़े हजारों परिवारों की रोजी-रोटी पर भी संकट मंडराने लगा है। संकट के गहराने के साथ ही 19 किलोग्राम वाले व्यावसायिक सिलेंडरों की कालाबाजारी भी बढ़ गई है, जिससे इनकी उपलब्धता बाजार में न के बराबर रह गई है। अमीरपेट और बेगमपेट जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्थित होटल और रेस्तरां सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। आम जनता को किफायती भोजन उपलब्ध कराने वाली सड़क किनारे की 'बंडियां' धीरे-धीरे सड़कों से गायब हो रही हैं, जिससे आम आदमी की जेब पर भी बोझ बढ़ गया है। गैस की कमी को देखते हुए शहर के कुछ होटल मालिकों ने खाना पकाने के लिए लकड़ी के पारंपरिक ईंधन का उपयोग शुरू कर दिया है, लेकिन घनी आबादी वाले इलाकों में स्थित व्यावसायिक रसोईघरों के लिए धुएं और ज्वलनशील ईंधन को संभालना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। इस बीच, शहर के विभिन्न एलपीजी केंद्रों पर गैस के लिए उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। सरकार और प्रशासन से राहत की उम्मीद लगाए बैठे व्यापारियों का कहना है कि यदि संकट जल्द दूर नहीं हुआ, तो कई प्रतिष्ठान स्थायी रूप से बंद हो सकते हैं।

खाड़ी देशों में युद्ध के बादलों ने छीनी ईद की खुशी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों ने इस साल ईद-उल-फितर के जश्न को फीका कर दिया है। खाड़ी देशों में रह रहे तेलंगाना के लाखों प्रवासी भारतीयों (एनआरआईएस) ने उड़ानों में हो रहे लगातार व्यवधान और भारी आर्थिक बोझ के कारण इस बार ईद पर अपने घर हैदराबाद आने की योजना रद्द कर दी है। रियाद में कार्यरत फैसल खान ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि हवाई किराए में 300 से 400 प्रतिशत तक की अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। टिकट बुक करने के बावजूद उड़ान भरने की कोई गारंटी नहीं है, जिसके चलते कई लोगों ने घर जाने का विचार त्याग दिया है। वहीं, दुबई और बहरीन जैसे शहरों में फंसे लोग इस डर से भी भारत नहीं लौट रहे हैं कि यदि पूर्ण युद्ध छिड़ गया, तो वे भारत में ही फंसे रह जाएंगे और उनकी नौकरी पर संकट आ जाएगा।

तिरुमला में कोइल अलवार तिरुमंजनम अनुष्ठान संपन्न

तिरुमला, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उगादी के उपलक्ष्य में कोइल अलवार तिरुमंजनम अनुष्ठान का आयोजन तिरुमला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पारंपरिक विधि-विधान के अनुसार किया गया।

इस दौरान मंदिर परिसर की शुद्धि के लिए विशेष सुगंधित पदार्थों का प्रयोग किया गया। अनुष्ठान के पश्चात पूजा-अर्चना और नैवेद्य अर्पित किया गया। उसके बाद श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी गई। टीटीडी अध्यक्ष बी.आर. नायडू ने कहा कि इस पवित्र अनुष्ठान में भाग लेना सौभाग्य की बात है। अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैय्या चौधरी ने बताया कि यह परंपरा प्रमुख त्योहारों से पहले निभाई जाती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.